ग्वालियर ■ सोमवार 21 अप्रैल 2025 ■ वर्ष -26 ■ अंक-272 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

दैनिक
# सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज

सुविचार

धर्म, व्यक्ति एवं समाज, दोनों के लिए आवश्यक है।
– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

# मालवा जंगल में 100 साल बाद...पड़े चीतों के कदम

सत्ता सुधार ■ मंदसौर

मंदसौर जिले का गांधी सागर अभयारण्य चीतों का नया घर बन गया है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने रविवार शाम को पावक और प्रभाष नाम के दो चीतों को अभयारण्य के बाड़े में छोड़ा। पिंजरा खुलते ही एक-एक करके दोनों ही चीतों ने बाड़े में दौड़ लगा दी। पावक और प्रभाष दोनों ही चीतों को कूनो नेशनल पार्क से मंदसौर के गांधी सागर अभयारण्य लाया गया है। नर चीते पावक और प्रभाष करीब 6-6 साल के हैं। इन दोनों को दक्षिण अफ्रीका से 18 फरवरी 2023 को लाया गया था। दोनों ही सगे भाई हैं। करीब 100 साल बाद अब चीतों के कदम मालवा के जंगल में पड़े हैं। गांधीसागर में देश में पहली बार इनकी शिफ्टिंग की गई है।

### पिंजरे में रखा गया था

कूनो नेशनल पार्क से रविवार सुबह 8 बजे गांधी सागर के लिए चीतों को लेकर टीम रवाना हुई थी, जो शाम करीब 4 बजे गांधी सागर पहुंची। दोनों को ट्रेंकुलाइज कर पिंजरे में रखा गया था।

### छह वर्ग किमी के बाड़े

वातानुकूलित गाड़ी में दोनों को अलग-अलग पिंजरे में रखा गया था। ये चीते राजस्थान के कोटा, झालावाड़ होते हुए 8 घंटे में 360 किमी की दूरी बिना रुके तय कर गांधी सागर पहुंचे। यहां इन्हें 6 वर्ग किमी के बाड़े में छोड़ा गया।

### 10 चीतों को बसाने का इंतजाम

गांधी सागर अभयारण्य में वन विभाग ने चीतों के लिए 8900 हेक्टेयर का विशेष क्षेत्र तैयार किया है। यहां 8 से 10 चीतों को बसाने की व्यवस्था की गई है।

### भोजन भी भरपूर

चीतों के भोजन के लिए अभयारण्य में 150 से अधिक चीतल, 80 से अधिक चिंकारा, 50 से अधिक व्हाइट बोर्ड और 50 से अधिक नीलगाय मौजूद हैं। इसके अलावा यहां पहले से ही हिरणों की अच्छी-खासी संख्या है।

### 90 चीता मित्र दक्ष

गांधी सागर अभयारण्य के रेंजर अंकित सोनी ने कहा- 90 प्रशिक्षित लोगों की टीम चीतों की देखरेख करेगी। इनकी ट्रेनिंग कूनो सैंक्चुरी में पूरी हो चुकी है। वन विभाग ने 16 किलोमीटर में एक परिक्षेत्र बनाया है, जिसमें चीतों को सुरक्षित रखा जाएगा। पानी की विशेष व्यवस्था के लिए सैंक्चुरी एरिया में तालाब बनाए गए हैं।

### अब कूनो में 24 चीते

दोनों चीतों के कूनो नेशनल पार्क से जाने के बाद यहां 24 चीते रह गए हैं। इनमें 13 भारतीय जबकि 11 विदेशी चीते हैं। इन 24 में से 17 चीते फिलहाल कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल में दौड़ लगा रहे हैं।

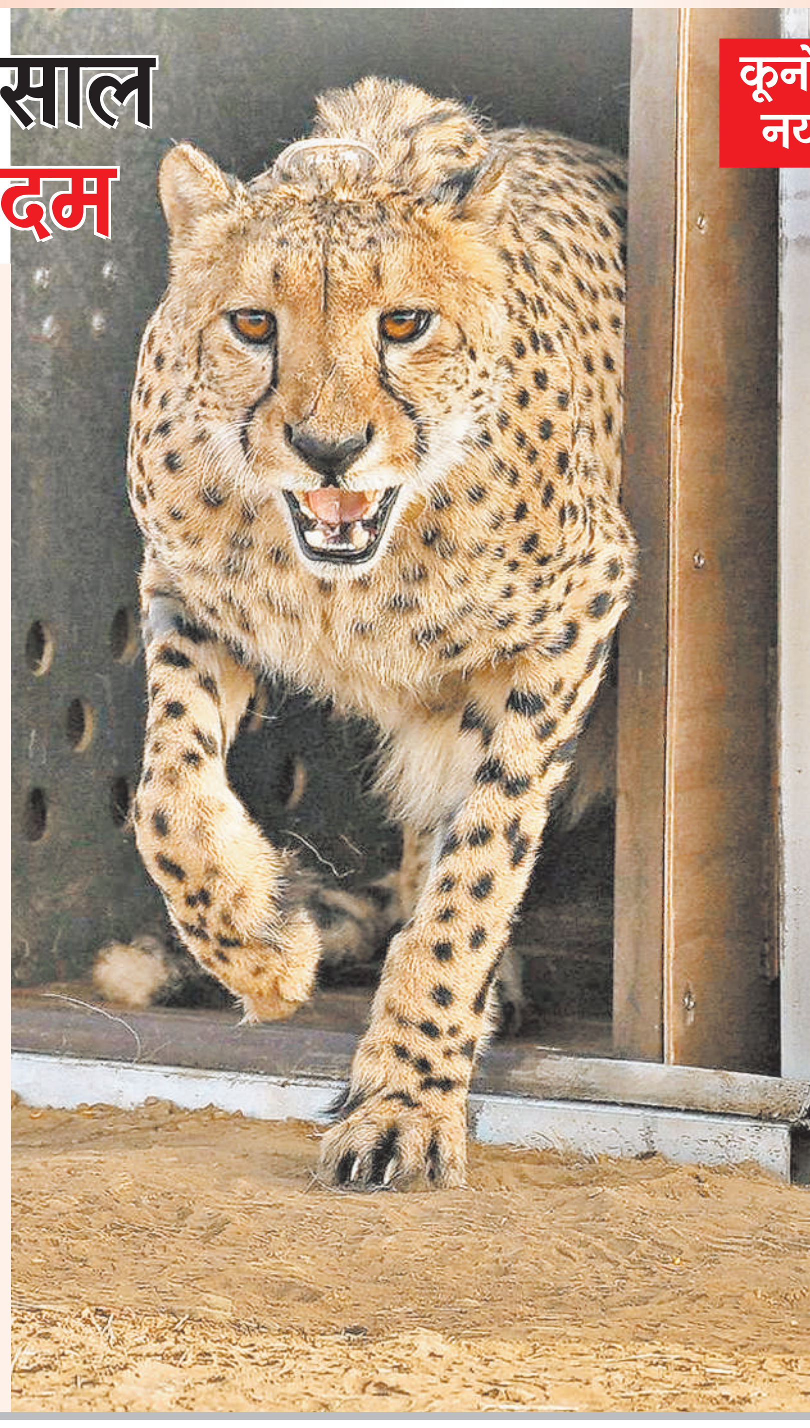

## कूनो के 'पावक-प्रभाष' का नया घर अब गांधीसागर

- पिंजरे से निकलते ही दोनों चीतों ने बाड़े में लगाई दौड़
- सीएम मोहन यादव ने पावक और प्रभाष को बाड़े में छोड़ा
- देश में पहली बार मध्यप्रदेश में गई चीतों की शिफ्टिंग
- अभयारण्य के गेट नं-4 से 6 वर्ग किमी के बाड़े में छोड़े
- साल-2022 से मध्यप्रदेश में शुरू किया चीता प्रोजेक्ट
- 112 करोड़ रुपए में से 67 प्रतिशत राशि खर्च
- 24 घंटे चीतों पर निगरानी के लिए पूरी व्यवस्था की गई
- मई महीने में ही बोत्सवाना से चार चीते और आएंगे

सीएम मोहन यादव ने कहा...

## एमपी में चीतों का ग्रोथ रेट सबसे अधिक

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गांधीसागर अभयारण्य में एक नया इतिहास रचा गया है। चीता पुनर्वास की दृष्टि से अभयारण्य में दो चीते प्रभाष और पावक छोड़े गए हैं। पीएम मोदी ने टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश को चीता स्टेट बनाने का गौरव दिया है। मप्र की आबोहवा चीतों के लिए अनुकूल है। वन्य प्राणियों के संरक्षण की दिशा में मप्र में लगातार कार्य हो रहे हैं। अभयारण्य के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। चीतों के आने से मंदसौर नीमच जिलों मे पर्यटन की संभावनाओं को पंख लग जाएंगे। मई में बोत्सवाना से 4 चीते और आएंगे। देश में कई जगह चीतों के पुनर्स्थापना का प्रयास किया, लेकिन उनका ग्रोथ रेट कम रहा या जीवीत ही नहीं रहे। पूरे एशिया में 1947 में आखिरी बार छत्तीगढ़ के कोरिया में आखिरी चीते के शिकार हुआ था। बाकी क्षेत्रों से इससे पहले ही चीता चले गए थे। एशिया के एमपी में 2022 में चीता प्रोजेक्ट शुरू किया गया। चीतों का सबसे ज्यादा ग्रोथ रेट मध्यप्रदेश में रहा है। एमपी में अब तक जितने चीते लाए, उसकी दूसरी पीढ़ी तैयार हो गई।

## ब्रीफ न्यूज

### चीन के फाइटर जेट की दिखी पहली झलक

**नई दिल्ली।** चाहे व्यापार हो या रक्षा, हर मोर्चे पर चीन अमेरिका को चुनौती दे रहा है। अमेरिका ने जानकारी दी थी कि एफ-47 लड़ाकू विमान बनाने पर काम कर रहा है। अमेरिका के इस एलान के बाद चीन ने जे-36 और जे-50 जैसे विमानों के प्रोटोटाइप का प्रदर्शन किया है।

### लखनऊ में दो युवकों की पीट-पीटकर हत्या

**लखनऊ।** गोमतीनगर के विरामखंड में दो युवकों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। दोनों के शव रेलवे ट्रैक के पास पड़े मिले। इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी ने बताया कि दोनों मृतकों की पहचान कर ली गई है।

### प्रतिबंधित संगठन के 16 सदस्य गिरफ्तार

**इंफाल।** मणिपुर में पिछले 48 घंटों में कई प्रतिबंधित संगठनों के 16 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर पुलिस ने बताया कि, प्रतिबंधित पंबेई के दो कार्यकर्ताओं को इंफाल पूर्वी जिले के नोंग्दम गांव के पास नेपेटपल्ली एंड्रो रोड से गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी कथित तौर पर जबरन वसूली में शामिल थे।

### अमेरिकी उपराष्ट्रपति आज आएंगे भारत

**नई दिल्ली।** अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के चार दिन के दौरे पर आ रहे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी उषा वेंस और तीनों बच्चे भी इस ट्रिप पर आएंगे। सोमवार सुबह 10 बजे जेडी वेंस दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे। इसके बाद वे अक्षरधाम मंदिर जाएंगे।

### पाकिस्तान में हिंदू मंत्री तक सुरक्षित नहीं

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान में हिंदुओं का उत्पीड़न आम बात है, लेकिन इस बार सिंध में एक हिंदू मंत्री पर हमला किया गया है। शहबाज सरकार में धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री खेल दास कोहिस्तानी प्रांत के थट्टा जिले से गुजर रहे थे, तभी उनके काफिले पर टमाटर और आलू फेंके गए।

# जम्मू-कश्मीर में बादल फटने से मची तबाही

## रामबन में बाढ़ और भूस्खलन से तीन की मौत

एजेंसी ■ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दिनों से बारिश हो रही है। रामबन जिले के सेरी बागना इलाके में रविवार सुबह बारिश के बाद बादल फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने करीब 100 लोगों को रेस्क्यू किया। बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। पहाड़ का मलबा गांव की तरफ आ गया, जिसके चपेट में कई लोग और घर आ गए। उधर, रामबन जिले के बनिहाल इलाके में कई जगह भूस्खलन हुई हैं। इसकी वजह से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया है। सैकड़ों वाहन फंस गए हैं। किश्तवाड़-पद्दर मार्ग भी बंद है।

- पुलिस-प्रशासन ने 100 लोगों को बचाया
- किश्तवाड़ में भूस्खलन से रास्ता बंद हो गया
- पुलिस चौकी भी मलबे की चपेट में आ गई
- नदी के किनारे बसा गांव पूरी तरह से तबाह

यहां वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। अधिकारियों ने मौसम साफ होने के बाद ही हाईवे पर सफर करने की अपील की है। भूस्खलन के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें पहाड़ से मलबा गिरते देखा जा सकता है। कुछ इलाकों में पहाड़ का मलबा सड़कों और रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया।

### धर्मकुंड में फंसे लोगों को निकाला

रामबन जिले में चेनाब नदी के पास धर्मकुंड गांव लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया है। 10 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, 25-30 अन्य घरों को भी नुकसान हुआ है। धर्मकुंड पुलिस ने 90-100 लोगों को सुरक्षित बचाया।

# कर्नाटक में पूर्व डीजीपी की हत्या

### पत्नी पर आरोप, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी ■ बेंगलुरू

कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की हत्या ने पूरे राज्य में हड़कंप मचा दिया। रविवार को बेंगलुरु में अपने आवास में ओम रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, डीजीपी की पत्नी पल्लवी ही हत्या की आरोपी है। पुलिस ने आरोपी पत्नी को थाने लेकर गई है। वहीं, बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दोनों पति-पत्नी के बीच कई सालों से वैवाहिक जीवन में मतभेद चल रहा था। पैसों को लेकर भी झगड़े हुआ करते थे। दोनों का एक बेटा और बेटी भी है। प्रकाश 1981 बैच के आईपीएस अधिकारी थे और बिहार से थे। 28 फरवरी, 2015 को कर्नाटक के डीजी और आईजीपी बने और जनवरी 2017 में सेवानिवृत्त हुए।

# स्कार्पियों की टक्कर से परिवार खत्म, चार लोगों ने तोड़ा दम

सत्ता सुधार ■ टीकमगढ़

टीकमगढ़ के कुडेश्वरधाम रोड पर एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जिसमें पति-पत्नी सहित एक दो वर्षीय मासूम भी शामिल है। मासूम की मौके पर ही मौत हो गई थी। दूसरे लोग लहूलुहान अवस्था में पड़े हुए थे। आसपास के लोगों ने गंभीर घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां पर सभी की मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए स्कार्पियों वाहन को जब्त किया है। अस्तोन गांव में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत की खबर सुनकर गांव में मातम पसर गया।

### तेज रफ्तार स्कॉर्पियों ने मारी टक्कर

कोतवाली टीआई पंकज शर्मा ने बताया कि टीकमगढ़ से बाजार करने के बाद एक बाइक पर संजय साहू (25) और उनकी पत्नी रीता साहू (23) के साथ ही दो वर्षीय मासूम रुद्र साहू निवासी अस्तोन सवार होकर टीकमगढ़ से अस्तोन की ओर जा रहे थे। पास से एक बाइक पर सवार प्रतीक राय (30) अपने गांव खिरिया नाका की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ललितपुर की ओर से एक तेज रफ्तार स्कार्पियों वाहन आया। पीजी कॉलेज के पास दोनों ही बाइकों को टक्कर मार दी। कार तेज स्पीड में थी।

# अमृतपाल सिंह पर एक साल और बढ़ा एनएसए

- 23 से लागू होगा, हाईकोर्ट में अपील की तैयारी, पिता ने कहा- परिवार को नहीं दी जानकारी

एजेंसी ■ अमृतसर

खडूर साहिब से सांसद और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह पर लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। एनएसए बढ़ाए जाने को लेकर एक दस्तावेज सामने आया है। जिसके बाद यह साफ हो गया है कि अमृतपाल सिंह अब एक साल और असम की डिब्रूगढ़ जेल में रहेंगे। अमृतपाल सिंह ने 18 अप्रैल को इस पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। नया एनएसए 23 अप्रैल से लागू होगा। अगर इसकी अवधि तीसरी बार बढ़ाई जाती है तो परिवार पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है। अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा कि देश में सिखों के लिए अलग कानून चल रहा है।

सियासी हलचल

एक बार फिर बिगड़े भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बोल, अब कहा

# कुरैशी देश के चुनाव आयुक्त नहीं, बल्कि मुस्लिम कमिश्नर थे

- जेपी नड्डा ने दुबे को ऐसी बयानबाजी से बचने की दी थी हिदायत
- कुरैशी बोले-वक्फ कानून गलत मंशा से लाई गई केंद्र की एक योजना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर विवादास्पद बयान देकर सियासी हलचल मचा दी है। इस बार उन्होंने भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी को निशाने पर लेते हुए कहा कि वे चुनाव आयुक्त नहीं बल्कि मुस्लिम कमिश्नर थे। हैरानी की बात है कि दुबे ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ कुरैशी के तीन दिन पुराने पोस्ट का जवाब देते हुए हमला बोला। दरअसल, 17 अप्रैल को एक्स पर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरैशी ने लिखा था-वक्फ अधिनियम निःसंदेह सरकार की एक खतरनाक और दुष्ट योजना है, जिसका मकसद मुस्लिम संपत्तियों पर कब्जा करना है। मुझे यकीन है कि सुप्रीम कोर्ट इसे खारिज करेगा। शरारती प्रचार तंत्र ने अपना काम कर दिया है।

**अवमानना की हो कार्यवाही-** इधर, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की सुप्रीम कोर्ट को लेकर की गई टिप्पणी पर विवाद बढ़ता जा रहा है। अधिवक्ता अनस तनवीर ने इस मामले में देश के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि को चिट्ठा लिखा और भाजपा सांसद के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की इजाजत मांगी है। तनवीर ने कहा कि निशिकांत दुबे ने टिप्पणी बेहद अपमानजनक और सुप्रीम कोर्ट की गरिमा को कम करने के उद्देश्य से टिप्पणी की है। दुबे की टिप्पणी गंभीर रूप से अपमानजनक और खतरनाक रूप से भड़काऊ है।

### सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से आगे जा रहा

गौरतलब है कि शनिवार को निशिकांत दुबे ने वक्फ संशोधन कानून पर सुनवाई के दौरान की गई टिप्पणियों को लेकर हमला बोलते हुए कहा था कि सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से आगे जा रहा है। उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश पर देश को अराजकता की ओर ले जाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि कानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन को बंद करन देना चाहिए। वैसे जेपी नड्डा ने निशिकांत दुबे के बयान को निजी बताते हुए साफ कर दिया कि इसका पार्टी से कोई लेना देना नहीं है। जेपी नड्डा ने निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा को आगे इस तरह की बयानबाजी नहीं करने की हिदायत भी दी थी।

### बांग्लादेश ने इंटरपोल से हसीना के खिलाफ रेड-कॉर्नर नोटिस मांगा

**ढाका।** बांग्लादेश पुलिस ने इंटरपोल से पूर्व पीएम शेख हसीना के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग की है। हसीना के अलावा 11 अन्य लोगों के खिलाफ भी ऐसी ही मांग की गई है। शेख हसीना पिछले साल अगस्त में हुए तख्तापलट के बाद से भारत में रह रही हैं। ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना, उनके पूर्व मंत्रियों, सलाहकारों और अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इन पर नरसंहार के आरोप थे। इंटरपोल का रेड नोटिस किसी व्यक्ति को ढूंढ़ने और उसे प्रत्यर्पण या कानूनी कार्रवाई से पहले अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने में मदद करता है।

### मुख्यमंत्री ने 785 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का किया लोकार्पण, मंदसौर-नीमच जिले में एक भी खेत नहीं रहेगा सिंचाई से वंचित

# सुखानंद को बनाएंगे धार्मिक पर्यटन केन्द्रः मुख्यमंत्री

**जावद में किया सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण**
**मेधावी विद्यार्थियों को दिए लैपटाप**
**किसानों को सोलर पम्प देकर दिलाएंगे बिजली बिल से मुक्ति**
**जावद में सुविधि रेयॉन्स की इकाई से सृजित होंगा रोजगार**
**स्वास्थ्य केन्द्र का 100 बिस्तरीय अस्पताल में होगा उन्नयन**

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मंदसौर और नीमच जिले के हर खेत को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। पीएम मोदी द्वारा प्रदेश को दी गई दो बड़ी राष्ट्रीय नदी जोड़ों परियोजना से पूरा मालवा क्षेत्र भी लाभान्वित होगा। किसानों को सोलर पम्प देकर उन्हें बिजली बिल से मुक्ति दिलाई जाएगी। किसान अब खुद सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन करेंगे। अधिक बिजली उत्पादन होने की स्थिति में किसानों से सरकार बिजली भी खरीदेगी। मुख्यमंत्री रविवार को नीमच जिले के जावद में महर्षि सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 785 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यो का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया। साथ ही मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जावद में बने महर्षि सांदीपनि विद्यालय का भवन बहुत ही अद्भुत और सर्व सुविधा युक्त हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्वस्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के पीएम मोदी के विजन के साथ शुरू की गई है। सांदीपनि विद्यालयों में सर्व संसाधन युक्त अधोसंरचना विकसित की गई है। इस विद्यालय में 1 किमी से 15 किमी दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विषयवार शिक्षकों के साथ-साथ संगीत शिक्षक, नृत्य शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, खेल शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, कॅरियर काउंसलर आदि भी नियुक्त किए गए हैं। डॉ. यादव ने सुविधि रेयॉन्स प्राइवेट लिमिटेड का भूमि-पूजन किया। इस परियोजना से नीमच को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह परियोजना 31 हेक्टेयर क्षेत्र में 350 करोड़ रुपए के निवेश से विकसित की जाएगी, जिससे लगभग 2000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह इकाई फार्म टू फैशन की अवधारणा को रूप देगी, जिसमें कच्चे माल की खरीद किसानों से लेकर फिनिश्ड फैब्रिक तक की संपूर्ण प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संपन्न होगी। यह एक पूर्णतः एकीकृत टेक्सटाइल पार्क होगा, जिसमें 168 आधुनिक लूम्स, 30,000 स्पिंडल्स और तीन प्रोसेसिंग हाउस स्थापित किए जाएंगे। नीमच अब टेक्सटाइल क्षेत्र में नया इतिहास लिखने को तैयार है, जो मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर भारत के सपने की ओर अग्रसर करेगा।

मुख्यमंत्री ने की कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि सुखानंद तीर्थ स्थल को धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनाया जाएगा। थड़ोद स्थित हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन किया जाएगा। सिंगोली स्थित स्वास्थ्य केंद्र का परीक्षण कर उन्नयन की कार्यवाही होगी। जावद में स्थित स्वास्थ्य केंद्र को 100 बिस्तरीय कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एशिया में चीते प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई है। मध्यप्रदेश ने इस प्रोजेक्ट में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। प्राणियों के लिए भी सरकार ने चिंता की है। चीते की मध्यप्रदेश में अच्छी ग्रोथ देखने को मिली है। गांधीसागर में वन्य प्राणियों से लोगों को रोजगार मिलेगा। पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इको सिस्टम अच्छा बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए। सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश नई दिशा की तरफ आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक सप्ताह कुछ न कुछ नया देखने को मिल रहा है। आज नागरिकों के लिए बहुत ही खुशियों का अवसर है। शिक्षा के क्षेत्र में भारी बदलाव हुए हैं। सनातन संस्कृति, कृषि, उद्योग, शिक्षा के लिए सरकार ने काम किया है। साइबर तहसील के माध्यम से सारे काम ऑनलाइन हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में रीजनल कॉन्क्लेव आयोजित किए गए। इसके साथ ही चीता आने से गांधी सागर अभयारण्य में पर्यटन की संभावना को नए पंख लगे हैं। पर्यटन का खजुराहो एक मार्ग था, अब दूसरा मार्ग नीमच से शुरू हुआ है।

जवाद विधायक ओमप्रकाश ने कहा कि जावद की विकास परंपरा हमेशा आगे बढ़ने की रही है। आज जीवन में सबसे बड़ी खुशी का अवसर है। नीमच में उद्योग के निवेश से रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ेगी। और यह सब सरकार की प्रयासों संभव हुआ है। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, विधायक दिलीप सिंह परिहार सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

### औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से मिलेगी नई पहचान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव नीमच जिले के रामपुरा में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि औषधीय वनस्पतियों की खेती के लिए मंदसौर, नीमच राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है, इसके लिए यहां के किसान अभिनंदनीय हैं। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रोजगार परक उद्योग स्थापित हो रहे हैं। इसमें वस्त्र निर्माण, धागा निर्माण उद्योगों में प्रति श्रमिक 5 हजार रुपए प्रतिमाह सरकार संबंधित उद्योगों को देगी। इससे महिलाओं के लिए रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। सीएम ने कहा कि रामपुरा का प्राकृतिक सौंदर्य देखकर हर किसी की की आखें चौंधिया जाती है। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता के लिए ग्राम पंचायतों को स्वच्छता रथ प्रदान करने की सराहना भी की। साथ ही ग्राम पंचायतों के सरपंचों को स्वच्छता रथ की चाबियां प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न हितग्राही मूलक स्वरोजगार योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीमच और मानसा में छोटे ट्रैक्टरों को स्वच्छता रथ के रूप में विकसित करने की पहल की प्रशंसा की।

### जनकल्याण के लिए अधिकारी मैदान में उतरें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनकल्याण के लिए अधिकारी मैदान में उतरें। नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान कर, सुशासन की दिशा में अपना प्रभावी योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शानिवार रात मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, एसपी, आईजी से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जिलों में उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखें। पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद रहे। आमजन से अधिकारी-कर्मचारी का व्यवहार विनम्र और अच्छा हो। कार्यालयों में आने वाले नागरिक को समाधान प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेतों में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाई जाए। किसानों को सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे उपकरण अधिक संख्या में उपलब्ध करवाए जाएं। इससे किसानों को पराली जलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उनका समय भी बचेगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों को ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए आवश्यक प्रचार-प्रसार किया जाए। आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहें। बाजार में संक्रमित फल न बिकें, उस पर नजर रखी जाए। सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों और संभागों में सभी अधिकारी पारदर्शिता, नवाचार, परिश्रम से कार्य करते हुए नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए सक्रिय रहें।

# मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पसंद के नेता की होगी ताजपोशी

### भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के लिए रायशुमारी तेज

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मप्र भाजपा के नए अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए काउंटडाउन शुरू हो गया है। विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच हुई बैठक के बाद राज्यों को संदेश भेज दिया गया है कि वे प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव जल्द से जल्द संपन्न कराएं। इसके बाद से ही मप्र में भी हचलच तेज हो गई है। सूत्रों का कहना है कि मप्र में भाजपा अध्यक्ष के चयन के लिए आलाकमान ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को फ्री हैंड दे दिया है। यानी डॉ. मोहन की पसंद के नेता की प्रदेश अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी होगी। मप्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का ऐलान जल्द हो सकता है। इस दिशा में शुक्रवार को सीएम डॉ. मोहन यादव का एकाएक दिल्ली दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। खबर है कि इस दौरे में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से संगठन के प्रमुख मसलों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें लंबित राजनीतिक नियुक्तियां और राष्ट्रीय संगठन में राज्यों के प्रतिनिधित्व जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। गौरतलब है कि इस मसले पर शाह से मुख्यमंत्री की लंबी चर्चा हो चुकी है।

# प्रदेश के 'मोटी आई' मॉडल की गूंज दिल्ली तक

### पीएम मोदी आज करेंगे कलेक्टर नेहा मीणा को सम्मानित

सत्ता सुधार ■ भोपाल

आदिवासी जिले झाबुआ में कुपोषण से निपटने के लिए कलेक्टर नेहा मीणा द्वारा किए गए प्रयासों को काफी सराहा जा रहा है। इस काम के लिए उन्हें 21 अप्रैल को नई दिल्ली में पीएम एक्सीलेंस अवॉर्ड मिलेगा। नेहा ने इस अभियान के जरिए बच्चों को कुपोषण से बचाया। वैक्सीनेशन, गर्भवतियों की जांचें, लड़कियों की शिक्षा और कुपोषण हटाने के प्रयासों के अलावा उनका मोटी आई मॉडल सरकार को भी पसंद आया है और उसे अब दूसरे जिलों में भी अपनाया जाएगा।

मोटी आई का मतलब होता है, बड़ी मां। आदिवासी परिवार अपने रीति-रिवाजों, गांव के बड़े बुजुर्गों का बड़ा सम्मान करते हैं, इसलिए नेहा ने इस अभियान को देसी अंदाज

में ढाला। भीली बोली में लोक गीत बनाए, गांवों-फलियों तक अभियान की खूबियां बताई और पोषण आहर को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने गांव में अनुभवी महिलाओं की मदद ली। उन्हें प्रशिक्षित किया। हर गांव में तैयार हुई मोटी आई बच्चों को कुपोषण से दूर रखने में पूरी मदद करती है और मोटी आई कुपोषित बच्चों की मॉलिश भी करती है।

#### 1325 मोटी आई तैयार की

झाबुआ जिले में तैयार हुई 1325 मोटी आई ने एक हजार से ज्यादा बच्चों को कुपोषण से बाहर निकाला। कुपोषण से निकल कर बच्चे सामान्य श्रेणी में आ चुके हैं। दरअसल जिले में कई परिवार यह समझ ही नहीं पाते थे कि उनका बच्चा कुपोषित हो चुका है। कुपोषित बच्चों का डेटा भी कलेक्टर नेहा मीणा ने एकत्र किया और यह पाया कि रोजगार की तलाश में जो परिवार बाहर जाते हैं, उनके बच्चे ज्यादा कुपोषित हैं। वे अपने बच्चे को दादा-दादियों के पास छोडक़र जाते हैं। वे उनका ठीक से ध्यान नहीं रख पाते हैं, इस कारण बच्चे कुपोषित हो जाते हैं।

#### पलायन करने परिवार चिन्हित

सबसे पहले पलायन करने वाले परिवारों को जिले में चिन्हित किया गया और उनके बच्चों की देखभाल का जिम्मा मोटी आई को दिया गया और बच्चों का कुपोषण दूर कर उन्हें सामान्य श्रेणी में लाया गया। कलेक्टर नेहा मीणा कहती है कि बच्चों को स्वस्थ देखकर सुकून मिलता है। अब गांव में इसे लेकर जागृति आ चुकी है।

# देवी अहिल्या जयंती की तैयारी, प्रदेशभर में सुनाई जा रही गाथा

### 60 हजार से ज्यादा लोग देवी अहिल्या बाई के जीवन को जान चुके

सत्ता सुधार ■ भोपाल

देवी अहिल्या बाई की 300 वीं जयंती 31 मई को मनाई जाएगी। प्रदेश सरकार ने इसे बड़े पैमाने पर बनाने का फैसला लिया है। इंदौर और उज्जैन में दो बड़े आयोजन होना है। जिसमें देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मूर्मू शामिल होंगी। इसके अलावा देश और प्रदेश के कई शहरों में देवी अहिल्या पर आधारित नाटकों का मंचन भी कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। विश्व मंगल सभा द्वारा प्रदेश के 15 शहरों में देवी अहिल्या के नाटक का मंचन हो रहा है। महेश्वर में यह नाटक काफी सफल रहा और दर्शक नाटक को देखकर भाव विभोर हो गए थे। नाटक में नागपुर के कलाकारों ने देवी अहिल्या के काल को बखूबी मंच पर उतारा। विश्व मंगल सभा की सूरज डामोर व नलिनी चौखंडे ने बताया कि अभी तक नाटक के माध्यम से 60 हजार से ज्यादा लोग देवी अहिल्या बाई के जीवन को जान चुके है। उन्होंने किस तरह सेवा कार्य किए। कितने सफल तरीके से शासन चलाया और दुश्मनों को भी कूटनीतिक तरीके से हराया। इस सब बातों उल्लेख किया गया है। महेश्वर में अहिल्या लोक बनाने की योजना सरकार ने तैयार की है। उज्जैन में सिंहस्थ मेले को लेकर आयोजित बैठक में अहिल्या लोक पर भी चर्चा हुई। अफसरों को कहा गया है कि महेश्वर के अलावा मंडलेश्वर व आसपास के गांवों में पर्यटन की संभावनाएं है। महेश्वर में किले के अलावा देवी अहिल्या बाई के जीवन पर आधारित एक संग्रहालय बनाया जाए। इसके अलावा चंदेरी की तरह महेश्वर में भी हैंडलूम विलेज बनाने की कार्ययोजना तैयार की गई है,क्योकि महेश्वर की माहेश्वरी साड़ी भी देशभर में प्रसिद्ध है।

**सावधान...1 अप्रैल से आयकर रख रहा है आपके मोबाइल पर नजर**

# वाट्सअप चैटिंग से लेकर ई-मेल और फेसबुक पर निगरानी रखने बनाई विंग

सत्ता सुधार ■ भोपाल

आयकर विभाग अपने करदाताओं की तादाद बढ़ाने के लिए जमाने भर के प्रयास कर रहा है। लोगों में जागरुकता फैलाने के साथ ही कड़े नियमों को लागू करने के बावजूद भी संख्या में उल्लेखनीय प्रगति नहीं हो पा रही है, इसलिए आयकर विभाग द्वारा अब संदिग्ध लोगों की जानकारी के लिए मोबाइल पर नजर रख रहा है, जिसमें वाट्सअप चेटिंग से लेकर ई-मेल, फेसबुक और ट्वीटर पर निगरानी के लिए विंग बनाई गई है, जो लोगों के नकद कारोबार के साथ ही किए जा रहे खर्च की

जानकारी जुटाएगी और उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वैसे तो एविडेंस एक्ट के तहत फिलहाल वाट्सअप, फेसबुक की चेटिंग को कानूनी मान्यता नहीं है, लेकिन लोगों की जानकारी जुटाने के लिए यह सबसे बड़ा जरिया है, जिसके तहत विभाग को यह पता चल जाता है कि किस व्यक्ति ने किसके साथ नकद व्यवहार किया या किन लोगों ने तफरीह के साथ ही विदेश यात्रा में धन खर्च किया। इन सभी जानकारियों के आधार पर कार्रवाई करने के लिए सजगता दिखाते हुए आयकर विभाग ने एक विंग बनाई है, जो ऐसे लेनदेनों पर निगाह रखेगी। हालांकि बड़े कारोबारियों ने पहले से ही सजगता दिखाते हुए मोबाईल फोन के बजाय वाट्सअप पर जहां चर्चा करना शुरू कर दिया है, वहीं लेन-देन के मैसेज वाट्सअप पर बंद कर दिए हैं, लेकिन कुछ लोग अनजाने में अभी भी ऐसे मैसेज का आदान-प्रदान करते हैं, जो आयकर विभाग के लिए कार्रवाई का जरिया बन जाते हैं।

**सियासत** 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण मामले में सुनवाई से पहले पटवारी ने बोला हमला

# सरकार आरक्षण लागू करती है और बाद में उसे रोक देती है, यह सिर्फ दिखावा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण मामले में कल सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर जमकर हमला बोला है। पटवारी ने ओबीसी महासभा की राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य धर्मेन्द्र कुशवाहा और सुप्रीम कोर्ट के वकील वरुण ठाकुर के साथ रविवार को पीसीसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। और सरकार पर जमकर हमला बोला। पटवारी ने कहा कि हमारे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की 15 महीने की सरकार में हमने ओबीसी आरक्षण 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया था। मार्च 2019 में 27 प्रतिशत आरक्षण के लिए अध्यादेश लेकर आए। फिर भाजपा,

आरएसएस और भाजपा समर्थित आरक्षण विरोधी लोगों ने इसको रोकने के लिए एक एमबीबीएस की छात्रा से कोर्ट में पिटीशन लगवाई और अध्यादेश पर रोक लगवा दी। पटवारी ने कहा कि कमलनाथ सरकार ही दो महीने बाद कानून लेकर आई कि ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी होना चाहिए। यानि कांग्रेस पार्टी ने सरकार में रहते हुए विधायिका से 27 फीसदी आरक्षण लागू कराया, लेकिन जब कार्यपालिका को उस कानून का पालन कराना था उसी दौरान हमारी सरकार चली गई। उसके बाद ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण के सारे विरोधी एकजुट हो गए।

जीतू पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने की बजाय सरकार लगातार उन्हें धोखा दे रही है। भाजपा सरकार ने कोर्ट का बहाना बनाकर इस कानून पर अमल नहीं किया। जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार ने कुछ नौकरियों में तो 27 फीसदी आरक्षण दिया, लेकिन कई भर्ती प्रक्रियाओं में फिर से 14 फीसदी ही लागू किया। यानि जब चुनाव आता है, तब भाजपा सरकार आरक्षण लागू कर देती है और बाद में उसे रोक देती है। यह सिर्फ दिखावा है।

### जातिगत जनगणना होना बेहद जरूरी

जीतू पटवारी ने कहा कि जातिगत जनगणना होना बेहद जरूरी है ताकि हर जाति की सही भागीदारी तय हो सके। जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी, यह सामाजिक न्याय की नींव है। उन्होंने बताया कि 20 से ज्यादा युवाओं ने आत्महत्या कर ली क्योंकि उनकी नियुक्तियां वर्षों से रुकी हुई हैं। यह सिर्फ नीति नहीं, बल्कि पाप है। पटवारी ने कहा कि यदि सरकार 27 फीसदी आरक्षण को तुरंत लागू नहीं करती, तो ओबीसी महासभा पूरे प्रदेश में जन-जागरण अभियान चलाएगी। 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को तुरंत लागू किया जाए। जातिगत जनगणना मध्यप्रदेश में जल्द से जल्द कराई जाए। कोर्ट के नाम पर ओबीसी वर्ग को गुमराह करना बंद हो।

# सीएम विज्ञान मंथन यात्रा के छात्र-छात्राओं से करेंगे संवाद

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् की 17वीं विज्ञान मंथन यात्रा के लिए चयनित प्रतिभाशाली भावी वैज्ञानिकों से सोमवार को संवाद करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री निवास में शाम 7 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा पर जाने वाले भावी वैज्ञानिको को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विज्ञान मंथन यात्रा का फ्लैग ऑफ भी करेंगे। इस अवसर पर वैज्ञानिक संस्थानों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों उपस्थिति रहेंगे।

17वीं विज्ञान मंथन यात्रा 21 से 27 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। योजना में चयनित प्रतिभागियों को देश की प्रतिष्ठित प्रयोशालाओं और समर्पित वैज्ञानिकों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। यात्रा उपरांत परिषद् द्वारा आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा में भाग लेने का अवसर मिलेगा। परीक्षा में सफल होने वाले प्रत्येक कक्षा के 20 चयनित विद्यार्थियों को 5 वर्षों तक 12 हजार रुपए प्रति वर्ष की स्कॉलरशिप प्रदान की जायेगी। यात्रा के लिए इस वर्ष कक्षा 10वीं से 12वीं विज्ञान विषय में अध्यनरत पूरे प्रदेश के कुल 375 छात्र-छात्राओ का चयन किया गया है।

### सराफा बाजार में हुआ एमपी के पहले महिला सहायता पिंक बूथ का शुभारंभ

# महिलाएं सहज रूप से अपनी समस्याएं महिला अधिकारियों को बता सकेंगी: गुर्जर

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

महाराज बाड़ा, सराफा बाजार में महिलाओं का आना- जाना काफी संख्या में होता है इसलिए उनकी सुरक्षा को देखते हुए पिंक बूथ को चालू किया गया है, जिससे महिलाएं सहज रूप से अपनी समस्याएं महिला अधिकारियों को बता सकती हैं, जिससे उनकी समस्या का शीघ्र निराकरण किया जा सकेगा। यह बात रविवार को कोतवाली थाना क्षेत्रांतर्गत सराफा बाजार में महिला सहायता पिंक बूथ का शुभारंभ करते हुए एएसपी सुमन गुर्जर ने कही।

यहां बता दें कि महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एसएसपी धर्मवीर सिंह के निर्देश पर कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित सराफा बाजार में जिले का पहला पिंक बूथ स्थापित किया गया है। जिसका शुभारंभ रविवार को एएसपी सुमन गुर्जर ने फीता काटकर एवं मंदिर में दीप प्रज्वलित कर किया। यह पिंक बूथ महिलाओं को सुरक्षित माहौल प्रदान करने के मकसद से बनाया गया है। जिसमें मार्केट में आने वाली महिलाएं किसी भी परेशानी व अपने साथ होने वाली कोई भी घटना व अभद्रता जैसी शिकायत कर सकेंगी। चूंकि इस पिंक बूथ पर महिला पुलिसकर्मी ही तैनात रहेंगी, जिससे महिलाएं सहजता से अपनी बात उन्हें बता सकेंगी। इस मौके पर एएसपी श्रीमती गुर्जर ने पिंक बूथ में पदस्थ महिला आरक्षक अंजू शर्मा व शशि सिंह का माला पहना कर स्वागत किया। पिंक बूथ के शुभारंभ अवसर पर एएसपी गजेंद्र सिंह वर्धमान, महिला सुरक्षा डीएसपी किरण अहिरवार, महिला थाना प्रभारी दीप्ति तोमर, अजाक थाना प्रभारी अनीता गुर्जर, कोतवाली थाना प्रभारी मोहिनी वर्मा, सभी महिला डेस्क प्रभारी, सोना- चांदी व्यवसायी संघ के अध्यक्ष पुरूषोत्तम जैन आदि उपस्थित रहे।

#### अब तुरंत शिकायत कर सकेंगी महिलाएं

मार्केट में अकेली खरीददारी या अन्य किसी काम से आने वाली महिलाओं व युवतियों के साथ कई दुकानदार अपनी मनमानी करते हैं, जो उन्हें खराब अथवा घटिया सामान देने के बाद बदलने अथवा वापस करने से मुकर जाते हैं। यही नहीं आवारा तत्व भी आती- जाती महिलाओं के साथ छींटाकशी व उन्हें अनावश्यक टच किया करते हैं। इन छोटी- छोटी बातों को लेकर अमूमन महिलाएं थाने नहीं जाती हैं, वहीं अपने घर पर भी इसका जिक्र नहीं करती हैं। महिलाओं व युवतियों को इन सारी परेशानी से मुक्ति दिलाने के लिए यह महिला सहायता पिंक बूथ शुरू किया गया है, जिसमें महिलाएं अपनी किसी भी तरह की परेशानी आसानी से बता सकेंगी। पिंक बूथ में एक सीयूजी नंबर भी प्रदर्शित किया गया है जिस पर महिला या युवतियों द्वारा सहायता के लिए कॉल किया जा सकता है।

#### एएसपी व महिला सुरक्षा डीएसपी करेंगी मॉनिटरिंग

उक्त महिला सुरक्षा पिंक बूथ यूं तो कोतवाली थाने में आएगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी कोतवाली थाना प्रभारी मोहिनी वर्मा की रहेगी। इसके बावजूद इसकी मॉनिटरिंग एएसपी सुमन गुर्जर व महिला सुरक्षा डीएसपी किरण अहिरवार द्वारा की जाएगी। जिससे यहां आने पहुंचने वाली महिला को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

# पुलिस ने दबोचा सूने घर में सेंध लगाने वाला शातिर चोर

#### आरोपी से चुराया गया सोने का कान का झुमका बरामद

**ग्वालियर।** सूने घर में सेंध लगाने वाले शातिर चोर को मुरार थाना पुलिस ने तस्दीक कर गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से चुराया गया सोने का कान का झुमका भी बरामद हो गया है। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी से चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

एसएसपी धर्मवीर सिंह के निर्देश पर चोरी व नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने व चोरों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उपनगर मुरार की घासमंडी स्थित एक घर में बीती 10- 11 अप्रैल की रात चोरी करने वाले हुरावली निवासी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल पुलिस द्वारा उक्त चोरी के बाद घटनास्थल के आसपाल लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक करते हुए हुरावली निवासी एक युवक को चिंहित किया था। पुलिस टीम ने उसे घर से राउंडअप कर पूछताछ की, तो उसने वह चोरी करना स्वीकार लिया। आरोपी की निशांदेही पर पुलिस द्वारा चुराया गया सोने का एक झुमका भी बरामद कर लिया है। इस कार्रवाई में मुरार टीआई मदन मोहन मालवीय, प्रधान आरक्षक हरवीर सिंह, आरक्षक योगेंद्र गुर्जर, जयहिंद जादौन व बनवारी राजावत की सराहनीय भूमिका रही। यहां बता दें कि घासमंडी निवासी 80 वर्षीय मोहनलाल झा ने मुरार थाने में शिकायत की थी, कि बीती 10 अप्रैल की शाम सात बजे के लगभग वह अपने घर में ताला डालकर अपने दोस्त से मिलने के लिए मुरैना चला गया था। अगले दिन सुबह 11 बजे वापस लौटा, तो मेनगेट की कुंदी टूटी होने के साथ ही तीसरी मंजिल पर रखे तीन बक्सों का ताला टूटा हुआ था और उसमें रखे मेरी पत्नी के सोने के कान के एक जोड़ी व कुछ नगदी गयाब थी। इस पर पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 331(4) व 305 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई थी।

# आईजी- एसएसपी सहित पुलिस अफसरों ने देर रात किया थानों का निरीक्षण

#### इंदरगंज थाने में अव्यवस्थाएं देख जताई नाराजगी तो कोतवाली देख हुए प्रफुल्लित

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

देर रात को उस वक्त पुलिस अलर्ट मोड में आ गई, जब अचानक आईजी, एसएसपी, एएसपी थानों का औचक निरीक्षण करने जा पहुंचे। आईजी अरविंद सक्सेना ने इंदरगंज और कोतवाली थाने का तो एसएसपी धर्मवीर सिंह ने देहात के गिजोर्रा थाने पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान इंदरगंज थाने में कचरा देखकर आईजी नाखुश नजर आए, जबकि कोतवाली थाना परिसर में लगा छोटा सा गार्डन देखकर खुश हो गए। यहां का व्यवस्थित रिकॉर्ड रूम देख उन्होंने थाना प्रभारी मोहिनी वताग और उनकी टीम को 10 हजार रूपए नगद भी दिया। ग्वालियर जोन आईजी अरविंद सक्सेना देर रात पहले इंदरगंज थाने पहुंचे, जिन्होंने यहां के हालात देखकर नाराजगी जाहिर की। क्योंकि इंदरगंज थाने में ना तो साफ -सफाई दिख रही थी। साथ ही विवेचक कक्ष भी अस्त- व्यस्त थे और नक्शे व अन्य दस्तावेज भी प्रॉपर नहीं लगे थे। जिस पर आईजी ने इंदरगंज थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह कुशवाह को सभी व्यवस्थाओं में जल्द सुधार करने की चेतावनी दी है। करीब एक घंटे के निरीक्षण में आईजी को यहां का मालखाना और शस्त्रागार भी व्यवस्थित नहीं मिला।

#### इन अफसरों ने किया निरीक्षण

आईजी और एसएसपी के साथ ही एएसपी देहात निरंजन शर्मा ने आंतरी थाना, एएसपी पूर्व कृष्ण लालचंदानी ने यूनिवर्सिटी थाना, एएसपी सुमन गुर्जर ने ग्वालियर थाना, सीएसपी महाराजपुरा नागेंद्र सिंह सिकरवार ने पुरानी छावनी थाना, सीएसपी यूनिवर्सिटी हिना खान ने झांसी रोड थाना, सीएसपी कोतवाली मनीष यादव ने माधौगंज थाना, सीएसपी ग्वालियर किरण अहिरवार ने बहोड़ापुर थाना, सीएसपी इंदरगंज रॉबिन जैन ने कंपू थाना, डीएसपी ग्रामीण चंद्रभान सिंह चढार ने बिलौआ थाना, सीएसपी मुरार ने गोला का मंदिर थाना, एसडीओपी भितरवार जितेंद्र ने चीनौर थाना और एसडीओपी घाटीगांव शेखर दुबे ने मोहना थाना का निरीक्षण किया।

### मुंबई में जैन मंदिर को तोड़े जाने के विरोध में कांग्रेस ने दिया धरना

# मंदिर तोड़ने वाली सरकार को उखाड़ फेंके: महापौर डॉ. सिकरवार

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मुंबई के विलेपार्ले में स्थित 90 साल पुराने पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर को बुधवार को तोड़ दिया गया है। इस घटना के विरोध में रविवार को इंदरगंज चैराहा पर स्थित जैन मंदिर के पास महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस ने विशाल धरना दिया। इस धरने में कांग्रेस एवं जैन समाज के सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं गणमान्यजनों ने भाग लिया। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुये महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि हर समाज को अपना धर्म प्रिय होता है। अगर किसी समाज के आस्था का केन्द्र मंदिर कोई सरकार तोड़े तो यह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भगवान का मंदिर तोडने वाली सरकार जैन समाज पर कुठाराघात कर रही है। इसकी जितनी निंदा की जाये वह कम है। उन्होंने कहा कि भगवान का मंदिर तोड़ने वाली सरकार का इस निदंनीय कृत्य के खिलाफ हम सबको मिलकर आवाज बुलंद करना है। हर समाज को चाहिए कि ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिये सर्वहारा वर्ग को आगे आना होगा। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि अहिंसा के रास्ते पर चलने वाले जैन समाज का मंदिर तोड़ने वाली सरकार बहुत समय तक सत्ता में नही रहेगी। जनता में इस घटना को लेकर गुस्सा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जैन समाज के हर आंदोलन में साथ खड़ी रहेंगी। धरने में प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता राम पाण्डे, बालचंद जैन (महामंत्री सोनागिर कमेटी), महेश जैन (जैन मंदिर अध्यक्ष), प्रवीण गंगवाल (अध्यक्ष सोन मंदिर), ब्लॉक अध्यक्षगण विनोद जैन, देवेन्द्र चौहान , महादेव अपोरिया, अनूप शिवहरे, एम.आई.सी मेम्बर अवधेश कौरव, पार्षद केदार बरहादिया, पार्षद प्रमोद खरे, पार्षद सुरेन्द्र साहू, पार्षद अंकित कट्ठल, आदित्य सिकरवार, प्रमोद जैन, सुरेश प्रजापति, आदित्य सेंगर, रामअवतार जाटव, सुधीर जैन, अविनाश जैन, संतोष जैन, महेन्द्र शर्मा 'विक्की', जहान सिंह तोमर, कल्लू तोमर, बृजेश शुक्ला, रूपेश दुबे, सतेन्द्र नागर, मोनू रजक, बंटी तासरीवाल, विजय जैन, सौरभ जैन, राहुल जैन, सचिन जैन, अजीत जैन, सतेन्द्र सिकरवार, शाहरूख पठान, अनिल शर्मा 'बिट्टू', अश्वनी अगरैया, जसवंत शेजवार, संदीप यादव आदि सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

# भारत विकास परिषद ने गोद लिए बच्चों को बांटी सामग्री

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भारत विकास परिषद शाखा- समर्पण ने सेवा संस्कार प्रकल्प के अन्तर्गत गोद लिए परिवार की बच्चियों पूजा अरोरा, वर्षा, ईशू पाल, रौनक रजक, हिमांशु पाल, चिराग रजक को कॉपी, किताब, बैग, पेन, पेन्सिल, ड्राइंग बुक, कलर मुख्य आतिथि प्रान्तीय महिला सहभागिता प्रमुख श्रीमति मेंधना सिंघल के हाथों वितरण करवाए। शाखा संस्थापक व राष्ट्रगान प्रभारी संजय धवन ने एवं संगठन सचिव संजय श्रीवास्तव ने बताया कि शाखा समर्पण ने राष्ट्रगान परिवार की जरूरतमंद बच्चियों को गोद लेकर उनके उज्जवल भविष्य के लिए पढ़ाई, लिखाई, फीस देकर आपना दायित्व निभा रही है और भी कुछ बच्चे बच्चियों को भी पढ़ाई लिखाई के लिए कॉपी किताब की जरूरत होने पर सेवा संस्कार प्रकल्प के अन्तर्गत सहयोग करते रहते हैं और बच्चों की खुशी के लिए उनका जन्मदिन मनाकर उनकी खुशी में हम सब भी खुश होते हैं। अध्यक्षता विम्मी सचदेवा ने की। संचालन सचिव लता गुप्ता ने एवं आभार कोषाध्यक्ष मनीषा श्रीवास्तव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मधु धवन, विवेकानंद शाखा अध्यक्ष नीरव सिंघल, महेश धीमान, संजय श्रीवास्तव, अंकुर गुप्ता, लालाराम रजक, पन्नालाल निरंकारी, कमल रजक, प्रकाश राव, महेश जैसवाल, सुरेश अरोरा, अशोक पमनानी, बंसत कोडेला, विजय शाक्य, हीरालाल जैन, महादेव, आदि गणमान्य सदस्य बच्चे उपस्थित थे।

### युवती को नहाते में ताक रहा था, विरोध करने पर धमकाया

**ग्वालियर।** एक बदमाश घर में नहा रही युवती को चुपचाप ताक रहा था, जब युवती की नजर उस पर पड़ी और उसने विरोध किया, तो आरोपी गाली- गलौज करते हुए उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। उससे बचने के लिए पीड़िता ने शोर मचाया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देता हुआ भाग निकला। घटना कंपू थाना क्षेत्र के अवाड़पुरा स्थित खटीक मोहल्ला की है। जिसमें पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। कंपू थाना क्षेत्रांतगज्त अवाड़पुरा स्थित खटीक मोहल्ला निवासी 22 वर्षीय युवती बीती सुबह नौ बजे के लगभग अपने घर में नहा रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला ईशान खान पुत्र रहीश खान उसे छुपकर ताकने लगा। युवती की नजर जब उस पर पड़ी, तो उसने विरोध करते हुए उसे वहां से जाने के लिए कहा। इस पर युवक ने गाली- गलौज करते हुए बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। उसके खतरनाक इरादे देख बचने के लिए युवती ने शोर मचा दिया, तो पकड़े जाने के डर से आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देता हुआ भाग निकला। युवती ने अपने परिजनों को पड़ोसी युवक की हरकत बताई, तो वह उसे लेकर थाने पहुंचे और पुलिस को पूरे घटना की जानकारी दी। कंपू थाना प्रभारी रूद्र पाठक ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 74, 75, 77 एवं 351(3) व एससीएसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

# बिना नंबर की ब्लैक फिल्म चढ़ी लग्जरी कार से पकड़ी 18 केन बीयर

■ नशे में धुत्त युवक नहीं दिखा सके गाड़ी के कागज, सिरोल पुलिस ने धरा

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

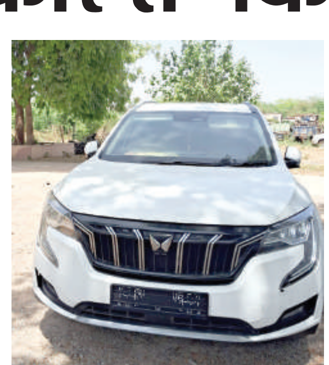

सिरोल थाना पुलिस ने देर रात बिना नंबर की ब्लैक फिल्म चढ़ी लग्जरी कार से 18 केन बीयर पकड़ी है। ड्राइविंग सीट पर बैठे नशे में धुत्त युवक गाड़ी के कागजात भी नहीं दिखा सके, जिससे पुलिस द्वारा उसे थाने ले जाकर पूछताछ की गई।

एसएसपी धर्मवीर सिंह द्वारा सभी मातहतों को क्षेत्र में सतत गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके परिपालन में सिरोल थाने में पदस्थ एसआई उपेंद्र सिंह शनिवार- रविवार की दरम्यानी रात डेढ़ बजे के लगभग फोर्स के साथ क्षेत्र में स्थित फूटी कॉलोनी आम रोड पर गश्त करते हुए निकल रहे थे, तभी वहां बिना नंबर की एक्सयूवी कार बेहद तेज रफ्तार में निकली। शंका होने पर पुलिस टीम उसके पीछे लग गई, जिसने कुछ दूरी पर घेराबंदी करते हुए उसे रुकवाया, तो उसमें सवार दोनों युवक नशे में टल्ली होने के साथ ही हाथ में बीयर की केन पकड़े हुए थे, जिन्होंने सीट बेल्ट भी नहीं लगा रखा था। वहीं कार के शीशों पर ब्लैक फिल्म चढ़ी हुई थी एवं उस पर नंबर भी नहीं डला था। संदिग्ध परिस्थित देख पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली, तो उसमें से बीयर की 18 केन रखी हुई मिल गई। पुलिस द्वारा जब कार सवार युवकों से गाड़ी के दस्तावेज मांगे गए, तो वह कोई भी कागजात मौके पर नहीं दिखा सके। जिससे पुलिस उन्हें थाने ले आई, जहां की गई पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अंकुश पुत्र सरमन रजक (22 वर्ष) निवासी निवासी राम वाटिका के पास थाना विश्वविद्यालय एवं रॉबिन पुत्र बचन सिंह यादव (26 वर्ष) निवासी मेहरा गांव बताया है। पुलिस द्वारा कार सवारों के खिलाफ धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत कायमी की गई है।

### गर्मी के होने से आगजनी की घटनाएं बढ़ीं

# साड़ी- कॉस्मेटिक्स की दुकान में लगी आग, सामान जलकर हुआ राख

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

टेकनपुर में संचालित एक दुकान पर शनिवार देर रात अज्ञात कारणों से आग लग गई, जिससे दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां स्थित भदोरिया मार्केट में अनीता बघेल, जय गुरु महाराज कॉस्मेटिक और साड़ी सेंटर नाम से दुकान संचालित करतीं हैं। जिसमें देर रात अचानक आग लग गई जिससे उसमें रखा करीब 10 से 15 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया है। अनीता की दुकान में आग लगने की सूचना भी उन्हें अन्य लोगों द्वारा दी गई, इसके बाद वह दुकान पर पहुंचीं। इसी दुकान से अनीता बघेल अपना जीवन यापन करने के साथ ही चार बेटियों की पढ़ाई-लिखाई और भरण-पोषण करतीं हैं। दुकान में लगी आग से उनका पूरा सामान जल गया जिससे उनके सामने एक तरफ घर-गृहस्थी चलाने का संकट खड़ा हो गया है, वहीं दुकान फिर से चालू करें इस बात की चिंता भी उन्हें संता रही है। दुकान में आग कैसे लगी यह अभी स्पष्ट नहीं है, फिर भी प्रथम दृष्टया अनुमान है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आगजनी की घटना हुई है। आगजनी की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम सहित स्थानीय प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। साथ ही प्रशासन द्वारा दुकान में लगी आग से हुए नुकसान की रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजने के लिए काम शुरू कर दिया।

### जेएएच परिसर के बाहर लगी गुमटी में लगी आग

**ग्वालियर।** रविवार दिन में हजार बिस्तर अस्पताल के बाहर लोगों द्वारा लगाई गई गुमटियों में से एक गुमटी अचानक आग लग गई। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड विभाग को देने के साथ ही लोगों ने उसे काबू करने का भरसक प्रयास किया, जिससे आसपास की अन्य दुकानों तक नहीं पहुंची। फायर ब्रिगेड की टीम ने पहुंच कर आग पर नियंत्रण किया लेकिन तब तक दुकान में रखा सामान पूरी तरह जल चुका था।

### दुकानदारों की सतर्कता से नहीं बढ़ी आग

दुकान में आग लगने पर आस-पास के दुकानदारों ने फायर ब्रिगेड को सूचित करने के साथ ही अपने स्तर पर आग पर पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। गनीमत यह रही कि समय रहते आगजनी की घटना की जानकारी लग गई। वर्ना झुलसती गर्मी में लगी आग पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा।

# सहाय जी के बिना कैंसर के इलाज की कल्पना नहीं की जा सकती: तोमर

■ कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च इंस्टि्यूट ने लगाया निःशुल्क शिविर

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

स्वर्गीय ठा. करन सिंह तोमर, स्वर्गीय ठा. भगवान सिंह तोमर एवं स्वर्गीय श्रीमती बेटी देवी की पुण्य स्मृति में करन इंटरनेशनल स्कूल अम्बाह एवं कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च इंस्टिट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में एक निःशुल्क कैंसर जागरूकता सत्र एवं निःशुल्क कैंसर निदान परीक्षण शिविर के आयोजन का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह तोमर विधानसभा अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.आर.श्रीवास्तव डायरेक्टर कैंसर हॉस्पिटल, करन इंटरनेशनल स्कूल के फाउण्डर ट्रस्टी वीरेन्द्र सिंह तोमर पूर्व जनपद अध्यक्ष, भा.ज.पा. के जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाह, भा.ज.पा. के पूर्व जिलाध्यक्ष प्यारेलाल तोमर, डॉ. योगेश पाल गुप्ता, एस.डी.एम. रामनिवास सिंह सिकरवार, एस.डी.ओ. रवि भदौरिया मंचासीन रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में वीरेन्द्र सिंह तोमर ने ग्वालियर से आए हुए विशेषज्ञों डॉ. गुंजन श्रीवास्तव (मेडिकल ऑनकोलॉजिस्ट), डॉ. राजीव सागवरिया (एम. डी. मेडिसिन), डॉ. संदीप शिवहरे (सीनियर जनरल फिजिशियन), डॉ. अश्विनी बघेल (हेड एण्ड नेक सर्जन), डॉ. राजकुमार श्रीवास्तव (जनरल फिजिशियन), डॉ. सन्तोष कुमार (प्रोजेक्ट एडमिन ऑफीसर) एवं कैंसर हॉस्पिटल की पूरी टीम का स्वागत किया। मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने उद्बोधन में कहा कि शीतला सहाय के बिना इस क्षेत्र में कैंसर के इलाज की सुविधा की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जागरूकता सत्र में डॉ. राजीव सागवरिया ने कैंसर कैसे बनता है और फैलता है पर विस्तारपूर्वक समझाया। डॉ. गुंजन श्रीवास्तव ने कहा कि कैंसर अब एक महामारी हो चुकी है, जिससे बचने का एक ही तरीका है वैक्सीन लगवाना और बीमारी को उसकी शुरुआत में ही पकड़ लेना।

कार्यक्रम के बाद सभी रोगियों की निःशुल्क जांचें की गईं और उन्हें निः शुल्क परामर्श दिया गया। कैम्प में 82 रोगियों ने अपना निःशुल्क परीक्षण कराया और चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। कैम्प में निःशुल्क जांचें भी की गईं और 21 मैमोग्राफी, 3 पैप-स्मीयर भी किये गये। वहीं आयुष्मान भारत सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की जानकारी भी रोगियों को दी गई।

### प्रेस क्लब पर मनाये जाएंगे श्रमिक और पत्रकारिता दिवस

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

जलवायु परिवर्तन के बीच काम करने वाले श्रमजीवी पत्रकारों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने की थीम पर अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस 1 मई को मनाया जाएगा। साथ ही 3 मई को प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व के बारे में जागरुकता बढ़ाने और कर्तव्य के दौरान अपनी जान गंवाने वाले पत्रकारों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। यह निर्णय रविवार को ग्वालियर प्रेस क्लब की बैठक में लिया गया। ग्वालियर प्रेस क्लब की आवश्यक बैठक जीवाजी क्लब में आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता ग्वालियर प्रेस क्लब अध्यक्ष राजेश शर्मा ने की। बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर पत्रकारों ने अपने सुझाव दिए। सुझावों के आधार पर 1 मई श्रमिक दिवस सहित 3 मई को पड़ने वाले विश्व पत्रकारिता दिवस को गरिमामय ढंग से मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर वर्तमान समय की सबसे बड़ी ज्वलंत समस्या सायबर अपराध पर पत्रकारों को अपडेट करने संगोष्ठी आयोजित करने का तय किया गया। संगोष्ठी में पुलिस प्रशासन से जुड़े उच्च अधिकारियों को विषय प्रवर्तन हेतु आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम को व्यवस्थित और गरिमामय ढंग से आयोजित करने के लिए आयोजन समिति का गठन भी किया गया। समिति द्वारा आयोजन की तैयारियों को लेकर शीघ्र ही बैठक आहूत की जाएगी। बैठक में प्रेस क्लब सचिव सुरेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश डंडोतिया, बच्चन बिहारी, प्रवीण दुबे, दिनेश राव, ब्रजमोहन शर्मा, परेश मिश्रा, डीके जैन, जोगेन्द्र सेन, जयेश कुमार, सुनील पाठक, अजय मिश्रा, हरीश चंद्रा, गोपाल त्यागी, समीर गर्ग, राजेंद्र तलेगावकर, राजेश जायसवाल, रवि उपाध्याय, विक्रम प्रजापति, जयदीप सिकरवार, रघुवीर कुशवाह, कोक सिंह, भूपेंद्र माथुर, देवेंद्र शर्मा, नरेन्द्र शिवहरे उपस्थित थे।

### अमरनाथ यात्रा को लेकर शहरवासियों में भारी उत्साह

**ग्वालियर।** इस वर्ष होने जा रही अमरनाथ यात्रा को लेकर शहरवासियों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। अमरनाथ यात्रा पर जाने के लिए पहलगांव एवं बालटाल दोनों मार्गों से जाने वाले श्रद्धालु लगातार अपना पंजीयन करवा रहे हैं, जिससे बालटाल मार्ग की 10 जुलाई एवं पहलगांव मार्ग की 20 जुलाई तक तारीखें फुल हो चुकी हैं। बाबा बर्फानी हर-हर महादेव सेवा समिति के महेंद्र भदकारिया एवं लोकेश शर्मा ने बताया कि जो श्रद्धालु किसी कारणवश अपना पंजीयन नहीं करवा पाए हैं, वह जम्मू एवं श्रीनगर में अपना पंजीयन करवा सकते हैं। समिति के सचिव पन्नालाल गौड़ एवं गौरव नागवानी बताया कि ग्वालियर से पहला जत्था 26 जून को निकलेगा, जो पहलगांव मार्ग से चढ़ाई करेगा एवं बालटाल मार्ग से जाने वाले श्रद्धालुओं का पहला जत्था 30 जून को रवाना होगा। लगातार 25 वर्षों से यात्रा पर जा रहे श्रद्धालु सुनील शिवहरे, श्याम लहारिया एवं भरत ढींगरा ने बताया कि श्रद्धालु अपने साथ गर्म कपड़े, जरुरी दवाइयां, ट्रेकिंग जूते एवं बरसाती जरूर लेकर जाएं। समिति के तेजेन्द्र गर्ग, अशोक राणा, बब्बल शिवहरे एवं विकास वाधवानी जून माह के दूसरे सप्ताह में बालटाल बैस कैम्प में लगने जा रहे चौथे लंगर की तैयारियों के लिए जायेंगे।

# समाज में गौरव का बोध जगाने की आवश्यकता: इंदापुरकर

■ समन्वय शाखा का वार्षिकोत्सव आयोजित, स्वयंसेवकों ने किए शारीरिक प्रदर्शन

**ग्वालियर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा यदि गंगा है, तो उसके आसपास का क्षेत्र भारतीय संस्कारों से ओतप्रोत दिखना चाहिए। यह कार्य समाज के साथ मिलकर संघ के स्वयंसेवकों को करना है। इसके लिए समाज में गौरव बोध जगाने की आवश्यकता है। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य क्षेत्र के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य यशवंत इंदापुरकर ने सरस्वती शिशु मंदिर नदी द्वार पर आयोजित समन्वय शाखा के मिलन वार्षिकोत्सव में मुख्य वक्ता की आसंदी से कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यवसायी पीताम्बर लोकवानी ने की। संघ के ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी भी मंचासीन रहे। इससे पूर्व इस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में संघ के आनुषांगिक संगठनों में कार्यरत विविध संगठनों के स्वयंसेवकों ने बहुत ही अनुशासन के साथ योग और व्यायाम का शारीरिक प्रदर्शन किया। मुख्य वक्ता श्री इंदापुरकर ने स्वयंसेवकों संबोधित करते हुए कहा कि हमें यदि संघ को समझना है तो संगठन गढ़े चलो... का भाव जगाना होगा, क्योंकि देश के पतन का कारण संगठन का अभाव ही था। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार ने संगठन की आवश्यकता को समझते हुए ही संघ की स्थापना की थी। आज संघ की स्थापना को सौ वर्ष हो गए, लेकिन इसका प्रचार नहीं करना है। सेवा कार्य करना है। हमें कोई बड़ा कार्य नहीं करना है, छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से समाज की सेवा करना है। हमारा भारत कैसा हो, हमारा खानपान कैसा हो, हमारा पहनावा कैसा हो, इसका गौरव बोध हम सभी को अपने अंदर और फिर समाज के अंदर जगाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज संस्कार के अभाव के चलते युवाओं में एक डर का वातावरण बना हुआ है।

जिसके कारण युवा दिशाहीन होता जा रहा है। इस दिशाहीनता को समाप्त करने के लिए हमको संस्कार देना होगा। कार्यक्रम में विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी ने समन्वय शाखा का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री लोकवानी ने समाज से आग्रह करते हुए कहा कि हम सभी को देश के प्रति अपना कर्तव्य बोध जगाने की आवश्यकता है। इसके लिए संघ बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। प्रार्थना के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

### मिस्सा बलिदान चढ़ा ईसाई समाज ने हर्षोल्लास से मनाया ईस्टर पर्व

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

ईसाई समाज द्वारा ईस्टर का पर्व हर्षोल्लास मनाया गया। समाज के राजू फ्रांसिस ने बताया कि 40 दिन के उपवास के बाद प्रभु यीशू के पुनरूत्थान का पर्व ईस्टर मनाया गया। ईस्टर के मौके पर प्रातः 8 बजे फालका बाजार स्थित संत जॉन महा गिरिजाघर में फादर चिप्पसन और फादर रोशन ने मिस्सा बलिदान चढ़ाने के साथ ही बाइबिल सी पाठ और परम प्रसाद का वितरण किया। उधर मुरार स्थित गया संत पॉल चर्च, महाराजपुरा के गुड शेपहेर्ड चर्च तथा कार्मल आश्रम में भी प्रार्थना हुई एवं सभी ने हैप्पी ईस्टर बोल कर शुभकामनाएं दीं। फादर ने गायन मंडली और कार्मल सिस्टर्स का आभार व्यक्त किया। रानी क्रिस्चियना, जेम्स, शोभा, जेम्स एक्स्ट्रास गीत मंडली का आभार जताया। वहीं न्यू इंडिया चर्च में पास्टर गी वर्गोस, गिलगल चर्च में पास्टर वीसी जोसफ, शेरोन फेलोवशिप में पास्टर बाबू, मिरेकल चर्च में पास्टर अमित सिंह, सीएनआई चर्च में पास्टर भोंसले, ईएलसी चर्च में पास्टर ईशा, वीसीआई चर्च में पास्टर जोशसुआ, पास्टर हेराल्ड नाथ, पास्टर श्याम, पास्टर अगस्तन ने प्रभु यीशू के जीवित होने का पाठ कर बाइबिल संदेश दिया। इस अवसर पर ब्रो नाथानियाल, भाई टोप्पो फिलिप्स, नीरज प्रभु दयाल करकेटता, नोर्बेर्ट जेम्स श्रीस्टि, विनोद, परपेट, निरंगम, विक्की आदि ने सहयोग कर सभी को शुभकामनाएं दीं। कल 22अप्रैल को संत पॉल ईएल चर्च में ईस्टर मिलन समरोह आयोजित किया जाएगा।

### कैंटर की जोरदार टक्कर से पिता - पुत्र की मौके पर मौत

**ग्वालियर ।** मालनपुर इंड्रस्टियल एरिया में रविवार की सुबह हुए दर्दनाक हादसे में बाइक सवार पिता और पांच साल के बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई। बाइक सवार मालनपुर से भिंड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहगांव निवासी रोहित पुत्र हीरालाल आदिवासी निवासी उम्र 36 साल, अपने पांच साल के बेटे आर्यन उर्फ चुन्ना को रविवार की सुबह मालनपुर से मेहगांव की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान मालनपुर में जोगी नहर के पास सुबह करीब 10.45 बजे सामने से आ रहे कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हादसे में बाप-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है।

### आदर्श गौशाला में आज प्रारंभ होगा बायो सीएनजी गैस का विक्रय

**ग्वालियर।** नगर निगम द्वारा संचालित लाल टिपारा स्थित आदर्श गौशाला में स्थापित दो टन प्रतिदिन (2 टीपीडी) क्षमता वाले बायो सीएनजी प्लांट में विधिवत रूप से सोमवार से गैस उत्पादन प्रारंभ हो जाएगा। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के सहयोग से स्थापित किए गए बायो सीएनजी प्लांट के गैस को गेल इन्डिया लिमिटेड द्वारा वाहनों को बायो सीएनजी मिलेगा। शहर में संचालित होने वाली डेयरी से निकलने वाले गोबर और होटल, रेस्टोरेंट के वेस्ट और सब्जी मंडी के गीले कचरे का भी उपयोग किया जाएगा। इससे स्वच्छ सर्वेक्षण में ग्वालियर की बेहतर रैंकिंग में मदद मिलेगी। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने रविवार को आदर्श गौशाला पहुंचकर निगम अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर गौशाला के सभी अवरुद्ध कार्य एवं व्यवस्थात्मक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान स्वामी ऋषभदेवानंद, अपर आयुक्त विजयराज, उपायुक्त अमरसत्य गुप्ता, सिटी प्लानर पवन सिंघल उपस्थित थे।

### कार में चाबी लगी छोड़ना पड़ा भारी, चोर कर ले गए पार

**ग्वालियर।** एक व्यक्ति को कार में चाबी लगी छोड़कर जाना भारी पड़ गया, क्योंकि काम निपटाकर जब वह वापस आया, तब तक चोर उसकी गाड़ी पार करके ले जा चुके थे। घटना बीती शाम सिरोल इलाके की है। जिसमें कार मालिक की शिकायत पर पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी की एफआईआर दर्ज कर ली गई है। दरअसल उपनगर मुरार के कोतवाली संतर में रहने वाले अमित गुप्ता बीती शाम साढ़े आठ बजे के लगभग किसी काम से हुरावली स्थित बिजलीघर के पास अपने एक परिचित के यहां गए थे। वो अपनी कार क्रमांक एमपी07 सीए 9298 में चाबी लगी छोड़कर भीतर चले गए, रात करीब 10.30 बजे बाहर निकले, तो उनकी कार गायब थी। उन्होंने आसपास उसे काफी देखा, लेकिन कार कहीं नहीं मिली।

### बाल विवाह रोकने के लिए उड़नदस्ते गठित

**ग्वालियर।** अक्षय तृतीया एवं अन्य मुहूर्त पर आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह एवं एकल विवाह समारोह में बाल विवाह रोकने एवं जागरूक करने तथा होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिये कलेक्टर रुचिका चौहान द्वारा उड़नदस्ते गठित किए हैं। उन्होंने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अन्तर्गत कानूनी कार्यवाही करने के उद्देश्य से विकासखण्ड स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक बाल विवाह रोको उडनदस्तों का गठन किया है।

**उत्तर मध्य रेलवे**

Letter No. Dy.CE/RSW/GWL/ROB/407 दिनांक : 20.04.2025

**आवश्यक सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आंतरी यार्ड स्थित रेलवे समपार फाटक संख्या 407 **(रेलवे किमी 1203/5-7)** को **60 दिनों** के लिए बंद किया जा रहा है। आंतरी यार्ड स्थित रेलवे समपार फाटक संख्या 407 (रेलवे किमी 1203/5-7) को रोड ओवर ब्रिज की लाँचिंग हेतु दिनांक **21.04.2025 प्रातः 08 बजे** से दिनांकः **20.06.2025** समय **20 बजे** तक अर्थात् शाम **आठ बजे** तक अस्थायी तौर पर बंद किया जा रहा है। इस दौरान वैकल्पिक मार्ग के रूप में समपार फाटक संख्या 409 (1205/13-15) का उपयोग किया जा सकता है। 684/25 (MG)

North central railways | @ CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

# भारतरत्न डॉक्टर बीआर अंबेडकर जयंती पखवाड़ा व्याख्यान सम्पन्न

**भितरवार।** मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना, आर्थिक एवं सांख्यकीय विभाग मध्यप्रदेश शासन के द्वारा विकास खण्ड भितरवार के शासकीय महाविद्यालय में रविवार की दोपहर एक बजे से भारतरत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती पखवाड़ा व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के तौर पर मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ आरएस सिलावट विशिष्ट अतिथि बीसीएम जयंत सिंह यादव उपस्थिति थे।आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्यवक्ता डॉ आर एस सिलावट ने बाबा साहब के जीवन परिचय के साथ भारतीय संविधान के निर्माण से लेकर सोसित वंचित वर्गों के लिए कार्य करने वाले मसीहा के रूप में डॉ अंबेडकर को बताया। वही जन अभियान परिषद के विकास खण्ड समन्वयक मनोज दुबे ने बताया कि डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती कार्यक्रम पखवाड़ा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा 14 अप्रैल से 29 अप्रैल तक सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में बाबा साहब के जीवन पर व्याख्यान और समरसता अभियान के रूप में मानने का निर्णय लिया गया है, इसी क्रम में भितरवार विकास खण्ड में बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की 134 वी जयंती पर जगह-जगह व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है जिससे कि लोग बाबा साहब अंबेडकर करके इतिहास को जान सके। कोई व्याख्यान से पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर अतिथियों के स्वागत के साथ किया गया। विशिष्ट अतिथि बीसीएम जयंत सिंह यादब ने कहा कि बाबा साहब ने समाज में समरसता का संदेश दिया था वर्तमान में भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार उसे आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। परामर्शदाताओं कुलदीप नामदेव, कोमल सिंह रावत, बर्षा शर्मा, सरिता शर्मा, आनन्दकवि ने भी बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर अपने विचार व्यक्त किए डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती व्याख्यान में नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं, मेंटर्स तथा बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की।कार्यक्रम का आयोजन विकास खण्ड समन्वयक अधिकारी मनोज दुबे ने किया संचालन जयंत सिंह यादव ने और आभार कुलदीप नामदेव ने व्यक्त किया। इस दौरान आयोजन में रविन्द्र बाथम, हरी बाथम, प्रदीप कुशवाह, मनीष शर्मा, रामू कुशवाह, आकाश रावत का सराहनीय सहयोग रहा।

# सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिये हो प्रभावी कार्रवाई: कलेक्टर

**ग्वालियर।** कलेक्टर रुचिका चौहान ने कहा है कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिये प्रभावी कार्रवाई की जाए। जहां भी आवश्यक है वहां पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी अवश्य की जाए। कलेक्टर रुचिका चौहान ने उच्च न्यायालय द्वारा एसडब्ल्यूएम के संबंध में दिए गए निर्देशों के परिपालन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों की बैठक में यह निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के संबंध में प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ जन जागरूकता के कार्य को भी प्राथमिकता के साथ किया जाए। बैठक में नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय सहित निगम के अधिकारीगण एवं विभागीय अधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर रुचिका चौहान ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध होने के बाद भी बाजारों में पॉलीथिन का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित नहीं हुआ है। पॉलीथिन का थोक विक्रय करने वाले एवं पॉलीथिन का निर्माण करने वालों को चिन्हित कर उन पर प्रभावी कार्रवाई की जाए। ऐसे सभी थोक विक्रेताओं को चिन्हित कर नोटिस जारी किया जाए एवं निर्धारित अवधि के पश्चात भी पॉलीथिन का उपयोग या विक्रय पाया जाता है तो संबंधित विक्रेता के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने पेयजल के दुरुपयोग को रोकने के साथ-साथ जो व्यवसायिक जल उपभोक्ता हैं उनको चिन्हित कर उनके संस्थान में वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य को अनिवार्यतः कराया जाए।

**वार्षिक साधारण सभा की सूचना**

**(आम सभा की सूचना)**

दिनांकः- 20/04/2025

ग्रीन लाईफ क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, उज्जैन (म.प्र.) के सभी सम्माननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांकः- 11/05/2025 को समय 2.00 बजे स्थान- संस्था का व्यावसायिक कार्यालय प्रथम तल सूर्या टॉवर, ओल्ड हाई कोर्ट के पास, लश्कर ग्वालियर पर वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया जायेगा जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय एवं आवश्यक है।

बैठक के विषय निम्न होगें।

1. लेखाओं की ऑडिट हेतु ऑडिटर की नियुक्ति पर विचार।
2. वर्ष 2024-25 के वित्तीय पत्रकों एवं लेखाओं की स्वीकृति पर विचार ।
3. सस्था के निर्वाचन पर विचार।
4. सभी प्रकार के खर्चों के बिलों की स्वीकृति पर विचार।
5. वर्ष 2025-26 के प्रस्तावित बजट पर विचार।
6. आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर विचार।
7. संस्था की नगद राशि का बीमा, कैश बीमा, तिजोरी बीमा, कैश ट्रांजेक्शन बीमा व कैश वाहक बीमा पर विचार ।
8. संस्था के प्रबंधकीय व्यय पर विचार।
9. विगत वर्षों के अंकेक्षण की परिशुद्धि पर विचार।
10. नियमित कलेक्शन एवं इंसेंटिव पर विचार।
11. कैमरे एवं नोट काउण्ट मशीन, ए.सी. खरीदने पर विचार।
12. स्टेशनरी खरीदी तथा छपाई पर विचार।
13. संस्था की ऋण नीति तैयार करने एवं उसकी स्वीकृति पर विचार ।
14. कर्मचारी सेवा नियम की स्वीकृति पर विचार।
15. संस्था की डिपोजिट नीति बनाने पर विचार।
16. संस्था की उपविधि क्र. 14 में संशोधन पर विचार।
17. संस्था के एक्सटेंशन सेंटर खोलने एवं उस पर होने वाले व्यय पर विचार।
18. अन्य विषय प्रबंधक की अनुमति से ।

प्रबंधक
ग्रीन लाईफ केडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, उज्जैन (म.प्र.)

न्यूयार्क में एक रैली के दौरान विस्थापितों और धरती को बचाओ के बैनर लेकर एक रैली निकाली गयी।

## ब्रीफ न्यूज

### व्हाइट हाउस से लगा हुआ बंगला खरीदा जकरबर्ग ने

**वाशिंगटन।** फेसबुक और मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने व्हाइट हाउस के पास वाशिंगटन डीसी में एक बंगला खरीदा है। इस बंगले की कीमत 151 करोड रुपए है। वाशिंगटन शहर का यह तीसरा सबसे महंगा बंगला है। यह बंगला व्हाइट हाउस से सिर्फ 10 मिनट की दूरी पर स्थित है। यह बंगला 15000 स्क्वायर फीट पर बना हुआ है। इस बंगले की तीन इमारतें हैं। इसमें स्विमिंग पूल भी बना हुआ है। घर के बाहरी दीवार लाल ईंटों से बनी हुई है। सुरक्षा के लिए आवास के चारों ओर 12 फीट ऊंची लोहे की बाउंड्री और ऊंचे गेट लगे हुए हैं। व्हाइट हाउस से नजदीक होने के कारण इस बंगले की कीमत बढ़ जाती है। बंगला भी आलीशान तरीके से तैयार किया गया है।

### रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने की यूक्रेन में ईस्टर युद्धविराम की घोषणा

**मास्को।** रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईसाइयों के त्योहार ईस्टर की वजह से यूक्रेन युद्ध में सीजफायर का ऐलान किया। यह युद्धविराम शनिवार शाम से शुरू होकर रविवार मध्यरात्रि तक चलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुतिन ने रूसी चीफ ऑफ स्टाफ वालेरी से कहा कि शनिवार शाम से रविवार मध्यरात्रि तक रूस ईस्टर युद्धविराम की घोषणा करता है। रूस ने यह घोषणा ऐसे समय की है जब हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पेरिस विजिट के दौरान जंग खत्म करने को लेकर शांति प्रस्ताव पेश किया था। अमेरिका का कहना था कि इस प्रस्ताव को सभी पक्षों ने तारीफ की है। बता दें कि ईस्टर ईसाइयों का अहम धार्मिक पर्व है। ईसाई धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक सूली पर लटकाए जाने के तीसरे दिन यीशु फिर से जीवित हो गए थे। ईसाई इसे ईस्टर दिवस या ईस्टर संडे के रूप में मनाते हैं। ये दिन गुड फ्राइडे के दो दिन बाद आता है।

### विमान कर रहा था लैंडिंग टूट गया पहिया, यात्रियों में मचा हड़कंप

**वाशिंगटन।** अमेरिकी विमान कंपनी फंटियर एयरलाइंस के विमान का एक पहिया टूट गया। विमान ने फ्लोरिडा से प्यूर्टो रिको के सैन जुआन के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन लैंडिंग के समय इसके फ्रंट लैंडिंग गियर में गड़बड़ी आ गई। वायरल वीडियो में विमान की खिड़की के बाहर धुआं निकलता नजर आ रहा है, जबकि विमान के अंदर से यात्रियों के रोने की आवाज आ रही हैं। एक पैसेंजर ने इस हादसे के बारे में फेसबुक पर लिखा- कुछ मिनटों के लिए लगा कि अब हमारी कहानी खत्म हो गई है। हकीकत तो यह है कि अनुभवहीन लोग विमान को उड़ा रहे थे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड इस मामले की जांच कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के 228 यात्रियों को ले जा रहे एयरबस ए321 की लैंडिंग के दौरान फ्रंट लैंडिंग गियर का एक पहिया टूट गया। इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया और विमान को बस से टर्मिनल तक पहुंचाया। फ्रंटियर एयरलाइंस ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान सुरक्षित रूप से लैंड कर गया, किसी पैसेंजर या क्रू मेंबर को कोई चोट नहीं आई।

# धीरे-धीरे अपनी ही मौत की ओर बढ़ता गया ग्रह, वैज्ञानिक भी हैरान

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिका के खगोलविदों ने अंतरिक्ष में चौंकाने वाली घटना देखी है, जो एक तारे और उसके ग्रह के साथ घटित हुई। इस घटना में ग्रह धीरे-धीरे अपनी ही मौत की ओर बढ़ता गया और अंततः तारे में समा गया। यह घटना न केवल खगोलशास्त्रियों के लिए चौंकाने वाली है, बल्कि यह हमें ग्रहों के जीवन और उनके अंत को लेकर भी नए सवालों से रूबरू कराती है। यह पूरी घटना 2020 में शुरू हुई, जब वैज्ञानिकों ने 12,000 प्रकाश वर्ष दूर एक तारे को अचानक बहुत तेज चमकते हुए देखा। कुछ समय के लिए वह तारा 100 गुना ज्यादा चमकदार हो गया, लेकिन फिर अचानक धुंधला पड़ गया। वैज्ञानिकों को पहली बार यह आभास हुआ कि शायद यह तारा अपने किसी ग्रह को निगल रहा है। यह पहली बार था जब किसी तारे को इस तरह की गतिविधि करते हुए प्रत्यक्ष रूप से देखा गया। इससे यह समझने का एक अनूठा अवसर मिला कि जब सूर्य जैसे तारे विशाल और लाल हो जाते हैं, तो उनके नजदीक के ग्रहों का क्या होता है। उस समय एमआईटी के खगोल भौतिकीविद किशलय डे ने कहा था कि यह हमारे अपने सौरमंडल का भविष्य हो सकता है। लेकिन असली तस्वीर बाद में सामने आई, जब अमेरिका के नोयरलेब के खगोलशास्त्री रयान लाउ और उनकी टीम ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (जेडब्ल्यूएसटी) से उस तारे का गहराई से अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि यह तारा अपेक्षाकृत छोटा और ठंडा था, जो अपने जीवन के शुरुआती चरण में था। यह इतना विशाल नहीं था कि अपने गुरुत्वाकर्षण से किसी ग्रह को निगल सके। इसका मतलब यह हुआ कि ग्रह खुद ही तारे की तरफ गिरता चला गया और अंत में उसमें समा गया। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस घटना में हॉट ज्यूपिटर जैसे ग्रह की भूमिका रही होगी। ये ऐसे विशाल गैसीय ग्रह होते हैं जो अपने तारों के बहुत नजदीक चक्कर लगाते हैं। इतने करीब कि उनकी सतहें धीरे-धीरे भाप बनकर उड़ती रहती हैं और वे तारे के चारों ओर एक गैसीय पूंछ बनाते हैं।

लंबे समय में उनकी कक्षा सिकुड़ती जाती है और अंततः वे तारे से टकराकर खत्म हो जाते हैं। यही प्रक्रिया झेडटीएफ एसएलआरएन-2020 नामक तारे के साथ हुई प्रतीत होती है। इस ग्रह की कक्षा बुध ग्रह से भी अधिक नजदीक थी और लाखों सालों में वह तारे के वायुमंडल को छूने लगा। अंततः वह पूरी तरह से उसमें समा गया, जिससे चारों ओर ठंडी गैस का बादल बन गया। जेम्स वेब टेलीस्कोप ने इस गैस में कार्बन मोनोऑक्साइड और फॉस्फीन जैसे अणुओं की मौजूदगी दर्ज की, जो आमतौर पर नए ग्रहों के निर्माण में देखे जाते हैं। ग्रह के नष्ट होने के बाद इन अणुओं की उपस्थिति खगोलशास्त्रियों के लिए एक नया रहस्य बन गई है।

## यूक्रेन के हजारों गांवों पर रूस का कब्जा, बदले जाने लगे सड़क और गलियों के नाम

एजेंसी ■ कीव

रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी शहर मारीयोपोल में अब रूसी पहचान की छाप तेजी से दिखाई देने लगी है। शहर में रूसी प्रशासन व्यवस्थित तरीके से हजारों यूक्रेनी नागरिकों के घर जब्त कर रहा है, खासकर उन लोगों के जो 2022 की घेराबंदी के दौरान मारे गए या शहर छोड़कर भाग गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 5700 घरों की पहचान जब्ती के लिए की गई है, जबकि 3550 और घरों को संभावित जब्ती की सूची में डाला गया है। ये सभी आंकड़े रूसी-नियंत्रित मारीयोपोल प्रशासन की वेबसाइट पर जुलाई 2024 के बाद से डाले गए दस्तावेज़ों पर आधारित हैं। मारीयोपोल में न सिर्फ मकान जब्त किए जा रहे हैं, बल्कि सड़कों के नाम भी मास्को के निर्देशों के मुताबिक बदले जा रहे हैं। साथ ही, नए रूसी सैन्य ठिकाने भी बनाए जा रहे हैं। यह सब उस रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत यूक्रेनी शहरों को 'रूसी रंग' में रंगा जा रहा है। 2022 में रूस द्वारा किए गए 86 दिन लंबे घेराबंदी में मारीयोपोल लगभग पूरी तरह बर्बाद हो गया था। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, उस दौरान कम से कम 8,000 नागरिक मारे गए थे, और करीब 93 प्रतिशत ऊंची इमारतें तबाह हो गई थीं। रूस दावा कर रहा है कि उसने 70 से ज्यादा नई आवासीय इमारतें बनवा दी हैं, स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में अभी भी भीषण हाउसिंग संकट बना हुआ है। इस बीच, खाली पड़े फ्लैटों में बिना इजाजत लोग रहने लगे हैं और मालिकों को जब्ती का नोटिस भेजा जा रहा है। रूसी अधिकारी इन संपत्तियों को वैध चोरी करार देते हुए स्वीकारा कि जब्ती किए गए घर बिना मालिकों के हैं, लेकिन असलियत यह है कि इनके कानूनी मालिक यूक्रेनी नागरिक हैं, जिन्होंने रूस के कब्जे से बचने के लिए शहर छोड़ा या जिनकी मौत हो गई। कुछ मकानों के कानूनी वारिस अब भी दस्तावेजों के जरिए अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को बड़ा ऐलान किया कि वे ईस्टर के मौके पर तीन साल से चल रही यूक्रेन जंग में युद्धविराम का ऐलान कर देंगे। पुतिन की इस बड़ी घोषणा के बीच यूक्रेन में रूस की कथित धोखाधड़ी सामने आई है। रूस कब्जा कर चुके यूक्रेनी गांवों, शहर पर अपने निशान बना रहा है। ऐसी रिपोर्ट है कि उसने हजारों यूक्रेनियों के घरों पर कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं सड़कों के नाम भी बदले जा रहे हैं।

# शिविरों पर इजरायली हमले में 90 से ज्यादा मौत, ज्यादातर बच्चे शामिल

एजेंसी ■ गाजा

गाजा पर हमलों का आलम यह है कि गुड फ्राइडे से पिछले दो दिनों में इजरायली हमलों से कम से कम 92 फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इन हमलों में 219 से अधिक लोग घायल हुए हैं और दर्जनों अब भी मलबे के नीचे या दुर्गम इलाकों में फंसे हैं। मरने वालों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, खान यूनिस में रातभर चले हवाई हमले में कम से कम 15 बच्चों की मौत हुई। सभी बच्चे टेंटों में सो रहे थे। वहीं राफा में एक अलग हमले में एक मां, उसकी बेटी और दो अन्य की जान चली गई। शवों को यूरोपियन अस्पताल में लाया गया। उधर, हमास ने इज़रायल के अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। हमास का कहना है कि वह स्थायी संघर्षविराम और कैदियों की रिहाई के बदले में समग्र समझौता चाहता है, न कि केवल अस्थायी राहत। इज़रायली हमलों के बावजूद हमास अपनी जिद छोड़ने को तैयार नहीं है। हमास के इस इनकार के बाद इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को स्पष्ट कर दिया कि जब तक हमास हमारे प्रस्तावों को नहीं मानता, युद्ध बंद नहीं होगा। गाजा में सैन्य कार्रवाई पूरी ताकत से जारी रहेगी। उनका यह बयान इजरायल की ओर से गाजा में बड़े 'सुरक्षा ज़ोन' कब्जाने और 18 महीने लंबे युद्ध को और तेज़ करने की प्रतिबद्धता को दोहराता है। स्थानीय लोगों के हवाले से अलजजीरा ने बताया, गाजा में कोई भी अब खुद को सुरक्षित नहीं मानता, न अपने घरों में, न टेंटों में, न ही कैंपों में। हर रात लोगों के लिए मौत और भय का वक्त बन चुका है। गौरतलब है कि 18 मार्च को युद्धविराम खत्म होने के बाद इजरायल ने गाजा में खाद्य, ईंधन और राहत सामग्री पर पूरी तरह रोक लगा दी है। वहीं दूसरी तरफ युद्धविराम पर एक बार फिर लंबा और अनिश्चितकालीन ब्रेक लग गया है। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास आतंकियों पर सीजफायर वार्ता तोड़ने का आरोप लगाते हुए गाजा को अंजाम भुगतने की धमकी दी।

## समाज में असमानता तब बढ़ती है जब सत्ता उसे बढ़ने देती है: शोध

**लंदन।** हाल ही में आई एक रिसर्च ने इस सोच कि अमीरी-गरीबी, ऊंच-नीच और भेदभाव जैसी चीजें इंसानी समाज का हिस्सा हैं, को झूठा साबित कर दिया है। ताजा स्टडी में 10,000 साल पुरानी खुदाई और करीब 1,000 पुरानी बस्तियों का अध्ययन किया गया। अमेरिका, यूरोप, एशिया और मेसोअमेरिका की सभ्यताओं में किए गए इस शोध में वैज्ञानिकों ने 50,000 घरों की बनावट और आकार का विश्लेषण किया और बताया कि असमानता कैसे और कब पनपी। रिसर्च का आधार था घरों का आकार बड़े घर अमीरी के संकेतक माने गए और छोटे घर गरीबी के। इस अंतर को गिनी कोएफिशिएंट नामक मीट्रिक में बदला गया, जो 0 से 1 के बीच होता है। जहां 0 का मतलब सभी के पास बराबर संपत्ति होना है, वहीं 1 का मतलब सारी संपत्ति सिर्फ एक के पास होना। आज के समय में अमेरिका का स्कोर 0.41 है, जबकि नॉर्वे का 0.27। लेकिन

# आतंकियों को पनाह देने वाले पाक के लिए संकट खड़ा कर रहे आतंकवादी

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

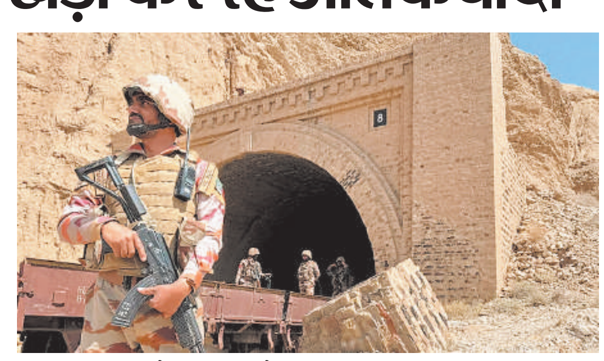

पाकिस्तान सरकार और वहां की सेना आतंकवादियों को पोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। ये आतंकवाद अब इतना ताकतवर हो चुका है कि पाकिस्तान को ही डराने धमकाने लगा है। हालात ऐसे हो चुके हैं कि पाकिस्तान सरकार, आर्मी या फिर पुलिस पूरी ताकत लगाकर उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे बेकाबू हो चुके हैं। डेटा से भी इसकी पुष्टि होती है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संयुक्त अभियान के दौरान चार आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान प्रांत के स्वात जिले में चलाया गया। साल 2025 के शुरुआती तीन महीनों में आतंकवादी हमलों में 152 लोग मारे जा चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार हमलों में फ्रंटियर कोर (एफसी) के 34 जवानों की मौत हो गई और 43 अन्य घायल हो गए। थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 में देश में आतंकवादी गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो पिछले महीने की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि देश भर में कम से कम 74 आतंकवादी हमले हुए, जिसके चलते 91 लोगों की मौत हुई, जिनमें 35 सुरक्षाकर्मी, 20 नागरिक और 36 आतंकवादी शामिल थे। इसके अलावा, 117 लोग घायल हुए, जिनमें सुरक्षा बलों के 53 सदस्य, 54 नागरिक और 10 आतंकवादी शामिल थे। खैबर पख्तूनख्वा सबसे अधिक प्रभावित प्रांत रहा, उसके बाद बलूचिस्तान का स्थान रहा। खैबर पख्तूनख्वा के जिलों में आतंकवादियों ने 27 हमले किए, जिसके कारण 19 लोग मारे गये।

### 21 किमी की दौड़ में इंसान को पानी तो रोबोट्स को पड़ी बैटरी की जरुरत

# चीन ने फिर किया कमाल! इंसान और रोबोट्स की कराई दौड़

एजेंसी ■ बीजिंग

आपने इंसानों की दौड़ तो देखी होगी लेकिन चीन ने अपने यहां एक अनोखी दौड़ का आयोजन किया यह दौड़ इंसान और रोबोट के बीच थी। बीजिंग में शनिवार को इंसानों और रोबोट्स के बीच हाफ मैराथन दौड़ हुई। यह पहली बार था जब रोबोट्स ने 21 किलोमीटर की दूरी इंसानों के साथ पूरी की। ये आयोजन बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुआ, जहां चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों के ऑफिस हैं।

इसका दौड़ का मकसद रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन की तरक्की दिखाना था। चीन की ड्रॉयडअप और नोएटिक्स रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोट्स ने भी इस दौड़ में भाग लिया। दौड़ में शामिल कुछ रोबोट्स का साइज 120 सेमी यानी 3.9 फिट से भी कम था, जबकि कुछ 1.8 मीटर यानी 5.9 फीट तक ऊंचे थे। बीजिंग इनोवेशन सेंटर ऑफ ह्यूमन रोबोटिक्स के रोबोट तियांगोंग अल्ट्रा ने मशीनों में सबसे पहले 2 घंटे 40 मिनट में यह रेस पूरी की जबकि इंसान को रेस पूरी करने में 1 घंटे 2 मिनट का समय लगा। सबसे कम वक्त में 21 किमी की मैराथन पूरी करने का रिकॉर्ड जैकब किप्लिमो जिन्होंने 56 मिनट 42 सेकेंड के नाम है।

रेस के दौरान जिस तरह इंसानों को बीच दौड़ के बीच में पानी की जरूरत पड़ती है उसी तरह रोबोट्स को बैटरियां बदलने की परमिशन दी गई थी। रोबोट के साथ इंसानी ट्रेनर भी थे, जिन्होंने दौड़ के दौरान रोबोट्स को सहारा दिया। कुछ रोबोट्स ने रनिंग शूज पहने थे, एक ने बॉक्सिंग ग्लव्स भी पहने थे और दूसरे ने लाल रंग का हेड-बैंड पहना था जिस पर चीनी भाषा में बाउण्ड टू विन यानी जीतने के लिए तैयार है लिखा था। रोबोटिक्स सेंटर के चीफ टेक्नोलॉजी अधिकारी ने कहा कि तियांगोंग अल्ट्रा को दौड़ने के दौरान लंबी टांगों और एक एल्गोरिथम की मदद मिली। इस वजह से यह इंसानों की तरह मैराथन दौड़ पाया। उन्होंने कहा कि वह शेखी नहीं बघारना चाहता, लेकिन उसे लगता है कि पश्चिम देशों में कोई भी अन्य रोबोटिक्स फर्म तियांगोंग की स्पोर्ट्स अचीवमेंट्स की बराबरी नहीं कर सकती। दौड़ के दौरान रोबोट की सिर्फ तीन बार बैटरी बदली गई।

## छात्रों को बड़ी राहत: वीजा रद्द करने के मामले में कोर्ट ने ट्रंप सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

वीजा रद्द करना और डिपोर्ट करना अमेरिकी ट्रंप सरकार की प्राथमिकता रही है। अब तक अमेरिकी सरकार लाखों लोगों को डिपोर्ट कर चुकी है। वहीं अब छात्रों को भी निशाना बना रहा है। अमेरिकी प्रशासन ने बड़ी संख्या में विदेशी छात्रों का वीजा रद्द कर दिया। इसमें बड़ी संख्या में भारतीय छात्र भी शामिल थे। अब जॉर्जिया की एक जिला अदालत ने कम से कम 133 छात्रों को राहत दी है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने छात्र वीजा धारकों की भी जांच करने के लिए कैच ऐंड रिवोक कार्यक्रम की घोषणा कर दी। इसके तहत यहूदी विरोधी और फिलिस्तीन के समर्थकों को पहचानना था। जॉर्जिया की अदालत ने टेंपररी रिस्ट्रेनिंग ऑर्डर जारी करते हुए छात्रों के डिपोर्टेशन पर रोक लगा दी है। बता दें कि छात्रों को अचानक सूचना दी गई थी कि उनका एक्सचेंज विजिटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम बंद किया जा रहा है और अब उनका अमेरिका में ठहरना अवैध है। वहीं कोर्ट ने होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट को आदेश जारी करते हुए कहा कि छात्रों का इस तरह से तत्काल वीजा रद्द नहीं किया जा सकता।

# भारतीय समाज में पिता की अवधारणा

भारतीय संस्कृति में पिता परिवार की धुरी होता है। उसका स्थान सर्वोपरि है। पांडव वनवास के समय जंगल में घूम रहे थे। वे प्यास से व्याकुल होने के कारण जलाशय, ढूँढ रहे थे। उन्हें एक स्थान पर जलाशय मिला। सर्वप्रथम सहदेव जलाशय पर पहुँचा। उसने हाथ में जल लेकर पीने का प्रयत्न किया। सहसा एक अदृश्य आवाज ने सहदेव से कहा कि मेरे प्रश्नों के उत्तर देकर ही जल ग्रहण करो। परन्तु सहदेव ने जल पी लिया और वह अचेत हो गया। उसके बाद नकुल, अर्जुन तथा भीम की भी वही स्थिति हुई। अंत में धर्मराज युधिष्ठिर आये। अपने चारों भाईयों की मृतप्राय अवस्था देखकर उन्हें शंका हुई। वे भी जलाशय के पास पहुँचे। अदृश्य आवाज से उन्होंने परिचय पूछा। वह एक यक्ष की आवाज थी। उसने युधिष्ठिर से अठारह प्रश्न पूछे। सही उत्तर प्राप्त होने पर चारों भाई जीवित हो गये। उन प्रश्नों में एक प्रश्न था कि आकाश से ऊँचा कौन है? युधिष्ठिर ने तपाक से उत्तर दिया, ''पिता÷। वास्तव में सर्वोच्च स्थान पिता को ही प्राप्त है। पिता बालक को उसकी जीवन यात्रा में सही दिशा प्रदान करते हैं। उसे स्वअनुशासित जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित करते हैं। वह चाहते हैं कि उनका पुत्र उद्दंड न बने। सही रास्ता अपनाकर जीवन में उत्तरोत्तर ऊँचाइयों को प्राप्त कर पिता का नाम रोशन करे। पिता की अभिलाषा रहती है कि उनकी सन्तान बलिष्ठ बनें, किसी के सामने झुके नहीं और प्रत्येक समस्या का निदान निडर होकर करे। पिता सर्वदा हर क्षण कदम - कदम पर आने वाली समस्याओं के प्रति सचेत करते रहते हैं। एक सफल पिता की यह हार्दिक अभिलाषा रहती है कि जो कष्ट उन्होंने स्वयं उठाए हैं वह उनकी संतान को न उठाने पड़े। पिता चाहते हैं कि उनकी सन्तान जीवन में किसी से धोखा न खाये और समस्याओं का निदान निपुणता से बिना झुंझलाहट के कर ले'। पिता का स्नेह केवल पुत्र पर ही नहीं पुत्री पर भी उतना ही रहता है। मनोवैज्ञानिकों के मतानुसार पिता अपनी पुत्री पर अधिक स्नेह करते हैं। माँ यदि अपनी बेटी को यदा - कदा डाँटती है, दुनिया की ऊँच - नीच के बारे में उसे कुछ समझाती है तो पिता माँ को एक झिड़की देकर टोक देता है और कहते हैं कि समय आने पर, जिम्मेदारी सिर पर पड़ने पर मेरी लाड़ली सब कुछ कर लेगी। वह तुमसे भी अच्छी बनेगी। बचपन में मैंने किसी पत्रिका में एक

कहानी पढ़ी थी। सुज्ञ पाठकगण। उसका रसास्वादन करें। माता - पिता अपनी लाड़ली के लिए वर तलाश रहे थे। प्रत्येक लड़के में कुछ न कुछ मीन - मेख निकाली जा रही थी। पिता का कथन था कि मैं अपनी बेटी के लिए ऐसा राजकुमार सा वर ढूँढना चाहता हूँ जो मेरी लाड़ली को राजरानी बनाकर रखे और उसे किसी भी प्रकार की कमी न होने दे। मेरी बेटी उसके साथ हमेशा हँसती खिलखिलाती रहे आदि - आदि। बेटी ने पिता के कन्धे पर हाथ रख कर पूछा - पिता जी मेरे नाना जी ने भी आप में ऐसा ही राजकुमार ढूँढा होगा, फिर आप माँ को क्यों हमेशा उलहना देकर रूलाते रहते हो ऐसी होती है एक पिता की पुत्री के प्रति स्नेहासक्ति।

# कशमीर की घाटियों से बर्फीली वादियों में गलवादियाँ करेगी वंदे भारत

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र हमारा देश भारत जहाँ भिन्न भिन्न भाषा, धर्म जाति का चेहता देश, जो सम्पूर्ण विश्व को विविधता में एकता का संदेश देते हुए जीवन जीने का गुरू रहस्यो का तरीका व सलीका सिखाता है।जी हाँ हमारा व आप का प्यारा देशहै।जिसकी पहचान आज विश्व के मानचित्र में पहचान भारत के रूप अपना प्रच्चम फहरा रहा है। जिसकी अप्रैल की हल्की ठंडक और वसंत की खिलती बहार... हिमालय की बर्फीली चोटियाँ, सेब के पेड़ों पर गुलाबी फूलों की चादर, और मैदानों की हरी घास, यह सब अब सिर्फ मात्र अब कल्पना नहीं रहेगा।क्योंकि अब जल्द ही, इसका आनंद आप अपनी आंखों से देख सकते है। इसके लिए आप को जल्द ही जम्मु कश्मीर चलने के लिए तैयार रहना होगा। आप सोच रहे होगें कि कशमीर में तो अभी सर्दी व बर्फीले हवाओं से समाना करना पडेगा।तो आप को बता दें कि रेलवे ने जम्मू कश्मीर के विषय परिस्थितियो को ध्यान में रखते हुए

स्पेशल डिजाइंड किया है। वह भी अपने यात्रियो के सुःख सुविधाओं का ध्यान में रखते हुए। जिसका नाम वंदे भारत ट्रेन दिया गया है।आप इसी वंदे भारत ट्रेन में बैठकर कशमीर की घाटियों व वादियों का नजदीक से देख सकेंगे। सर्व विदित रहे कि जैसे ही यह ट्रेन पहलगाम की घाटियों से गुजरेगी, हरियाली से सजी वादियाँ, दूर तक फैले चीड़ के जंगल और चरवाहों की झलक आपको एक लम्हे में रोक देंगे। वही देवदार की खामोशी को चीरती वंदे भारत की तेज रफ्तार - तकनीक और

विनोद कुमार सिंह

प्रकृति का अद्भुत संगम जल्द ही आपको देखने को मिलगी। जहाँ इंजीनियरिंग का कमालमेक इन इंडिया के तहत इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) में बनी यह ट्रेन आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस है, जो बिजली सी चलती है।मगर सुरक्षित और आरामदायक सफर की मिसाल है। यह सफर हर भारतीय को गर्व से भर देगा।यहाँ पर आप के मन प्रश्न उठना स्वाभाविक है - क्या यह वंदे भारत ट्रेन कश्मीर की घाटियो व हिमालय की वादियों व विपरीत परिस्थितियों के अनकुल है।मै स्पष्ट कर दुं कि यह वंदे भारत एक्सप्रेस विश्वसनीयता, सुरक्षा और यात्रियों के आराम को सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक एवं उन्नत सुविधाओं से युक्त है।इस वंदे भारत ट्रेन को कश्मीर घाटी की कठिन जलवायु परिस्थितियों में सुगम यात्रा प्रदान करने के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है।जिससे अब हर मौसम में कश्मीर घाटी तक पहुंचना आसान होगा और वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत, क्षेत्र में यात्री सेवाएँ एवं पर्यटन अनुभव बेहतर बनाएगी।जम्मू- कश्मीर जैसे सर्द मौसम वाले क्षेत्र में सुचारू रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में विशेष तकनीकी सुविधाएँ प्रदान की गई हैं।सिलिकॉन हीटिंग पैड- यह वॉटर और बायो- टॉयलेट टैंकों में पानी को जमने से रोकेंगे।साथ ही, इनमें ओवरहीट प्रोटेक्शन सेंसर लगे हैं, जो यह सुनिश्चित करता है कि शून्य या माइनस तापमान में भी रेल संचालन सुचारू रूप से हो।हीटेड प्लंबिंग पाइपलाइन- जीरो डिग्री से भी कम तापमान में सेल्फ-रेगुलेटेड हीटिंग केबल्स पानी को जमने से रोकेंगे।

ऑटो-ड्रेनिंग मैकेनिज्म- प्लंबिंग लाइनों में पानी के जमने की समस्या को रोकेगा, जिससे संचालन में कोई बाधा नहीं आएगी। वंदे भारत ट्रेन में यात्रा होगी सुगम और सुरक्षित कश्मीर की कठिन परिस्थितियों में ड्राइवर की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे सुगम यात्रा संभव होगी।इसके लिए एंबेडेड हीटिंग एलिमेंट- फ्रंट लुकआउट ग्लास में लगाए गए यह एलीमेंट सर्द मौसम में विंडशील्ड को डी-फ्रॉस्ट कर ड्राइवर को क्लियर.विज़न प्रदान करेंगे, जिससे सुरक्षित व सुगम ट्रेन संचालन हो सकेगा।एंटी-स्पॉल लेयर- बर्फबारी या आंधी जैसे कठिन मौसम के दौरान यह लेयर ड्राइवर को सुरक्षित ट्रेन के संचालन में सहायता करेगा।

सुरक्षित और आरामदायक वर्क एनवायरनमेंट- ट्रेन को कठिन मौसम परिस्थितियों से निपटने के लिए स्पेशल रूप से डिज़ाइन किया गया है। इस वंदे भारत ट्रेन के सुचारू संचालन और यात्रियों के आराम के लिए कई तकनीकी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं- -एयर ड्रायर सिस्टम हीटिंग- अत्याधिक ठंड में एयर ब्रेक सिस्टम की दक्षता बनाए रखेगा।साथ ही, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (HVAC) डक्ट्स द्वारा यात्रियों की आराम दायक यात्रा सुनिश्चित की गई है ।5 kVA ट्रांसफॉर्मर- ट्रेन के महत्वपूर्ण घटकों के सुचारू संचालन और ठंडे मौसम में उनकी दक्षता बनाए रखने के लिए इसे अंडरफ्रेम में विशेष रूप से स्थापित किया गया है।पूर्ण वातानुकूलित कोच- सेमी-हाई-स्पीड क्षमताओं (160 किमी प्रति घंटे) से लैस होंगे, जिससे तीव्र और समयबद्ध यात्रा संभव होगी।आधुनिक सुविधाएँ- चौड़े गैंगवे, स्वचालित प्लग डोर, मोबाइल चार्जिंग सॉकेट, इंफोटेनमेंट सिस्टम और सीसीटीवी जैसी सुविधाएँ यात्रियों के अनुभव को सुगम बनाएंगी।

▪ किशन भावनानी

# तंबाकू या धूम्रपान से दूरी हमारे जीवन की गुणवत्ता को सुधारने में मददगार

**अगर हम तंबाकू खाने से भयंकर बीमारियां और सेहत को नुकसान की करें तो, हर कोई जानता है कि तंबाकू खाना उनकी सेहत को कितना नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन इसके बावजूद लोग इसके सेवन से कभी परहेज नहीं करते। परंतु अभी इसे रोकने के लिए उपलब्ध कानूनों का शक्ति से क्रियान्वयन करना जरूरी है ताकि भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि तंबाकू के इस्तेमाल में गिरावट जारी रहे।**

वैश्विक स्तरपर अनेक ऐसी बुराइयों या बुरी आदतें शौक या कार्यकलाप हैं, जिन्हें रोकने के लिए 195 से अधिक देशों की सदस्यता से बना संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस आदत, वस्तु को रोकने अनेक कार्यक्रम व जनजागरण दिवस मनाया जाता हैं।परंतु मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनियां के हर देश व हर राज्य द्वारा इससे संबंधित कानूनो में अब संशोधन करने का समय आ गया है।अब तंबाकू और उससे बनी वस्तुओं पर पूरी तरह से बैन और उल्लंघन करने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जाए। हालांकि भारत के अनेक राज्यों में तंबाकू व उससे बने पदार्थों पर बैन लगा हुआ है, परंतु उस पर सख्ती की अत्यंत भारी कमी देखने को मिल रही है।इस संबंध में इस आर्टिकल को लिखने के पीछे मैं खुद एक हफ्ते से रिसर्च व ग्राउंड रिपोर्टिंग कर रहा थाजिसकी चर्चा हम नीचे के पैराग्राफ में करेंगे, तो मैंने पाया कि तंबाकू विक्रेताओं पर अति सुस्ती से कार्रवाई होती है, मार्केट में खुले आम तंबाकू बिकते दिखा अनेक गोदाम पैक रखे हुए, विक्रेता मलाई से लबालब शालीनता वाली जिंदगी मे मस्त दिखे। दूसरी और अभी कुछ दिन पहले हमारी राइस सिटी गोंदिया में संबंधित विभाग द्वारा स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू और उससे संबंधित पदार्थ बेचने पर अनेक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई।मेरा मानना है कि इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए यह कार्रवाई लगातार सप्ताह में दो बार शुरू रहनी चाहिए तो इस समस्या का जड़ से निदान हो सकता है।असल में होता यह है कि हफ्ताखोरी के कारण जो रेड होता है, उसकी जानकारी संबंधित ऑनर को उस डिपार्टमेंट के भेदियों से मिल जाती है और माल ठिकाने लग जाता है या सेटिंग से कम जप्ती दिखायी जाती है, केस ढीला कर दिया जाता है, आरोपी को शीघ्र जमानत मिल जाती है, फिर कारोबार का चक्र उसी तरह चलते रहता है, रिकॉर्ड में रेड दिखाई जाती है पर होता जाता कुछ नहीं, यह कहानी मेरा मानना है कि शायद हर जिला प्रशासन में हो सकती है। इस प्रकार के मदिरा व्यापार में मैंनें अभी तक कोर्ट से सजा नहीं देखी या सुनी है।आरोपी छूट जाता है मामला रफादफा हो जाता है और हम केवल और केवल जागरूकता दिवस, निषेध दिवस मनाते रह जाते हैं, जिसपर शायद शासन प्रशासन को गंभीरता से विचार करना जरूरी है। अभी समय आ गया है कि शासन प्रशासन को अति कानूनी सख्ती भी अत्यंत तात्कालिक जरूरी है, इसलिए आज हम मीडियम उपलब्ध जानकारी

के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, तंबाकू सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक-तंबाकू निषेध कानून का सख्त क्रियान्वयन समय की मांग, तंबाकू या धूम्रपान से दूरी हमारे जीवन की गुणवत्ता को सुधारने में मददगार साबित हो सकती है।

साथियों बात अगर मेरे द्वारा दिनांक 11 से 18 अप्रैल 2025 के बीच तंबाकू सेवनकर्ताओं से ग्राउंड रिपोर्टिंग बातचीत की करें तो, मैं सब्जी मंडी, मॉल, सिनेमाघर, पेट्रोल पंप किराना बाजार सहित अन्य कई स्थानों पर दैनिक रूटिंन में जाकर देखा तो अनेकों के हाथ में झिल्ली में लपेटा हुआ या पाउच में डाला हुआ गुटका तंबाकू दिखा। मैंनें जब उनसे बात की तो उन्होंने कहा हमें मालूम है कि पाउच के ऊपर लिखा रहता है तंबाकू सेवन से कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है, परंतु फिर भी हम खा रहे हैं। हालांकि तंबाकू पर यहां बैन लगा हुआ है फिर भी खुले आम विक्रेताओं बीचसेवनकर्ता सेवन कर रहे हैं। जब मैं उनके दांतों के सड़न के बारे में बात की तो उन्होंने कहा तंबाकू से ही सब गए हैं। मैंनें कैंसर की बात की तो उन्होंने कहा आगे चलकर हमें कैंसर हो सकता है, फिर भी बेफिक्र होकर तंबाकू खाते दिखे तो मुझे लगा अब जनजागरण फैलाने के साथ-साथ अत्यंत सख्त कार्रवाई करना लाज़मी है और संबंधित विभाग को ऊपर से टारगेटेड कार्रवाई केस देने का दबाव बनाना जरूरी हो गया है परंतु या फिर निक्कमे अधिकारियों का निलंबन करना समय की मांग है, क्योंकि ऐसा हो ही नहीं सकता कि तंबाकू सेवन या विक्रेता के केस ना हो, अधिकारी एक ढूंढेंगे तो हजारों केस मिल जाएंगे, इसका स्वतःसंज्ञान मंत्रालय स्तर से लेना जरूरी है।साथियों बात अगर हम तंबाकू खाने से भयंकर बीमारियां और सेहत को नुकसान की करें तो, हर कोई जानता है कि तंबाकू खाना उनकी सेहत को कितना नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन इसके बावजूद लोग इसके सेवन से कभी परहेज नहीं करते। परंतु अभी इसे रोकने के लिए उपलब्ध कानूनों का शक्ति से क्रियान्वयन करना जरूरी है ताकि भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि तंबाकू के इस्तेमाल में गिरावट जारी रहे। इस साल, तंबाकू उद्योग के युवाओं को टारगेट कर बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर ध्यान दिया जाना जरूरी है। सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म वगैरह के जरिए दुनियां भर में युवा तेजी से तंबाकू प्रोडक्ट्स के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं। यह उनके स्वास्थ्य और समाज के कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियां भर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि ज्यादातर देशों में 13 -15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीनप्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। 13 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों पर बढ़ रहा खतरा युवाओं में धूम्रपान का प्रचलन बना हुआ है और कई देशों में यह बढ़ रहा है। 13 से 15 वर्ष की आयु के 38 मिलियन से अधिक बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का इस्तेमाल कर रहे हैं। साल 2022 में, 15 से 24 साल के बच्चों के बीच पॉपुलर टीवी और वेब शो में तंबाकू वाले विजुअल्स में 110 फीसदी की वृद्धि हुई, जो अक्सर धूम्रपान को ग्लैमरस और कूल के रूप में दिखाते हैं।ट्रुथ इनिशिएटिव के अनुसार, स्क्रीन पर धूम्रपान की तस्वीरें देखने पर युवाओं में स्मोकिंग शुरू करने की संभावना तीन गुना तक बढ़ जाती है।

## राजकाज

### शरबत बेचने के लिए अब धर्म की लड़ाई

बाबा रामदेव से ज्यादा कुशल व्यापारी सारी दुनिया में और कोई नहीं हो सकता है। यह बाबा ने कई बार साबित किया है। हाल ही में बाबा ने शरबत को लेकर अप्रत्यक्ष रूप से रूह अफजा का मार्केट कब्जाने के लिए सांप्रदायिक स्वरूप दे दिया है। बाबा रामदेव पूर्णत स्वदेशी और हिंदू सरबत तैयार कर रहे हैं। वहीं कई दशकों से हमदर्द का रूह अफजा देश में बड़े पैमाने पर बिकता है। लोग इसे पसंद करते हैं। बाबा रामदेव ने कह दिया, उस शरबत की कमाई से मस्जिद और मदरसे बनते हैं। बाबा के शरबत से क्या बनेगा, यह उन्हें नहीं बताया। बाबा ने हिंदू धर्म का तड़का लगाकर अपने शरबत को बेचने के लिए सांप्रदायिक युद्ध शुरू किया है। बाबा की इसमें मास्टरी है। पूरे भारत वर्ष में बाबा के शरबत की चर्चा हो रही है। लोग कहने लगे हैं, बाबा ने लोगों को योग करने में लगा दिया है, खुद अरबों रुपए का धंधा करने में लग गए हैं। भारत में 80 फ़ीसदी हिंदू है। हिंदू तो उनका प्रोडक्ट खरीद ही लेंगे।

### बिहार में उद्घाटनों का अमृतकाल

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा ने शिलान्यास और उद्घाटन की श्रृंखला शुरू कर दी है। इसे बिहार का अमृत काल बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं बिहार पहुंचकर उद्घाटन और शिलान्यास में जुट गए हैं। बिहार की जनता को मोदी एहसास करा रहे हैं। बिहार के अमृत काल का समय शुरू हो गया है। भाजपा को विश्वास है, इस बार नितीश बाबू से उन्हें निजात मिलेगी। बिहार में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। बीजेपी का मुखिया ही बिहार का मुख्यमंत्री होगा। भाजपा को अभी तक हिंदू मुसलमान से ही सबसे ज्यादा सफलता मिली है।

### राहु केतु से घिरे टेरिफ़ मामले में ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के ऊपर 245 फ़ीसदी टैक्स लगाकर चीन के खिलाफ कड़े तेवर अपनाए थे। इस पर चीन ने हंसी उड़ाते हुए कहा, वह चीन से डरने वाला नहीं है। चीन ने यह भी कह दिया, कि वह अमेरिका की ओर से लगाए गए किसी भी टेरिफ का अब कोई जवाब नहीं देगा। ऐसा कहकर चीन ने अमेरिका को उसकी औकात बता दी। रही सही कसर अमेरिका की न्यायालयों ने पूरी कर दी है। अमेरिका के कई राज्यों ने टेरिफ के खिलाफ न्यायालय का रुख किया था। राज्यों की मांग पर न्यायालय ने ट्रंप के टेरिफ़ को स्टे कर दिया है। अब ट्रंप को सूझ नहीं रहा है, कि वह क्या करें।

### मुसलमान, ईसाइयों के बाद अब जैन

भारत में अल्पसंख्यकों को लेकर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार, और कट्टरवादी हिंदू संगठनों के निशाने पर मुसलमान और ईसाई थे। अब निशाने पर जैन समुदाय भी आ गया है। मणिपुर में सैकड़ो चर्च जलाए गए। आज भी मणिपुर जल रहा है। पिछले 11 वर्षों से भारत में मुसलमानो को जिस तरह से दबाया जा रहा है। उसका मजा सब ले रहे थे। अब जैन और बौद्ध भी सरकार के निशाने पर आ गए हैं। केंद्र सरकार ने वक्फ बिल पास कर दिया है। संसद से बिल पास हो जाने के बाद अब अल्प संख्यकों के संवैधानिक अधिकार भी सुरक्षित नहीं रहे। जैनियों के तीर्थ क्षेत्र भी सुरक्षित नहीं हैं।

## फीचर

# बच्चों को लेने दें पूरी नींद

**स्वास्थ्य सेवा के अनुसार 10 साल के बच्चे को 10 घंटे की नींद मिलनी चाहिये।बचपन में पर्याप्त नींद के संभावित लाभों का फायदा युवावस्था में स्वास्थ्य को मिल सकता है।**

बच्चों की उम्र के अनुसार नींद होनी चाहिये। अगर यह कम होती है तो उन्हें अनेक प्रकार की बीमारियों का खतरा बना रहता है। इसलिए अगर आपके बच्चे को भी पर्याप्त नींद नहीं मिलती तो उसकी आदत बदल दें। रात में पर्याप्त नींद नहीं लेने वाले बच्चों को टाइप 2 मधुमेह होने का खतरा अधिक होता है। अनुसंधानकर्ताओं ने नौ से 10 आयुवर्ग के 4525 बच्चों के शारीरिक माप, उनके रक्त के नमूने और प्रश्नावली आंकड़ा एकत्र किया। उन्होंने पाया कि जो बच्चे अधिक देर तक सोते हैं उनका वजन अपेक्षाकृत कम होता है। नींद के समय का इनसुलिन, इनसुलिन प्रतिरोधक और रक्त में ग्लुकोज के साथ विपरीत संबंध है यानी यदि नींद का समय अधिक होगा तो इनसुलिन, इनसुलिन प्रतिरोधक और रक्त में ग्लुकोज का स्तर कम होगा। स्वास्थ्य सेवा के अनुसार 10 साल के बच्चे को 10 घंटे की नींद मिलनी चाहिये।बचपन में पर्याप्त नींद के संभावित लाभों का फायदा युवावस्था में स्वास्थ्य को मिल सकता है। वहीं बच्चों में चिढ़िचढापन और अनेक तरह की बीमारियां मात्र नींद पूरी नहीं होने के कारण भी होती हैं। एक शोध में कहा कि एडीएचडी के लक्षण 70 फीसदी ऐसे बच्चों जिन्हें नींद आने में दिक्कत होती है! सोने के समय की नियमित आदतों में सुधार से एडीएचडी पीड़ित बच्चों में खास अंतर लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शोधकर्ताओं ने संकेत दिया कि एडीएचडी ऐसे बच्चे, जिनकी दिनचर्या एक सी होती है, वे आसानी से सो जाते हैं। रिपोर्ट में मुलरेनी के हवाले से कहा गया, जिन बच्चों में अच्छी आदतें होती है, वे रात में सोते समय आम तौर पर बहस नहीं करते और लंबी व अच्छी नींद लेते हैं, जबकि दिन में वे ज्यादा सतर्क रहते हैं व कम सोते हैं।

## प्रेरणा

# सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है। सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस

आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षो में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

## अपनी बात

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने भागवत ने एच.बी. इंटर कॉलेज और सासनी गेट इलाके में पंचन नगरी पार्क में आयोजित दो शाखाओं में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए हिंदू समाज के सदस्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया है, जिसे केवल समरसता के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने इसके लिए सामाजिक सद्भाव पर जोर दिया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधिकारी प्रभावित इलाकों में जाएं तथा राहत कार्य पर नज़र रखें। राज्य में पिछले कई दिनों में आंधी और बारिश हुई है। बयान के अनुसार योगी ने कहा कि बिजली गिरने, आंधी तूफान, बारिश आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि दी जाए साथ ही घायलों का समुचित उपचार कराया जाए।

## ब्रीफ न्यूज

### अनिरुद्ध सिंह सेंगर पेंशनर संघ के उपाध्यक्ष मनोनीत

**गुना।** शासकीय पेंशनर एवं सेवानिवृत्ति कर्मचारी संघ जिला गुना के अध्यक्ष घनश्याम श्रीवास्तव ने साहित्यकार अनिरुद्ध सिंह सेंगर को पेंशनर्स संघ का उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। श्री सेंगर को उपाध्यक्ष मनोनीत करते हुए घनश्याम श्रीवास्तव ने कहा कि संघ को ऊर्जावान पदाधिकारियों की आवश्यकता है, जो संगठन के दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं लगन से निर्वहन कर सकें। श्री सेंगर के मनोनयन पर सचिव जैनेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष कैलाश नारायण बंसल सहित कमलेश श्रीवास्तव, हरिओम श्रीवास्तव, हरीश सोनी, जयराम सिंह बिसेन, डॉ सतीश चतुर्वेदी, प्रेम सिंह प्रेम, कमला वर्मा, शीला अग्निहोत्री, प्रभा चामलीकर, देवेंद्र सलिल, अरविंद सिंह रघुवंशी, महेश जैन, कृष्णा दुबे, एस के शर्मा आदि ने बधाइयां प्रेषित की हैं।

### बिना सक्षम अनुमति के बोरवेल कराये जाने पर बोरवेल मशीन को किया जप्त

गुना। मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत जिले की समस्त तहसीलें जल अभावग्रस्त घोषित की गई हैं। एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की विधिवत अनुमति के बिना किसी भी प्रकार का नवीन नलकूप खनन एवं पुराने बोरवेल की सफाई अथवा गहरीकरण कार्य

प्रतिबंधित किये जाने के आदेश जारी किये गये हैं। ग्राम दुर्गापुरा में भूमि सर्वे क्रमांक 226/1/1 भूमिस्वामी रमेश पुत्र नानजीराम लोधी द्वारा बिना सक्षम अनुमति के बोरवेल कराया जा रहा था। जिसे तहसीलदार मक्सूदनगढ़ द्वारा मौके पर जाकर अवैध बोरवेल उत्खनन कार्य को बंद कराया जाकर बोरवेल मशीन को जप्त कर पुलिस चौकी उकावद में पुलिस अभिरक्षा में सुपुर्द की गई।

### परशुराम जयंती उत्सव की तैयारी हेतु बैठक आयोजित

**गुना।** भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव को धूमधाम से मनाने के उद्देश्य से माँ रेणुका सर्व ब्राह्मण महिला संगठन की एक बैठक का आयोजन भगवान पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण में किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में संगठन की सदस्यों ने भाग लिया और उत्सव को भव्य रूप देने हेतु कई निर्णय लिए गए। बैठक में उपस्थित महिलाओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि आगामी परशुराम जयंती की शोभायात्रा में सभी महिलाएं पीली साड़ी पहनकर भाग लेंगी। यह रंग समर्पण, श्रद्धा और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक माना गया। साथ ही आग्रह किया गया कि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं इस भव्य शोभायात्रा में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाएं।

डाक विभाग की नई पहल! डाकघरों का हो रहा हैं सौंदर्यीकरण

# पुरानी कलेक्ट्रेट के उप डाकघर का हुआ सौंदर्यीकरण के साथ लोकार्पण

सत्ता सुधार ■ गुना

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की प्रेरणा व मुख्य पोस्टमास्टर जनरल विनीत माथुर के मार्गदर्शन में गुना डाक संभाग में डाक विभाग द्वारा प्रोजेक्ट एरो, लुक एण्ड फील के तहत सभी डाकघरों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को गुना शहर के गुना सिटी एवं गुना कलेक्ट्रेट डाकघरों के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण किया गया। गुना कलेक्ट्रेट उप डाकघर के प्रांगण में हुए डाकघर के सौंदरीकरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गुना विधायक पन्नालाल शाक्य, विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिकरवार नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विकास जैन की उपस्थिति में विधिवत लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधीक्षक डाकघर गुना ओपी चतुर्वेदी द्वारा की गई। डाकघर सौंदरीकरण कार्यक्रम में सहायक अधीक्षक रविंद्र भार्गव एवं डाकघर के सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रमों में डाक विभाग की सेवाओं को और अधिक सुलभ और आकर्षक बनाने के लिए प्रोजेक्ट एरो/ लुक एण्ड फील के तहत कार्य किया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि

विधायक श्री शाक्य ने कहा कि पत्रलेखन की परंपरा पुराणिक हैं इस कला को ओर अधिक विकसित करने की आवश्यक हैं, उन्होंने सभी नागरिकों से पत्र लेखन की विधा को जिंदा रखने की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री सिकरवार ने कहा कि डाकघर का नवीनीकरण सौंदरीकरण करने का श्रेय क्षेत्रीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया को जाता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधीक्षक डालकर गुना श्री चतुर्वेदी ने डाकघर की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ गुना शहर की समस्त जनता से लेने की अपील की है।

# गुना में एसपी बदले, अंकित सोनी को सौंपी गई कमान

हनुमान जयंती पर हुई हिंसा के एक सप्ताह बाद तबादला

सत्ता सुधार ■ गुना

हनुमान जयंती पर कर्नलगंज इलाके में हुए विवाद और सांप्रदायिक तनाव के बाद जिले के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा को गुना से स्थानान्तरण कर दिया गया है। देर रात जारी आदेश में उन्हें भोपाल पुलिस मुख्यालय अटैच करते हुए सहायक पुलिस महानिरीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। उनकी जगह अब 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी अंकित सोनी को गुना का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वे इससे पहले इंदौर में नगरीय पुलिस में उपायुक्त (आसूचना एवं सुरक्षा) के पद पर पदस्थ थे।

सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के जुलूस के दौरान भड़की सांप्रदायिक हिंसा की पृष्ठभूमि में हुई है। कर्नलगंज में मस्जिद के सामने से डीजे के साथ जुलूस निकलने पर दो समुदायों के बीच विवाद हुआ, जो पत्थरबाजी तक जा पहुंचा। इस घटना में भाजपा पार्षद गब्बर कुशवाह के 11 वर्षीय बेटे सहित कई लोग घायल हुए थे। घटना के बाद एसपी संजीव कुमार सिन्हा ने बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि सीसीटीवी फुटेज में पत्थरबाजी नहीं दिखी और जुलूस बिना अनुमति के निकाला गया था। साथ ही उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थल के पास रुककर नारेबाजी की गई, जिससे दोनों पक्षों में तनाव उत्पन्न हुआ। सिन्हा के इस बयान से हिंदूवादी संगठनों में नाराजगी फैल गई थी।

इस घटना के बाद दो प्रमुख वजहों को उनका तबादला होने के पीछे माना जा रहा है। पहली, घटना के तत्काल बाद उनका विवादास्पद बयान, जिससे एक पक्ष विशेष की नाराजगी उभरी। दूसरी, घटना के दो दिन बाद कोतवाली पुलिस ने एएसआई महेश लकड़ा की शिकायत पर भाजपा पार्षद ओमप्रकाश कुशवाह सहित 4 नामजद और 15 20 अन्य पर एफआईआर दर्ज की थी। इसमें हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं पर भी पत्थरबाजी का आरोप लगाया गया था, जिसकी रिपोर्ट प्रदेश संगठन तक पहुंची।

गौरतलब है कि हनुमान जयंती के दिन मस्जिद से कथित पथराव के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। बावजूद इसके, एसपी सिन्हा ने सार्वजनिक रूप से पत्थरबाजी न होने की बात कही थी, जिससे वे संगठन के निशाने पर आ गए। अब जिले की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी आईपीएस अंकित सोनी को सौंपी गई है। उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे जिले में साम्प्रदायिक सौहार्द के साथ-साथ पुलिस की छवि को पुनः मजबूत करेंगे।

### युवा संगम अन्तर्गत आयोजित जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन 23 अप्रैल को

**गुना।** मध्यप्रदेश शासन सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग एवं कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निर्देशन एवं कलेक्टर किशोर कन्याल के मार्गदर्शन में प्रत्येक माह युवा संगम अन्तर्गत रोजगार एवं स्वरोजगार मेलों का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। जिला रोजगार अधिकारी बी.एस. मीना ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग/राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग एवं कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के समन्वय से मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अन्तर्गत जिला स्तर पर 23 अप्रैल 25 को जिला पंचायत विश्राम गृह गुना में प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रदेश की विभिन्न कंपनियां चेकमेट सिक्योरिटी सर्विस गुजरात, एमआरएफ टायर, यशस्वी ग्रुप, एम.एस. सोलुशन, किरमनी इंस्टिट्यूट कम्पनी, स्किल विज़न, गोल्डन फार्मर आर्गेनिक लिमिटेड, यजाकी इंडिया, हार्लिक ग्लोबल सॉल्यूशन, स्टार मैनेजमेंट, सोनाटा फाइनेंस, एवं सी.ए.आई.टी एड्यूसिस द्वारा मेला स्थल पर साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जावेगा। ऐसे आवेदक जिनकी योग्यता 8वीं /10वीं /12वीं/स्नातक एवं आईटीआई हैं और 18 से 35 वर्ष की आयु है, वह जिला स्तरीय रोजगार मेला में भाग ले सकते हैं। जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेले के दौरान विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं से संबंधित विभाग द्वारा अलग अलग स्वरोजगार योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जायेगा।

### पिपरोदा खुर्द में अवैध शराब के विरुद्ध फूटा जनाक्रोश, पुलिस से कार्रवाई की मांग

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर से सटे पिपरोदा खुर्द क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री और सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन की बढ़ती घटनाओं से परेशान स्थानीय निवासियों ने कैंट थाने पहुंचकर पुलिस को ज्ञापन सौंपा। क्षेत्रवासियों ने अवैध शराब व्यापार पर सख्त कार्रवाई और पानी की टंकी के पास हो रहे शराबियों के जमावड़े पर रोक लगाने की मांग की। रहवासियों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कई संदिग्ध व्यक्तियों के नामों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि ये लोग लंबे समय से क्षेत्र में अवैध रूप से शराब की बिक्री कर रहे हैं। इसके कारण मोहल्ले का माहौल पूरी तरह बिगड़ गया है। विरोध करने पर ये लोग गाली-गलौज करते हैं और मारपीट की नौबत तक आ जाती है, जिससे आमजन भय और असुरक्षा के वातावरण में जीने को मजबूर हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में स्थित बड़ी पानी की टंकी के आसपास प्रतिदिन शराबियों की भीड़ लगती है। ये लोग खुलेआम शराब पीते हैं, गाली-गलौज करते हैं और टंकी के आसपास गंदगी फैला देते हैं। यहां तक कि शराब की खाली बोतलें भी पानी की टंकी में फेंकी जाती हैं, जिससे पानी की शुद्धता पर भी खतरा मंडराने लगा है। रहवासियों ने पुलिस से मांग की है कि क्षेत्र में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित की जाए और नियमित गश्त के साथ-साथ अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाए। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं और पुरुष थाने पर उपस्थित रहे, जिन्होंने एक सुर में कहा कि अब वे इस स्थिति को और बर्दाश्त नहीं करेंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं की गई तो वे उग्र आंदोलन की राह पकड़ने को विवश होंगे। फिलहाल पुलिस ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

## गुना में शौचालय पर अनुराग कश्यप के पोस्टर चस्पा कर ब्राह्मण समाज ने जताया विरोध

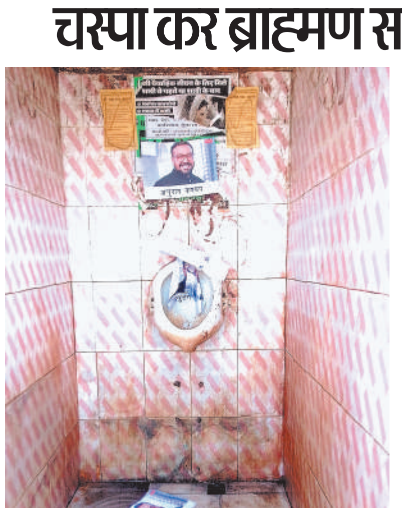

सत्ता सुधार ■ गुना

फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप के हालिया बयान से आक्रोशित ब्राह्मण समाज के लोगों ने रविवार को अनोखे तरीके से विरोध जताया। शहर में समाज के युवाओं ने विभिन्न सार्वजनिक शौचालयों की दीवारों पर अनुराग कश्यप के पोस्टर चस्पा कर अपना आक्रोश जाहिर किया। इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से उन्होंने फिल्म निर्माता द्वारा ब्राह्मण समाज को लेकर दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान की निंदा की।

ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि अनुराग कश्यप ने अपने वक्तव्यों में ब्राह्मणों के प्रति जिस प्रकार की मानसिकता दिखाई है, वह न केवल समाज विशेष का अपमान है, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी आघात पहुंचाने वाला है। समाज के लोगों ने चेतावनी दी कि यदि फिल्म निर्माता ने सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी, तो उनका विरोध और अधिक व्यापक और तीव्र रूप ले सकता है। इस दौरान विरोध प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने कहा कि फिल्म जगत में बैठे कुछ लोगों द्वारा बार-बार सनातन संस्कृति और ब्राह्मण समाज को निशाना बनाया जा रहा है, जिसे अब सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने अनुराग कश्यप की फिल्मों के बहिष्कार की भी मांग की और आम जनता से अपील की कि वे ऐसे लोगों की फिल्मों को न देखें, जो समाज में जहर घोलने का काम कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाए और ऐसे बयानों पर रोक लगाने के लिए उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि समाज का अपमान किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसा विरोध जारी रहेगा जब तक अनुराग कश्यप अपने बयान को लेकर माफी नहीं मांगते।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर शहर में चर्चा का माहौल है और लोग इसे ब्राह्मण समाज के आत्मसम्मान से जुड़ा मुद्दा बता रहे हैं। विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, लेकिन इसके माध्यम से समाज ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब किसी भी प्रकार के अपमान को चुपचाप नहीं सहा जाएगा।

### जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर पालिका टीम ने किया श्रमदान

**गुना।** जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रविवार को नगर पालिका परिषद गुना द्वारा हनुमान टेकरी स्थित जल स्त्रोत की सफाई हेतु श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम नपाध्यक्ष सविता अरविन्द गुप्ता एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी तेजसिंह यादव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। श्रमदान के दौरान जल स्त्रोत के आसपास जमा कचरे को हटाया गया, जलाशय की सफाई की गई एवं डिवाइडर क्षेत्र को भी स्वच्छ किया गया। अभियान का उद्देश्य न केवल जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखना था, बल्कि नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना भी था। इस श्रमदान कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी तेजसिंह यादव के साथ नगर पालिका अधिकारीगण अमित आर्य, बंटी खरे, शकील खान, सतीश धौलपुरिया सहित नगर पालिका कर्मचारी एवं सफाई सहयोगी संस्था सिद्धिविनायक वेस्ट मैनेजमेंट एंड सर्विसेस की टीम ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम में सभी ने मिलकर जल स्त्रोत की स्वच्छता सुनिश्चित करते हुए यह संदेश दिया कि जल संरक्षण एवं सफाई केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। टीम द्वारा नागरिकों को स्वच्छता बनाये रखने व प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु प्रेरित भी किया गया।

## फतेहगढ़ में 40 जोड़ों के साथ लोधी समाज का भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के फतेहगढ़ क्षेत्र स्थित ग्राम मामला में लोधी छत्रीय राजपूत समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में इस बार 40 नवयुगल परिणय सूत्र में बंधे। यह सम्मेलन समाज के भीतर सामाजिक समरसता और सहयोग की मिसाल बनकर सामने आया है, जहां न केवल स्थानीय क्षेत्र बल्कि राजस्थान जैसे दूरदराज से भी युगल इस आयोजन का हिस्सा बनने पहुंचे। समारोह की शुरुआत पारंपरिक तरीके से कलश यात्रा के साथ हुई, जो पूरे गांव में भव्यता के साथ निकाली गई। इसके बाद दोनों पक्षों के मध्य बढ़बेवड़ा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जो भारतीय विवाह परंपरा का अहम अंग माना जाता है।

कार्यक्रम संयोजकों के अनुसार, विवाह की सभी रस्में पूरी तरह सनातन विधि से संपन्न कराई जाएंगी। शनिवार शाम 6 बजे से मंडप सजाए गए। जिसमें तोरण व गनना जैसे पारंपरिक कार्यक्रमों के साथ वरमाला का आयोजन किया गया। इसके बाद रातभर विवाह की विधियां संपन्न हुई। जिनमें अग्नि के समक्ष सात फेरे लेकर युगल जीवनभर के बंधन में बंधे। विदाई की रस्म रविवार सुबह 5 बजे तक चली। इस दौरान आयोजन समिति की ओर से सभी नवदंपतियों को गृहस्थ जीवन में उपयोगी सामग्री भेंट स्वरूप दी गई। जिनमें बिस्तर, बर्तन, किचन सेट, पंखा व अन्य जरूरी वस्तुएं शामिल हैं। समिति द्वारा नवविवाहित जोड़ों को सुखद भविष्य की शुभकामनाओं के साथ भावभीनी विदाई दी। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज के सैकड़ों सदस्य न केवल शामिल हुए, बल्कि व्यवस्थाओं में सक्रिय योगदान भी दिया। कार्यक्रम को लेकर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा।

### सोमवार को यहां रहेगी बिजली गुल

गुना। मेंटीनेंस के चलते सोमवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में बिजली गुल रहेगी। सहायक प्रबंधक, (शहर) विद्युत वितरण कंपनी लिमि. द्वारा दी गई जानकारी अनुसार 33/11 केव्ही पावर हाउस सबस्टेशन से निकलने वाली 11 केव्ही नजूल फीडर की सप्लाई मेंटीनेंस कार्य के चलते 21 अप्रैल 25 को प्रातः 09:30 बजे से दोपहर 02:30 बजे तक मटकरी कालोनी, मथुरा नगर, भार्गव कालोनी, फॉरेस्ट कालोनी, नजूल कालोनी, सरस्वती विहार कालोनी, गुरूनानक कालोनी, प्रेमी कालोनी, जीन घर वाले क्षेत्रों का विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा। उक्त विद्युत कटौती के समय को आवश्यकतानुसार घटाया अथवा बढ़ाया भी जा सकता है।

आयोजित 60 प्रतिभागियों ने पाया राज्य पुरस्कार परीक्षा का प्रवेश

# तीसरे सोपान स्काउट गाइड शिविर का भव्य समापन

सत्ता सुधार ■ गुना

संभागीय मुख्यालय के वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित 5 दिवसीय तृतीय सोपान स्काउट-गाइड जांच शिविर का समापन सर्वधर्म प्रार्थना और ध्वज अवतरण के साथ हुआ। यह शिविर जिला संघ पदेन अध्यक्ष कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, मुख्य आयुक्त आलोक जैन और जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला कमिश्नर चंद्रशेखर सिसोदिया के मार्गदर्शन में संचालित हुआ। शिविर का संचालन प्रताप नारायण मिश्रा द्वारा किया गया। जिसमें 60 स्काउट-गाइड ने भाग लेकर तृतीय सोपान तक की पाठ्यक्रमीय परीक्षा दी और राज्य पुरस्कार जांच हेतु पात्रता प्राप्त की। शिविर का मुख्य आकर्षण 18 अप्रैल को आयोजित ग्रांड कैंप फायर रहा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.

अमल कुमार चक्रवर्ती उपस्थित रहे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा विभाग के असिस्टेंट डायरेक्टर राजेश गोयल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सतीश चतुर्वेदी एवं हरिदा शर्मा मंचासीन रहे।

ग्रांड कैंप फायर कार्यक्रम में स्काउट-गाइड सदस्यों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जो उपस्थितजनों द्वारा खूब सराही गईं। इस कार्यक्रम का संचालन डीओसी जितेन्द्र ब्रह्मभट्ट ने किया और आभार प्रदर्शन श्रीमती राखी नामदेव द्वारा व्यक्त किया गया। शिविर में शामिल स्काउट-गाइड ने विभिन्न विषयों की जांच परीक्षा दी जिनमें नियम, प्रतिज्ञा, ध्वज शिष्टाचार, पायनियरिंग, प्राथमिक चिकित्सा, टेंट ले-आउट, दक्षता बैज, बी.पी. सिक्स और अन्य आवश्यक स्काउटिंग गतिविधियाँ शामिल रहीं। इन परीक्षाओं में सफल प्रतिभागी आगामी 9 माह पश्चात राज्य पुरस्कार जांच हेतु आवेदन करने के पात्र बन जाएंगे। शिविर की सफलता में कई सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिनमें मुकेश कुशवाह, नरेंद्र पीपल, जितेन्द्र ब्रह्मभट्ट, अरुणा शुक्ला, नाहिदा खान, राखी नामदेव, विजय पंचोली, लक्ष्मी नारायण साहू, नीतेश जैन, सुरेन्द्र शर्मा, रामकृष्ण रघुवंशी, आदर्श कुमार प्रजापति, साजिया खान, विष्णु यादव, सौरभ बैरागी, यशपाल एवं हेमंत शर्मा प्रमुख रूप से शामिल रहे। यह शिविर न सिर्फ स्काउटिंग कौशल को परखने का माध्यम बना, बल्कि प्रतिभागियों को आत्मनिर्भरता, सेवा-भाव और अनुशासन की भावना से भी सराबोर कर गया। ऐसे आयोजन जिले में युवाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहे हैं।

दिव्य शक्ति एक्यूप्रेशर संस्थान के शुभारंभ पर बोले महासंघ अध्यक्ष

# आत्मविश्वास ही सबसे बड़ा साहस है : राजेश अग्रवाल

सत्ता सुधार ■ गुना

स्थानीय बोहरा कॉम्प्लेक्स स्थित प्रथम तल पर रविवार को दिव्य शक्ति एक्यूप्रेशर केंद्र का शुभारंभ व्यापार एवं उद्योग महासंघ के जिला अध्यक्ष एवं कैट के प्रदेश सचिव राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। संस्थान के संचालक अभिषेक तिवारी, जो 2007 से चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत हैं, ने वर्ष 2018 में डेजी सेल्स के नाम से दवा व्यवसाय प्रारंभ किया था। लेकिन वर्ष 2023 में हुए शॉर्ट सर्किट के कारण उनके संस्थान में भीषण आग लग गई, जिससे वे मानसिक व आर्थिक रूप से बुरी तरह प्रभावित हुए। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और पुनः व्यवसाय शुरू किया।

इस दौरान उनके मन में बिना दवाओं के गंभीर बीमारियों के इलाज का विचार जन्मा, जिसके बाद उन्होंने एक्यूप्रेशर जैसी प्राचीन पद्धति और अत्याधुनिक एआई तकनीक से युक्त उपकरणों की मदद

से नया संस्थान प्रारंभ किया।

शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल ने कहा आपका आत्मविश्वास तारीफ के काबिल है। आगजनी जैसी भीषण घटना के बाद भी आपने जिस जज्बे से वापसी की और मानव सेवा को अपना लक्ष्य बनाया, वह न केवल प्रेरणादायक है बल्कि समाज के लिए अनुकरणीय भी है। आत्मविश्वास ही सबसे बड़ा साहस है। विशिष्ट अतिथि महासंघ सचिव प्रधुम्न जैन सहित मनीष भार्गव, नीरज अग्रवाल, राकेश शर्मा, भरत पालीवाल, गौरव जैन व राजीव रघुवंशी सहित अन्य अतिथियों का संस्थान द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

# बादाम खाने के फायदे ही नहीं बल्कि नुकसान भी हैं

**आपमें से ज्यादातर लोग सर्दी के दिनों में भीगे बादाम का सेवन करते हैं। लेकिन बादाम का सेवन आखिर भिगोकर ही क्यों किया जाता है, सूखे बादाम क्यों नहीं? अगर आप नहीं जानते इसका जवाब, तो चलिए हम बता देते हैं।**

दरअसल छिलके सहित बादाम खाना उतना फायदेमंद नहीं होता, जितना बगैर छिलके वाले बादाम खाने से होता है। इसका प्रमुख कारण है छिलकों का आपके पोषण में रूकावट पैदा करना। जी हां, बादाम के छिलके में टैनीन नाम का एक तत्व मौजूद होता है जो कि इन पोषत तत्वों के अवशोषण को रोक लेता है।

अगर आप सूखे बादाम का सेवन करते हैं, तो छिलकों को निकालना संभव नहीं होता, जबकि बादाम को पानी में भिगो देने पर इससे छिलका आसानी से निकल जाता है। ऐसे में आपको बादाम का पूरा पोषण मिल पाता है, जो छिलकों के रहते नहीं मिल पाता। यही कारण है कि कच्चे यानी सूखे बादाम की जगह भीगे हुए बादाम खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

## बादाम के फायदे

- भीगे बादाम खाने से पाचन क्रिया भी संतुलित रहती है।
- इनमें भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होता है, जो बढ़ती उम्र को कंट्रोल करता है।
- बादाम से ब्लड में अल्फाल टोकोफेरॉल की मात्रा बढ़ती है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है।
- भीगे बादाम से गुड कॉलेस्ट्रॉल बढ़ता है और बैड कॉलेस्ट्रॉल कम होता है।
- इसमें भरपूर फॉलिक एसिड होता है, जो प्रेगनेंसी में शिशु के मस्तिष्क और न्यूरोलॉजिकल सिस्टम के विकास में सहायक होता है।

## किन लोगों को नहीं खाने चाहिए बादाम

ऊपर आलेख में जाना कि बादाम खाने के कई फायदे होते है। सही भी है लेकिन सभी लोगों के लिए नहीं। जी हां, ऐसे भी कुछ लोग हैं जिनके लिए बादाम का सेवन करना उनकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। आइए, जानते हैं ऐसे लोगों के बारे में जिन्हें बादाम खाने को अवॉइड करना चाहिए –

- हाई ब्लड प्रेशर के पेशेंट्स को बादाम के सेवन से बचना चाहिए क्योंकि इन लोगों को नियमित ब्लड प्रेशर की दवाइयां लेनी रहती हैं। इन दवाओं से साथ बादाम खाने से सेहत को नुकसान हो सकता है।
- जिन लोगों कि किडनी में पथरी या गॉल ब्लेडर संबंधी परेशानी हो, तो ऐसे में उन्हें भी बादाम नहीं खानी चाहिए।
- अगर किसी को पाचन संबंधी परेशानी है, तो उन्हें भी बादाम खाने से बचना चाहिए, क्योंकि इनमें फाइबर बहुत अधिक मात्रा में होता है जो आपकी परेशानी को और बढ़ा सकता है।
- अगर कोई व्यक्ति एंटीबायोटिक मेडिसन ले रहा हो, उस दौरान उसे भी बादाम खाना बंद कर देना चाहिए। बादाम में ज्यादा मात्रा में मैग्नीशियम होता है, जिसके सेवन से शरीर में दवाइयों का जो असर होना चाहिए, वह प्रभावित हो सकता है।
- जो लोग मोटापे से परेशान हैं, उन्हें भी बादाम का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसमें कैलोरी और वसा बहुत अधिक मात्रा में होती है, जो वजन बढ़ाने का काम करता है।
- यदि किसी को एसिडिटी की शिकायत रहती हो, तो उन्हें भी बादाम नहीं खाना चाहिए।

# क्या उबालने पर खत्म हो जाते हैं दूध के पोषक तत्व

हमारे दादा-दादी हमेशा से बच्चों को दूध पीने की सलाह देते रहे हैं क्योंकि यह बहुत पोष्टिक और ताकतवर होता है। लेकिन समय के साथ दूध को लेकर तो धारणाएं हैं वो बदलती रही है। कुछ लोग ठंडा दूध पीना चाहते हैं तो कुछ उबालकर पीना पसंद करते हैं। कुछ ऐसे भी हैं जो मानते हैं कि दूध को बार-बार उबालने से उसके पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। आइए जानते हैं क्या है हकीकत।

ज्यादातर लोग मानते हैं कि दूध ही कैल्शियम का एकमात्र विकल्प है। यह पूरी तरह से सच नहीं हैं। दो चम्मच चिया सीड्स में दूध से 6 गुना अधिक कैल्शियम होता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन के मुताबिक, 100 एमएल दूध में 125 मिग्रा.कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम रागी में 344 मिग्रा कैल्शियम होता है। एक्सपर्ट कहते हैं, शरीर में कैल्शियम को एब्जॉर्ब होने के लिए विटामिन-डी भी पर्याप्त मात्रा में होना जरूरी है। दूध को खराब होने से बचाने के लिए उबाला जाता है। हालांकि इसे उबालने से इसके पोषक तत्वों पर असर नहीं पड़ता। आहार विशेषज्ञ मानते हैं कि दूध को कई बार उबालने से भी इसके पोषक तत्व नहीं खत्म होते। आहार विशेषज्ञों के मुताबिक, दूध सुबह ले सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें इसे खाली पेट न लें। ऐसा करने से पाचन बिगड़ सकता है। गैस बन सकती है। आयुर्वेद कहता है, अगर आपको वात और कफ दोष है तो सुबह खाली पेट दूध न लें। जिन्हें अक्सर खांसी की शिकायत रहती है, उन्हें भी सुबह खाली पेट दूध लेने से बचना चाहिए। दूध को पोषक तत्वों के आधार पर कम्प्लीट फूड कहते हैं, लेकिन इसे भोजन का विकल्प नहीं बनाया जा सकता है। शरीर को विटामिन-सी, फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की जरूरत होती है जो दूध में नहीं होते। इसलिए इसे लंच या डिनर से रिप्लेस नही किया जाना चाहिए।

# कैसे तैयार करें जीरा-धनिया-सौंफ का पानी

लॉकडाउन के कारण कई लोग वजन बढ़ने जैसी समस्या से परेशान हैं। यदि आपकी भी यही शिकायत है और आप अपने आकार में अपने शेप में वापस आने की कोशिश कर रहे हैं तो यह लेख सिर्फ आपके लिए हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भोजन स्वस्थ जीवनशैली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए हम आपको अपने इस लेख में बता रहे हैं एक ऐसे डिटॉक्स ड्रिंक के बारे में जिसके सेवन से यह आपके लिए स्वस्थ और फिट रहने में कारगर साबित होगा। यह ड्रिंक है जीरा, धनिया और सौंफ से तैयार डिटॉक्स ड्रिंक जिसके सेवन से यह शरीर से विषाक्त पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करता है, साथ ही त्वचा को कोमल और स्वस्थ चमकदार बनाने में भी सहायक है, आइए जानते हैं।

## वजन घटाने और चमकती त्वचा के लिए जीरा

यह भारतीय मसाला अपने विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। जीरा पाचन संबधी समस्या को खत्म करता है और पाचन तंत्र मजबूत करता है। साथ ही वजन कम करने में भी यह बहुत काम आता है। गर्मियों के समय पाचन संबधी समस्या आम हो जाती है, वहीं जीरा उन सभी समस्याओं से निजात दिलाने में मदद कर सकता है। यह पोटेशियम, कैल्शियम व कॉपर जैसे पोषक तत्वों से भी समृद्ध है, जो आपकी त्वचा को कोमल रखने में मदद कर सकता है।

## वजन घटाने और चमकदार त्वचा के लिए धनिया

धनिया विभिन्न प्रकार के खनिजों और विटामिनों का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर के अतिरिक्त वजन को कम करने में मदद करता है। धनिये के बीजों में एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा संबंधी कई समस्याओं के इलाज के लिए प्रभावी हो सकते हैं। इसलिए धनिये का सेवन गर्मियों के दौरान महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि गर्मी और पसीने के कारण त्वचा पर अतिरिक्त तेल त्वचा की विभिन्न समस्याओं को जन्म देता है।

## वजन घटाने और चमकती त्वचा के लिए सौंफ

गर्मियों के मौसम में मुंहासे त्वचा से जुड़ी एक आम समस्या है और सौंफ को त्वचा को ठंडा करने के लिए जाना जाता है। इसमें जस्ता, कैल्शियम और सेलेनियम जैसे गुण होते हैं, जो शरीर में हार्मोन और ऑक्सीजन के स्तर को संतुलित करने के लिए अच्छे होते हैं, जो त्वचा पर एक स्वस्थ चमक लाते हैं। साथ ही इससे वजन कम होता है।

## कैसे तैयार करें जीरा-धनिया-सौंफ का पानी?

आधा चम्मच जीरा, धनिया और सौंफ को 1 गिलास पानी में रातभर भिगो दें। अगली सुबह इस पानी को अच्छी तरह उबाल लें और पानी छान लें। काला नमक, शहद और आधा नींबू का रस इसमें मिला लें।

- इस डिटॉक्स ड्रिंक से जहां आपको मिलेगी ग्लोइंग स्किन वहीं होगा आपका कई किलो वजन कम।
- यह आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर मसालों का पानी है। जो शरीर में कई तरह की कमी को पूरा करके मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है।
- यह डिटॉक्स ड्रिंक स्किन को चमकदार और साफ भी रखता है।
- पाचन शक्ति बढ़ाने के लिए भी अच्छा है। जिंक, कैल्शियम, सेलेनियम जैसे कई न्यूट्रिएंट्स हैं इनमें होने के कारण हार्मोन्स को बैलेंस रखने में भी मदद करता हैं।

# इस आयुर्वेदिक चाय से मजबूत होगा इम्यून सिस्टम

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी। चलिए जानते हैं इस चाय को बनाने के लिए जरूरी सामग्री और चाय बनाने की सही विधि –

**सामग्री** : तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

विधि : सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है।

दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

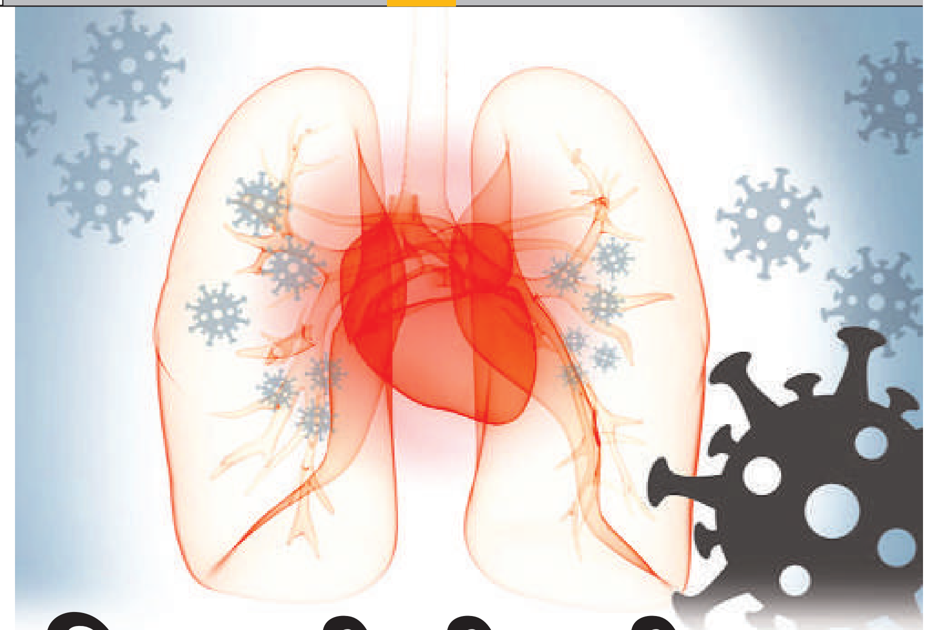

# दिल की बीमारी का इलाज नहीं होने से मौत का खतरा 5 गुना ज्यादा

अस्पताल में भर्ती हुए कोविड मरीज अक्सर दिल की बीमारियों को नजरअंदाज कर देते हैं। एक ताजा रिसर्च से पता चला है कि दिल की बीमारी का इलाज नहीं होने से कोविड रोगियों के मरने की संभावना लगभग पांच गुना अधिक हो जाती है। अध्ययन में कोविड रोगियों को पहले चरण के इजेक्शन अंश के साथ दिखाया गया है। इसके तहत बाएं वेंट्रिकुलर इजेक्शन अंश का एक माप जब तक कि अधिकतम वेंट्रिकुलर संकुचन का समय 25 प्रतिशत से कम हो, तो मरीज की मौत की आशंका पांच गुना अधिक बढ़ जाती है। टीम ने यह भी पाया कि समान जोखिम वाले कारकों के समान अनुपात वाले, जिनके पास कोविड नहीं था, उनमें प्रथम-चरण अस्वीकृति अंश के निम्न मान थे। यह पता चलता है कि दिल को नुकसान पुरानी पूर्व-मौजूदा स्थितियों के कारण हो सकता है। इसे कोविड संक्रमण का परिणाम नहीं माना जा सकता है। ये दावा शोधकताओं ने किया है। लंदन में सेंट थॉमस अस्पताल में कार्डियोवस्कुलर क्लिनिकल फामार्कोलॉजी के प्रोफेसर फिल चिवेंस्की ने कहा, परंपरागत रूप से, हृदय का कार्य इजेक्शन अंश द्वारा मापा जाता है, या हृदय के प्रत्येक संकुचन के साथ बाएं वेंट्रिकल पंप से कितना रक्त निकलता है। उन्होंने कहा, प्रथम चरण का इजेक्शन अंश, दिल के कार्य का एक नया माप है, जो पारंपरिक इजेक्शन अंश उपायों की तुलना में दिल के शुरूआती, अनिर्धारित क्षति के प्रति अधिक संवेदनशील लगता है। इस रिसर्च के नतीजे पत्रिका हाइपरटेंशन में प्रकाशित हुए हैं। कार्डियोवस्कुलर रिस्क फैक्टर और बीमारी को कोविड जोखिम कारकों के रूप में मान्यता दी गई है जो कि सार्स-कोव-2 महामारी के शुरूआती दिनों में रोगी के परिणामों पर उच्च नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। शोधकताओं ने परिकल्पना की है कि हृदय की विफलता की पूवार्नुभूति अस्पताल में भर्ती मरीजों में कोविड के अधिक गंभीर मामलों से जुड़ी होगी। इस मामले में रिसर्च करने वाली टीम ने चीन के वुहान में 129 हॉस्पिटलाइज्ड कोविड रोगियों और दक्षिण लंदन में 251 हॉस्पिटलाइज्ड कोविड रोगियों के लिए फरवरी और मई 2020 के बीच मृत्यु दर का विश्लेषण किया है। प्रोफेसर फिल चिवेंस्की ने कहा निष्कर्ष बताते हैं कि अगर हम पहले चरण के इजेक्शन अंश इमेजिंग का उपयोग करके पता लगाए गए हृदय को होने वाली बहुत पुरानी क्षति को रोक सकते हैं, तो लोगों को कोविड जैसे श्वसन संक्रमण से बचने की अधिक संभावना होगी। इसके अलावा स्वस्थ जीवन शैली विकल्प, बेहतर उपचार, उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल के उपचार भी महत्वपूर्ण हैं।''

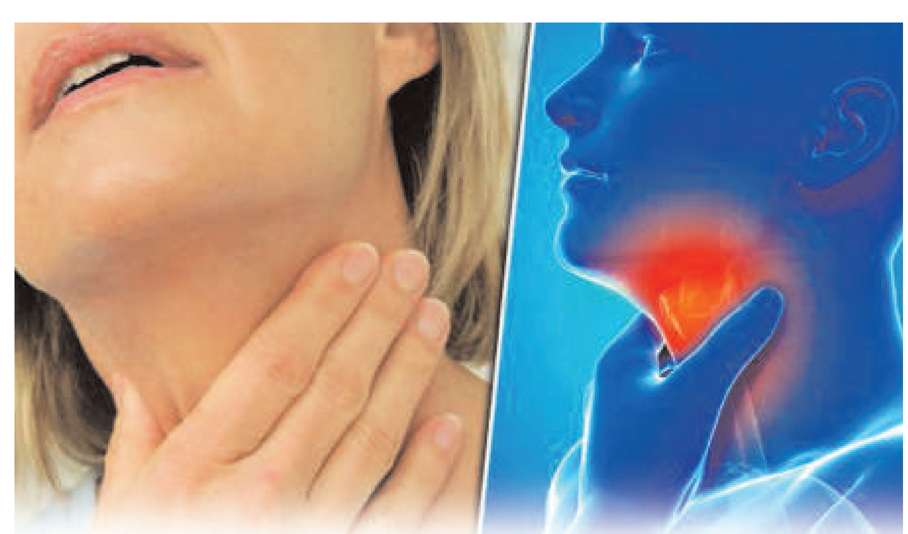

# गले की खराश से न घबराएं, ये तरीके आजमाएं

**गले में खराश होने पर किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। बार - बार खराश आती है। कई बार आस-पास मौजूद लोग भी परेशान हो जाते हैं। जब खराश बहुत अधिक बढ़ जाती है तब हम सीधे ऐलोपैथिक दवा लेने के बारे में सोचते हैं। लेकिन घर में मौजूद कई सारी चीजें है जिनके सेवन से आप घर पर आसानी से खराश से छुटकारा पा सकते हैं। तो जानते हैं घर पर कैसे आसानी से गले में हो रहे खराश को दूर भगाएं -**

## नमक पानी की गरारे

जी हां, आपको हर थोड़े – थोड़े दिन में कफ हो जाता है तो आप पानी में नमक डालकर उसे गर्म कर लीजिए। और तीन वक्त गर्म पानी के गरारे करें। आपको 2 दिन में ही आराम मिलने लगेगा। साथ इसके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है। आप रोज भी कर सकते हैं। कफ खत्म होने के साथ ही आवाज भी खुलती है और साफ भी होती है। शोध में भी इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि नमक के पानी के गरारे करने से गले की सूजन और दर्द में भी आराम मिलता है। डॉक्टर भी नमक के पानी के गरारे करने की सलाह देते हैं।

## सोना सुहागी

जी हां, यह आपको किचन में आराम से मिल जाएगी। सोना सुहागी को रात में दूध से लिया जाता है। इससे आपको एक दिन में ही आराम मिल जाएगा। सोना सुहागी सफेद रंग की होती है उसे तवे पर धीमी आंच पर रखा जाता है, वह धीरे – धीरे फूलने लगती है। इसके बाद गैस बंद कर दीजिए। और दूध के साथ लेकर सो जाएं। इसे लेने के बाद आप पानी या अन्य चीज कुछ भी खाएं पिएं नहीं। आपको अगले दिन सुबह ही आराम मिल जाएगा।

## शहद और काली मिर्च

रसोई घर पर हर दर्द की दवा है। रात को सोने से पहले आप एक चम्मच में शहद लें और काली मिर्च को उसमें मिक्स कर दें। वह एक चम्मच आप पूरा खा लीजिए। इसके बाद किसी भी चीज का सेवन नहीं करें, पानी का भी नहीं। अगले दिन सुबह आपको आराम मिल जाएगा।

## अदरक

अदरक में एंटी बैक्टीरियल तत्व मौजूद होते हैं। एक कप पानी में अदरक को डालकर उबाल लें। इसे गुनगुना होने के बाद इसमें शहद मिलाएं और दिन में दो बार पिएं। इसके सेवन से आपके गले का कफ दूर होगा और दर्द में भी आराम मिलेगा।

## मसाला चाय

जी हां, चाय के सेवन से भी काफी राहत मिलती है। चाय में आप लौंग, तुलसी, अदरक, काली मिर्च डालकर उबाल लें। इसके बाद पानी में शक्कर और चाय की पत्ती डालकर उबालें और फिर छानकर पिएं। इसके सेवन से आपको कफ में भी राहत मिलेगी और गले के दर्द में भी आराम मिलेगा।

## अमृतधारा

यह भीमसेनी कपूर,पिपरमिंट और अजवाइन के सत से बनती है और खराश में इसे गले पर लगाने और बूंद भर सेवन करने से आश्चर्यजनक फायदा करती है.

# बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर

बॉलीवुड में एक नई जोड़ी दर्शकों के सामने आने को तैयार है। करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगे। 'राजी' और 'तालवर' जैसी यादगार फिल्में देने वाली मेघना अब जंगली पिक्चर्स के साथ तीसरी बार फिल्म बनाने जा रही हैं। 'दायरा' एक क्राइम ड्रामा है। फिल्म के एलान के बाद फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है। करीना कपूर ने किया नई फिल्म का एलान करीना ने इस फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर बड़े उत्साह के साथ की। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा निर्देशक के निर्देश पर काम करने वाली अभिनेत्री रही हूं। इस बार मेघना गुलजार जैसे शानदार निर्देशक के साथ काम करना मेरे लिए खास है। पृथ्वीराज के अभिनय की मैं कायल हूं। उनके साथ यह सफर और रोमांचक होगा। 'दायरा' मेरी ड्रीम टीम का प्रोजेक्ट है। 'दायरा' की कहानी मेघना गुलजार, यश केसवानी और सीमा अग्रवाल ने मिलकर लिखी है। फिल्म अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी स्टारकास्ट और मेघना का नाम पहले ही इसे चर्चा में ला चुका है। करीना का बेबाक अंदाज और पृथ्वीराज की गंभीर अदाकारी इस फिल्म को खास बनाने का दम रखती है। मेघना की फिल्में हमेशा दिल को छूती हैं और फैंस को 'दायरा' से भी ऐसी ही उम्मीद है।

### सिंघम अगेन में दिखी थीं करीना

करीना कपूर को पर्दे पर आखिरी बार सिंघम रिटर्न्स में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन समेत कई बड़े सितारे नजर आए थे। हालांकि, रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

# 'द फैमिली मैन' के नए सीजन को लेकर प्रियामणि ने दिया अपडेट

चाहें एक इंटेलिजेंस ऑफिसर की पत्नी का किरदार हो, चाहें पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी का। अभिनेत्री प्रियामणि हर किरदार में पूरी तरह से उतर जाती हैं और उसे अच्छे से निभाती हैं। प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी के रूप में राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार के लिए काफी प्रशंसा भी मिली। साथ ही आईफा 2025 में भी प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में अपने दमदार किरदार के लिए सहायक अभिनेत्री की कैटेगरी में नॉमिनेशन भी मिला। इस मौके पर प्रियामणि ने अमर उजाला से खास बातचीत में 'आर्टिकल 370' के अपने किरदार और 'द फैमिली मैन सीजन 3' के बारे में बात की।

बातचीत में प्रियामणि ने आईफा में नॉमिनेशन मिलने और 'आर्टिकल 370' के अपने राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार को मिली प्रशंसा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म के लिए आईफा में नॉमिनेशन मिलना काफी उत्साहित करने वाला है। इंडस्ट्री से लेकर आम जनता तक हर किसी ने किरदार को पसंद किया और उसकी तारीफ की। इंडस्ट्री में भी लोगों से प्रशंसा मिली। जिस तरह से मैंने किरदार को निभाया, उसे लोगों ने काफी पसंद किया। इंडस्ट्री से इतर कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि मैं वाकई में पीएमओ में काम करने वाली लग रही थी। मैंने इस तरह से किरदार को निभाया।'

### इस बार और भी बेहतर होगा द फैमिली मैन का अगला सीजन

इस दौरान प्रियामणि ने 'द फैमिली मैन' के अगले सीजन के बारे में भी बात की, साथ ही ये भी बताया कि सीजन 3 कब तक आएगा। अभिनेत्री ने कहा, 'द फैमिली मैन का अगला सीजन बहुत ही जल्द आएगा। बस थोड़ा सा इंतजार और करिए।' हालांकि, उन्होंने इसको लेकर ज्यादा कुछ भी बोलने या जानकारी देने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने बस ये ही कहा कि सीरीज का यह सीजन पिछले दो सीजन से भी ज्यादा बेहतरीन और कमाल होने वाला है।

### सुचित्रा तिवारी के किरदार में नजर आई हैं प्रियामणि

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' में प्रियामणि ने उनके किरदार श्रीकांत तिवारी की पत्नी सुचित्रा तिवारी का किरदार निभाया था। सीरीज के पिछले दोनों सीजन में प्रियामणि के काम को काफी पसंद किया गया है। अब फैंस 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

# गोविंदा ही नहीं बिग बी के साथ भी काम कर चुकीं हैं एक्ट्रेस, इन हिंदी फिल्मों में किया काम

राम्या कृष्णन साउथ का जाना माना नाम हैं, लेकिन ये जानकार आपको हैरान होगी कि अभिनेत्री ने कई शानदार हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। बाहुबली के दोनों भाग में शिवगामी देवी के रोल से उन्होंने चारों तरफ खूब वाहवाही प्राप्त की थी। अब राम्या सनी देओल अभिनीत फिल्म जाट में नजर आ रही हैं। जानिए अभिनेत्री की हिंदी फिल्मों के बारे में।

### क्रिमिनल

नागार्जुन अक्किनेनी, मनीषा कोइराला और राम्या कृष्णन अभिनीत फिल्म क्रीमिनल का निर्देशन महेश भट्ट के द्वारा किया गया था। इस फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया था। तुम मिले दिख खिले जैसे गानों ने फिल्म को हिट करा दिया था।

### बनारसी बाबू

डेविड धवन के निर्देशन में बनी फिल्म बनारसी बाबू में राम्या कृष्णन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ अपोजिट रोल में गोविंदा थे। साल 1997 में रिलीज हुई यह कॉमेडी फिल्म हिट रही थी।

### बड़े मियां छोटे मियां

साल 1998 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन डेविड धवन द्वारा किया गया था। फिल्म में कई दिग्गज कलाकार मौजूद थे। इसमें अमिताभ बच्चन के अपोजिट राम्या कृष्णन ने शानदार भूमिका निभाई थी। इन दोनों के अलावा फिल्म में गोविंदा और रवीना टंडन ने भी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने सिनेमाघरों मे औसत प्रदर्शन किया था।

### चाहत

महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म चाहत साल 1996 में रिलीज हुई थी। शाहरुख खान अभिनीत फिल्म में पूजा भट्ट के अलावा राम्या कृष्णन ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। यह एक रोमांटिक- थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में इन कलाकारों के अलावा अनुपम खेर और नसीरुद्दीन शाह ने भी शानदार अभिनय किया था। हालांकि, आपको बताते चलें कि राम्या कृष्णन की ये फिल्म फ्लॉप रही थी।

# सामंथा ने इसलिए ठुकरा दी करोड़ों की डील हिंदी सिनेमा में वापसी के लिए जबर्दस्त तैयारी

**साउथ सिनेमा की सुपरस्टार रहीं सामंथा रुथ प्रभु की साल 2012 में आई पहली हिंदी फिल्म 'एक दीवाना था' के 13 साल बाद उनके एक बड़े बजट की हिंदी फिल्म में लीड हीरोइन के तौर पर बड़े परदे पर उतरने के आसार बनते दिख रहे हैं। इस फिल्म को करने से पहले सामंथा ने अपनी पर्सनल ब्रांडिंग के लिए खास रिसर्च कराई है और माना जा रहा है कि उनकी पर्सनल ब्रांडिंग हिंदी सिनेमा में एक 'केयरिंग' सुपरस्टार के तौर पर आने वाले दिनो में और मजबूत होने वाली है।**

पहले 'फैमिली मैन 2' और फिर 'सिटाडेल- हनी बनी' में हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच खूब पसंद गईं सामंथा की इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं होने वाली है। लेकिन, अगले साल के लिए सामंथा ने एक तो अपनी ही प्रोडक्शन कंपनी की शूटिंग शुरू कर दी है, दूसरी फिल्म उनकी हिंदी सिनेमा के एक ऐसे प्रोडक्शन हाउस की फिल्म बताई जा रही है, जो अरसे से साउथ सिनेमा के सितारों को हिंदी सिनेमा में लॉन्च करने की कोशिश में रहा है। जानकारी के मुताबिक सामंथा को हिंदी सिनेमा में बतौर लीड हीरोइन लांच करने जा रही इस कंपनी ने साउथ के एक बड़े सितारे को लेकर एक द्विभाषी फिल्म कुछ साल पहले बनाई भी, हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतनी सफल नहीं रही। सामंथा के करीबी बताते हैं कि हिंदी पट्टी में बड़े परदे पर उतरने की तैयारी वह बीते तीन-चार साल से करती आ रही हैं और इसी के चलते उन्होंने ऐसे किसी भी ब्रांड का विज्ञापन करने से मना किया जिसके चलते लोगों की सेहत पर खराब असर पड़े। सॉफ्ट ड्रिंक्स से लेकर सौंदर्य क्रीम तक के दर्जनों प्रस्ताव इस दौरान सामंथा को मिलते रहे हैं, लेकिन वह कहती हैं, मैंने अपनी युवावस्था में जो गलतियां कीं, मैं नहीं चाहती कि आज की युवतियां उन्हें दोहराएं। अब जब भी कोई सौंदर्य उत्पाद या सेहत से जुड़ा उत्पाद मेरे पास एंडोर्समेंट के लिए आता है तो सबसे पहले मैं अपने तीन डॉक्टरों के एक पैनल से सलाह लेती हूं। उसके बाद भी किसी ब्रांड के साथ अपना नाम जोड़ने का फैसला लेती हूं। अगर मैं गिनने बैटूं तो सिर्फ बीते एक साल में मैंने 15 बड़े ब्रांड को मना किया। जाहिर है इससे मुझे करोड़ों रुपये का नुकसान भी हुआ, लेकिन मेरा मानना है एक लोकप्रिय सितारे को पैसे से ज्यादा अपने प्रशंसकों की सेहत को अहमियत देनी चाहिए। ज्यादा दिन नहीं हुए सब अभिनेता आर माधवन ने भी इसी तरह करोड़ों रुपये की एक डील एक पान मसाला कंपनी का प्रस्ताव ठुकराकर रद्द कर दी थी। माधवन का बेटा वेदांत अंतर्राष्ट्रीय तैराकी चैंपियन है और अपने बेटे के खेल प्रेम को देखते हुए ही माधवन ने ऐसे किसी भी ब्रांड का प्रमोशन न करने का फैसला किया है जो लोगों की सेहत पर विपरीत असर डाल सकता हो। सामंथा की कोशिश भी अपना पर्सनल ब्रांड माधवन की तरह का ही विकसित करने की है।

# रणबीर कपूर की रामायण में ये अहम किरदार निभाने वाले थे जयदीप

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट से लेकर शूटिंग तक को लेकर लगातार समय-समय पर जानकारियां सामने आ रही हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक और जानकारी सामने आ रही है। जिसमें ऐसा बताया जा रहा है कि 'रामायण' में विभीषण के किरदार के लिए अभिनेता जयदीप अहलावत से भी बात की गई थी और अभिनेता इस किरदार के लिए काफी उत्सुक भी थे, लेकिन फिर बात नहीं बन पाई

### जयदीप अहलावत थे उत्सुक, लेकिन...

रिपोर्ट्स की मानें तो विभीषण के किरदार के लिए जयदीप अहलावत मेकर्स की पहली पसंद थे। मेकर्स ने जयदीप अहलावत से इस किरदार के लिए बातचीत भी की। अभिनेता खुद भी इस माइथोलॉजी फिल्म को करने के लिए काफी उत्सुक थे। हालांकि, डेट्स ने जयदीप अहलावत की इच्छाओं पर पानी फेर दिया। अपने शेड्यूल और डेट्स की कमी के चलते जयदीप अहलावत को इस किरदार को मना करना पड़ा। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि निर्माता उन्हें मुख्य भूमिका के लिए लाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन तारीखें बस मेल नहीं खा रही थीं।

### विजय सेतुपति का नाम भी था चर्चाओं में

हालांकि, विभीषण के रोल के लिए सिर्फ जयदीप अहलावत ही रेस में नहीं थे। पिछले साल ऐसी चर्चाएं भी काफी थीं कि तमिल सुपरस्टार विजय सेतुपति से भी विभीषण के किरदार के लिए बात की गई थी। हालांकि, बाद में वहां भी बात नहीं बन सकी और विजय सेतुपति भी इस किरदार को निभाने से चूक गए।

### रणबीर राम और साई पल्लवी बनेंगी माता सीता

'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए रणबीर कपूर, सीता माता के किरदार के लिए साईं पल्लवी और रावण के किरदार के लिए केजीएफ स्टार यश का नाम फाइनल हो चुका है। जबकि सनी देओल के फिल्म में हनुमान जी का किरदार निभाने की चर्चाएं हैं।

### दो पार्ट में रिलीज होगी फिल्म

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' की फिलहाल शूटिंग चल रही है। फिल्म से अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म दो पार्ट्स में रिलीज होनी है। इसका पहला भाग साल 2026 में जबकि दूसरा भाग 2027 में रिलीज होने की संभावना है।

# एनिमल और मार्को से हिट 3की तुलना किए जाने पर नानी ने तोड़ी चुप्पी

हिट- द थर्ड केस के निर्माताओं ने 14 अप्रैल को ट्रेलर जारी किया, जिसमें अर्जुन सरकार के रूप में नानी को पेश किया गया। फिल्म के डार्क, खूनी और एक्शन सीन्स ने लोगों का ध्यान खींचा, जिसे यूजर्स को अन्य फिल्मों के सीन्स याद आ गए। यूजर्स ने हिट 3के सीन्स की तुलना रणबीर कपूर की एनिमल, उन्नी मुकुंदन की मार्कोऔर किलसे की। हालांकि नानी ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि हिट 3पूरी तरह से अलग जगह से संबंधित है। हैदराबाद में हिट 3के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अन्य फिल्मों से हिट 3की तुलना पर नानी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता कि हिट 3को एनिमल, किलया मार्कोके समान कैटेगरी में रखा जाना चाहिए। यह एक अलग कहानी है, एक बार जब आप पूरी फिल्म देख लेंगे तो सब कुछ इतना स्वाभाविक लगेगा कि हिंसा बाहर नहीं आएगी।

## ब्रीफ न्यूज

### जिला जेल में सिखाया प्राणायाम, सूर्यनमस्कार और श्रीमद्भगवद्गीता पढ़ना

**अशोकनगर।** जिला जेल अशोकनगर में श्री युगल सरकार श्रीमद्भगवद्गीता स्वाध्याय सेवा समिति द्वारा स्वस्थ रहने के लिए सिखाए योग प्राणायामऔर सूर्यनमस्कार के अभ्यास। गीताव्रती रामबली यादव ने जिला जेल के सभी कैदियों को स्वस्थ, प्रसन्न और आनंदित रहने के लिए प्राणायाम व सूर्यनमस्कार के अभ्यास सिखाए और बताया जो व्यक्ति नियमित सूर्य नमस्कार और प्राणायाम करता है उसका शरीर लचीला फुर्तीला रहता है रक्तसंचार ठीक रहता है समय पर नींद आती है और दिनभर उत्साह और ऊर्जवान बना रहता है । श्रीमद्भगवद्गीता का दिया उदाहरण - भगवान वेदव्यास जी कहते हैं जो व्यक्ति निरंतर श्रीमद्भगवद्गीता स्वाध्याय करता है और प्राणायाम का अभ्यास करता है उसके इस जन्म में और पूर्वजन्म में किये हुए समस्त पाप निन्संदेह नष्ट हो जाते हैं।

### अस्थाई ट्रेन का शुभारंभ 24 अप्रैल से

**दमोह।** दमोह संसदीय क्षेत्र के सांसद राहुल सिंह के सतत प्रयासों से क्षेत्र वासियों की एक बड़ी मांग दमोह से नागपुर आवागमन संबंधी पूरी होने जा रही है। इस अस्थाई ट्रेन का शुभारंभ 24 अप्रैल से होगा। क्षेत्र वासियों द्वारा लगातार दमोह से नागपुर ट्रेन के लिए मांग उठाई जा रही थी, काफी समय से देखा जा रहा था दमोह से सीधे नागपुर के लिए कोई ट्रैन नही है। इस संबंध में दमोह संसदीय क्षेत्र के सांसद राहुल सिंह लोधी ने ट्रेन की उपयोगिता को देखते हुए सतत प्रयास किये और आज यह मांग आमजन की मंशा अनुसार पूरी हो रही है।

# कॉम्बिंग गश्त का मुख्य उद्देश्य असामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी और अपराध पर नियंत्रण पाना है : एसपी

## जिले में पुलिस की प्रभावी कॉम्बिंग गश्त, 51 स्थाई वारंटी एवं 18 गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार किए,57 लिस्टेड गुंडा बदमाश एवं 52 हिस्ट्रीशीटर चैक किए

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

कॉम्बिंग गश्त का मुख्य उद्देश्य असामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी और अपराध पर नियंत्रण पाना है,यह बात पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन ने कॉम्बिंग गश्त के दौरान बताई। उन्होंने बताया कि अशोकनगर पुलिस द्वारा आगामी समय में भी असामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी हेतु इस प्रकार की कॉम्बिंग गश्त की जावेगी। पुलिस अधीक्षक श्री जैन के निर्देशन,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह कंवर, एसडीओपी अशोक नगर विवेक शर्मा,एसडीओपी मुंगावली श्रीमती सनम बी खान के मार्गदर्शन में जिले भर में पुलिस द्वारा शनिवार-रविवार की दरमियानी रात कॉम्बिंग गश्त की गई। इस दौरान स्वयं पुलिस अधीक्षक श्री जैन सहित समस्त राजपत्रित अधिकारी,समस्त थाना प्रभारी, समस्त चौकी प्रभारी सहित 200 से अधिक पुलिसकर्मियों ने एक साथ मोर्चा संभाला। इस दौरान आदतन अपराधियों के घरों पर देर रात्रि औचक दस्तक दी, असामाजिक तत्वों को चैक किया गया। पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन अरविन्द सक्सेना के द्वारा असामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी और अपराध पर नियंत्रण हेतु समय-समय पर कॉम्बिंग गश्त करने के निर्देश दिये गए थे,कि कॉम्बिंग गश्त के दौरान अधिकतम संख्या में स्थाई वारंटियों एवं गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार किया जाए तथा लिस्टिड गुंडों एवं निगरानी बदमाशों की विशेष रूप से चैकिंग की जाए। इसी क्रम में संपूर्ण जिले में रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक कॉम्बिंग गश्त की गई।

### स्थाई,गिरफ्तारी वारंटी,लिस्टेड गुंडे, हिस्ट्रीशीटरों को चेक किया

कॉम्बिंग गश्त के दौरान थाना कोतवाली अंतर्गत 7 स्थाई वारंटी एवं 1 गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार किया गया, 9 लिस्टिड गुंडा बदमाश एवं 7 हिस्ट्रीशीटर चैक किए गए, थाना देहात अंतर्गत 10 स्थाई वारंटी एवं 2 गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार किये गए,11 लिस्टिड गुंडा बदमाश एवं 13 हिस्ट्रीशीटर चैक किए गए, थाना शाढ़ौरा अंतर्गत 4 स्थाई वारंटी एवं 4 गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार किये गए, 4 लिस्टिड गुंडा बदमाश,3 हिस्ट्रीशीटर चैक किए गए,थाना कचनार अंतर्गत अंतर्गत 2 स्थाई वारंटी एवं 2 गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार किये गए, 6 लिस्टिड गुंडा बदमाश एवं 2 हिस्ट्रीशीटर चैक किए गए, थाना चंदेरी अंतर्गत 3 स्थाई वारंटी गिरफ्तार किये गए, 8 लिस्टिड गुंडा बदमाश एवं 6 हिस्ट्रीशीटर चैक किए गए, थाना ईसागढ़ अंतर्गत 13 स्थाई वारंटी गिरफ्तार किये गए, 3 लिस्टिड गुंडा बदमाश एवं 3 हिस्ट्रीशीटर चैक किए गए, थाना नई सरांय अंतर्गत 1 गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार किये गए, 3 लिस्टिड गुंडा बदमाश एवं 3 हिस्ट्रीशीटर चैक किए गए, थाना कदवाया अंतर्गत 5 लिस्टिड गुंडा बदमाश एवं 2 हिस्ट्रीशीटर चैक किए गए, थाना मुंगावली अंतर्गत 3 स्थाई वारंटी एवं 4 गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार किये गए, लिस्टिड 3 गुंडा बदमाश एवं 4 हिस्ट्रीशीटर चैक किए गए, थाना पिपरई अंतर्गत 5 स्थाई वारंटी एवं 1 गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार किये गए, 4 लिस्टिड गुंडा बदमाश एवं 7 हिस्ट्रीशीटर चैक किए गए, थाना बहादुरपुर अंतर्गत 03 स्थाई वारंटी एवं 02 गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार किये गए, 1 लिस्टिड गुंडा बदमाश एवं 1 हिस्ट्रीशीटर चैक किए गए एवं थाना सेहराई अंतर्गत 1 स्थाई वारंटी एवं 1 गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार किये गए एवं 1 हिस्ट्रीशीटर चैक किया गया। इस प्रकार सम्पूर्ण जिले में कॉम्बिंग गश्त के दौरान कुल 51 स्थाई वारंटी एवं 18 गिरफ्तारी वारंटी गिरफ्तार किये गये एवं 57 लिस्टेड गुंडों एवं 52 हिस्ट्रीशीटरों को चैक किया गया।

# कर्तव्य निष्ठा: जीआरपी स्टाफ की सक्रियता मिल गया मासूम

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

अशोकनगर, 20 अप्रैल को रेल स्टेशन जी आर पी अशोकनगर ने अपनी सतर्कता से एक 10 वर्षीय मासूम बालक को सकुशल उसकी नानी से मिलाकर ÷एंजिल इन खाकी÷ की उपाधि को सार्थक कर दिखाया। रेलवे स्टेशन अशोकनगर पर एक बालक गोलू (परिवर्तित नाम) भटकता हुआ पाया गया, जिसे थाना लाया गया। पूछताछ में बालक ने अपना नाम गोलू पिता शंकर निवासी मोना मंडी, जयपुर (राजस्थान) बताया तथा बताया कि वह अपनी नानी के साथ जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस से जयपुर से बीना जा रहा था, लेकिन स्टेशन अशोकनगर पर उनसे बिछुड़ गया। थाना जी आर पी अशोकनगर की टीम ने संवेदना का परिचय देते हुए पहले बालक को चाय-नाश्ता कराकर तसल्ली दी और फिर परिजनों की खोजबीन प्रारंभ की। थोड़ी ही देर में बीना-नागदा पैसेंजर के अशोकनगर स्टेशन पहुँचने पर एक महिला श्रीमती काजू बाई पति लालू बंजारा (परिवर्तित नाम), उम्र 50 वर्ष, निवासी जयपुर, स्टेशन पर मिली, जिसने बालक को देखते ही गले से लगा लिया और पहचान कर भावुक हो उठी। इस त्वरित और संवेदनशील कार्यवाही की महिला व अन्य यात्रियों ने खुलकर सराहना की। बालक को उसकी नानी के समक्ष विधिवत रूप से सुपुर्द किया गया तथा सुपुर्दगी पंचनामा तैयार कर सम्पूर्ण कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया। थाना जी आर पी अशोकनगर द्वारा किया गया यह कार्य न केवल पुलिस के मानवीय चेहरे को उजागर करता है, बल्कि समाज में पुलिस के प्रति विश्वास को भी सशक्त करता है।

"एंजिल इन खाकी" – जीआरपी अशोकनगर ने बिछुड़े मासूम को मिलाया उसकी नानी से

वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन÷ यह सफल कार्रवाई रवि कुमार गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, रेल पुलिस मुख्यालय भोपाल, श्रीमती मोनिका शुक्ला, उप पुलिस महानिरीक्षक, रेल भोपाल, संतोष कोरी, पुलिस अधीक्षक, रेल इंदौर, श्रीमती मनीषा पाठक सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, रेल इंदौर के मार्गदर्शन में यह त्वरित कार्यावाही की जा रही है । आम नागरिकों से अपील है यदि कोई भी असंरक्षित या लापता बच्चा रेलवे स्टेशन पर दिखे तो तुरंत निकटतम जीआरपी को सूचित करें, ताकि समय पर मदद की जा सके।

# अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है जूडो कराटे आत्मरक्षा का खेल: महामहिम अमृता यादव

### इंदौर स्टेडियम में मेयर ने जोडो कराटे को सम्मानित किया

सत्ता सुधार ■ खंडवा

खंडवा जिले में हर विधाओं में खिलाड़ियों की कमी नहीं है अपने शानदार कला के माध्यम से खिलाड़ी खंडवा का नाम देश-विदेश में रोशन कर रहे हैं, इन प्रतिभाओं को अच्छे शिक्षक, आकर्षक और शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। खंडवा शहर की प्रथम नागरिक श्रीमती अमृता यादव के खिलाड़ियों के उत्साह वर्धन ने खंडवा शहर की प्रथम नागरिक श्रीमती अमृता यादव के खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए अपने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और उन्हें बेल्ट प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर महापौर अमृता अमर यादव ने इंदौर स्टेडियम में सम्मानित कार्यक्रम खिलाड़ियों को दिखाते हुए कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए खेल भी जरूरी है, किसी भी खेल का चयन कर प्रशिक्षकों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए लगातार आगे बढ़ते रहें और खंडवा का नाम रोशन करते रहें, जुड़ो कराटे आत्मरक्षा का खेल है जिससे लोग अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकें। येलो बेल्ट गौरव यादव, विजील पारे, श्रिया धीमेन, आशी पाटिल, केशवी पाटिल, विभा ध, महिमा ध, सम्यक शिंदे, वेदिका अंगाचा, आरोही फैना, मोहित चावड़ा, मोक्षिता डोडवाल, प्रियांशु विजवा ने लोदी और ऑरेंज बेल्ट लोदी माही पाल, माही मोर, गौतम पाल, दीया यादव, प्रिया पाल ने इसमें बताया। श्रेष्ठ खिलाड़ियों को महामहिम अमृता अमर यादव द्वारा सम्मानित किया गया। सभी खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए भी महामहिम को धन्यवाद दिया।

# रसूखदार भू-माफियाओं के कब्जे से मुक्त नहीं हुई सरकारी भूमि

**शाढ़ौरा कस्बा के सर्वे नंबर 963 रास्ता, 964 मरघट,1043 पशु विश्राम,1044 नाला,1049 रुकान की शासकीय भूमि को जनहित में दबंगों,रसूखदारों से अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग**

**अशोकनगर।** जिले के शाढ़ौरा कस्बा के वार्ड नंबर 5 खड़िया मोहल्ला निवासी डॉ राकेश रघुवंशी ने करीब ढाई माह पूर्व 9 फरवरी को क्षेत्रीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को आवेदन देकर कस्बा की वेशकीमती शासकीय भूमि पर से रसूखदार दबंग भू-माफियाओं का कब्जा हटवाने की मांग की थी,करीब ढाई माह बीतने के बाद भी, ना तो उक्त आवेदन पर कोई कार्रवाई हुई,ना ही रसूखदारों का कब्जा हटा। डॉक्टर ने रविवार को आवेदन को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। डॉ राकेश रघुवंशी ने बताया कि शाढ़ौरा कस्बा की शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 963, 964, 1043, 1044, 1049 जो कि गुना- अशोकनगर रोड एवं अमोदा रोड़ से लगी हुई करोड़ों रुपये मूल्य की शासकीय भूमि है,जिस पर दबंगों ने अतिक्रमण कर रखा है। इतना ही नहीं रसूखदार एवं दबंग लोगों ने शासकीय आम रास्ता रोक दिया है, जो कि अमोदा रोड तथा गुना-अशोकनगर रोड से कस्बा के वार्ड क्रमांक 05, 04 के मध्य से होता हुआ रेल्वे स्टेशन को जोड़ता था। पुराने समय में यह एक मुख्य मार्ग होता था। लोगों के पशु, बैल गाड़ी, वाहन, ताजिया, जुलुस इत्यादि इसी मार्ग से निकलते थे,परन्तु वर्तमान समय में यह सरकारी आम रास्ता आवागमन के लिए बंद है। दबंग रसूखदार लोगों ने नाले की मूल स्थिति परिवर्तित करके नाले के ऊपर भवन एवं दुकानों का निर्माण कर लिया है, जिससे नाले की भौगोलिक स्थिति परिवर्तित हो गई है। इस कारण से लोगों की जमीनों का सीमांकन सही से नहीं हो पा रहा है। और लोगों में वैमनस्यता बढ़ रही है।

# भीषण गर्मी में प्यासे कंठों को तर करने शुरू की प्याऊ

### आंवरी के सरपंच प्रतिनिधि विजय बैरागी ने किया उद्घाटन

**अशोक नगर।** इस भीषण गर्मी में प्यासे कंठों को तर करने,स्थानीय नये बस स्टैंड के आगे जय बाबा इंडेन गैस एजेंसी के सामने रविवार को पंडित हरिचरण ज्योति सेवा समिति द्वारा प्याऊ हेतु पानी की टंकी रखी गई। जिसका शुभारंभ ग्राम पंचायत आंवरी के सरपंच प्रतिनिधि विजय बैरागी द्वारा किया गया। इसके पूर्व श्री बैरागी द्वारा कन्या पूजन किया गया। उन्हें शीतल जल पिलाया और प्याऊ का शुभारंभ किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र जोशी, कोषाध्यक्ष भूपेंद्र जोशी, सचिव तरूण वाल्मीकि, सहसचिव हरीराम प्रजापति राजेश दुबे सुल्तान सिंह दिनेश कुशवाहा राजाराम पाल दिनेश जोशी, दिलीप शर्मा, डॉक्टर राजकुमार शर्मा, डॉक्टर संजय श्रीवास्तव, संजीव लंबरदार, बबलू खान, मनोज बौद्ध, राम जी, राज शर्मा, आदि समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

# भारतीय युवा कांग्रेस का चुनाव कार्यक्रम घोषित, नामांकन अभियान 27 अप्रैल से होगा प्रारंभ

## इलेक्शन प्रबंधन स्टेट कोऑर्डिनेटर मोंटी शुक्ला ने गांधी भवन में दी जानकारी

सत्ता सुधार ■ खंडवा

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की युवा शाखा, भारतीय युवा कांग्रेस (आईवायसी) ने घोषणा की है कि मध्य प्रदेश में ब्लॉक, विधानसभा, जिला और पूरे राज्य स्तर पर अपनी सदस्यता और पूर्ण संगठनात्मक चुनाव आयोजित कर रही है।

युवक कांग्रेस के रिटर्निंग ऑफिसर ने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस में पहले ही पार्टी के आंतरिक चुनावों का एक दौर आयोजित किया जा चुका है। भारत के किसी भी राजनीतिक दल ने अपनी किसी भी संगठन के लिए आंतरिक पार्टी चुनाव आयोजित नहीं किए हैं। यह भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा लिया गया ऐतिहासिक कदम है और यह राहुल गांधी,अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अध्यक्ष का दृष्टिकोण है, जब वह कांग्रेस पार्टी की युवा शाखाओं - भारतीय युवा कांग्रेस (आईवायसी) और राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के प्रभारी थे।

आईवायसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि भारत एक नए युग की शुरुआत देख रहा है, जब पार्टी के युवा राजनीतिक नेता अपने सदस्यता से सीधे तौर पर चुने जाएंगे। ÷नेताओं को नामांकित करने के बजाय चुनाव प्रक्रिया में बदलाव भारतीय राजनीति में ऐतिहासिक विकास है। यह सच्ची लोकतंत्र की क्रियावली होगी।÷

मध्य प्रदेश में युवा कांग्रेस के नेतृत्व के चुनाव सभी ब्लॉक, विधानसभा, जिला और राज्य इकाई स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। इस प्रयास से पार्टी का उ?द्देश्य राज्य के हर कोने में युवा कांग्रेस संगठन को जड़ों तक सशक्त बनाना है।चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, संगठन ने युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण से निवेदन किया है कि वह युवा कांग्रेस चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित कराए। इसके लिए ज़ोनल और राज्य स्तर पर रिटर्निंग ऑफिसर्स की एक टीम नियुक्त की गई है।

प्रेमांशु जैन ने बताया कि युवक कांग्रेस नामांकन अभियान 27.04.2025 से 06.05.2025 तक चलेगा। उसके बाद सदस्यता प्रक्रिया शुरू होगी और संबंधित तिथियाँ तथा विवरण 222.4ष्द्भ्ड्ड.द्बठ्ठ पर प्रकाशित किए जाएंगे। इस चुनाव में भाग लेने के लिए 18 से 35 वर्ष होना अनिवार्य है।

# खंडवा: जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारियों का विधायक कंचन तनवे ने लिया जायज़ा

## मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल आज करेंगे शिरकत

सत्ता सुधार ■ खंडवा

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल 21 अप्रैल को खंडवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कावेश्वर में आयोजित ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस महत्त्वपूर्ण आयोजन को लेकर क्षेत्र में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं, जिसे लेकर शनिवार को खंडवा की विधायक श्रीमती कंचन तनवे ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान विधायक कंचन तनवे ने आयोजन स्थल पर मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, पेयजल, पार्किंग, साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों व कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकता वाला अभियान है, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण को लेकर जनजागरण और जनसहभागिता को बढ़ावा देना है।

**पूर्व ज़िला अध्यक्ष सहित कई नेता रहे मौजूद:** विधायक के साथ निरीक्षण के दौरान भारतीय जनता पार्टी के पूर्व ज़िला अध्यक्ष श्री हरीश कोटवाले, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री लोकेन्द्र सिंह गौड़, पूर्व पार्षद श्री सन्देश गुप्ता, पार्टी के अन्य पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की तैयारियों में सक्रिय रूप से भागीदारी की और समर्पण भाव से कार्य कर रहे हैं।

**ग्रामवासियों में भी दिखा उत्साह :** ग्राम कावेश्वर एवं आस-पास के ग्रामीण अंचलों में इस कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। ग्रामवासियों द्वारा स्वैच्छिक रूप से आयोजन स्थल की सफाई, सजावट और स्वागत की तैयारियाँ की जा रही हैं। माना जा रहा है कि यह आयोजन जल संरक्षण के प्रति जनचेतना फैलाने में एक मील का पत्थर साबित होगा।

**जल संवर्धन को लेकर पार्टी की प्राथमिकता स्पष्ट :** भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल लंबे समय से जल संरक्षण, ग्राम विकास और पंचायत सशक्तिकरण के मुद्दों को लेकर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की जल संरक्षण नीति को ज़मीनी स्तर तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा।

## ऑनलाइन फर्जी मस्टर चढ़ाकर लूट रहे बेरोजगार गरीबों का हक,मजदूरी के लिए ग्रामीणों का पलायन शहर की ओर

# सरपंच,सचिव और रोजगार सहायकों को लाभकारी हो गई मनरेगा योजना

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

केंद्र की कांग्रेस सरकार द्वारा गांवों से बेरोजगार ग्रामीण मजदूरों को गारंटी से 100 दिन का रोजगार देने, उनका गांव से पलायन रोकने के उद्देश्य से महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना कानून बनाकर लागू की गई। जिससे गांव के बेरोजगार मजदूर को गांव में ही साल में काम से कम 100 दिन गारंटी से मजदूरी मिल सके,इस योजना में समय-समय पर सुधार किए गए लेकिन,चोरों और गरीब मजदूरों का हक़ लूटने वाले लोगों को,इससे कोई फर्क नहीं पड़ा और उन्होंने इस योजना का लाभ उठाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। वल्कि यूं कहा जाए, कि यह योजना ग्रामीण बेरोजगार मजदूरों की बजाय सरपंच सचिव और रोजगार सहायकों के लिए लाभकारी,आय का साधन,वरदान साबित हो गई है, तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। इस योजना में ऊपर से लेकर नीचे तक सभी अपनी बेरोजगारी दूर कर रहे हैं। ऐसा नहीं की जिले के अधिकारियों को इस बात की जानकारी ना हो,परंतु वह क्यों अपने आय का साधन मिटाएंगे? रविवार को जनपद पंचायत अशोकनगर की कई ग्राम पंचायतों के मनरेगा पोर्टल का अवलोकन किया, मौके से जमीनी हकीकत का पता लगाया। तो पता चला पोर्टल पर जितने मजदूरों की संख्या काम करते हुए चढ़ाई गई है, हकीकत में उतने मजदूर काम नहीं कर रहे हैं।

**इन पंचायत की हकीकत जानी:** ग्राम पंचायत म्यापुर में रविवार को मनरेगा पोर्टल पर 123 मजदूर काम करते दिखाए हैं,जबकि वहां अरुण सिंह के खेत पर खेत तालाब निर्माण का एक काम चल रहा है। इसी तरह ग्राम पंचायत खेजरा खुर्द में 141 मजदूर काम करते हुए दिखाएं हैं, वहां दो काम चल रहे हैं, 27 कुटीर और राकेश के खेत पर सार्वजनिक कूप निर्माण कार्य खेत तालाब। ग्राम पंचायत करैया बुद्धू में पोर्टल पर 100 मजदूर चढ़ाए,वहां दो कम चल रहे, शांति धाम निर्माण कार्य और पर्कॉयलेशन टैंक, ग्राम पंचायत अमोदा में 133 मजदूर, ग्राम पंचायत बगुल्या में 85 मजदूर, 14 कुटीर एक खेत तालाब बृजेश रामगोपाल रघुवंशी के खेत पर, ग्राम पंचायत दियाधरी पोर्टल पर मजदूर चढ़ाए 122, दो काम खेत तालाब निर्माण कार्य प्रभु लाल, मांगीलाल, वृंदावन,नाथूलाल , ग्राम पंचायत सोवत पोर्टल पर चढ़ाए 211 मजदूर, 7 काम चल रहे, पांच काम आवास के, दो कम खेत तालाब निर्माण कार्य शारदा बाई अमर सिंह, मुन्नी बाई अशोक सिंह के यहां, ग्राम पंचायत बरखेड़ा लाल में 71 मजदूर पोर्टल पर चढ़ाए,दो काम चल रहे, स्टॉप डैम और कूप निर्माण, ग्राम पंचायत पदम घटा में पोर्टल पर 145 मजदूर चढ़ाए गए, तीन काम चल रहे है। 19 कुटीर, खेत तालाब निर्माण राम सिंह जाटव के खेत में, खलक सिंह यादव के खेत में, भगवती बाई के खेत में, सार्वजनिक कूप निर्माण गौशाला के पास, ग्राम पंचायत सतऊ खेड़ी में पोर्टल पर 136 मजदूर चढ़ाए गए, 29 काम चल रहे है, 26 कुटीर के, तीन पोखर निर्माण, शांति बाई के खेत के पास, पहलवान सिंह के खेत के पास, रिंकू के खेत के पास।

## ब्रीफ न्यूज

### पश्चिम शहर में पर्यटन का नया केंद्र विकसित

**इंदौर।** रणजीत हनुमान मंदिर के पास करीब 10 एकड़ पर विकसित विश्राम बाग पश्चिम शहर में पर्यटन का नया केंद्र बन गया है। यहां बच्चों के मनोरंजन के साधन के साथ ही बगीचा, नहर और मंदिर है। करीब 15 करोड़ रुपए से इसे विकसित किया है। यहां बच्चों की ट्रेन चलाने की भी योजना है। यहीं पर करीब 9 करोड़ की लागत से स्विमिंग पूल बनाया जा रहा है। इसका काम भी चल रहा है। अंतरराष्ट्रीय मापदंड के हिसाब से इसे बनाया जा रहा है। पूर्ण होने पर ट्रेनर भी नियुक्त किए जाएंगे।

### दो दिनी कॉन्क्लेव में भारतीय गेहूं उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाएंगे

**इंदौर।** भारत के गेहूं उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के उद्देश्य से व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (डब्ल्यूपीपीएस) द्वारा आयोजित डब्ल्यूपीपीएस सीईओ कॉन्क्लेव 24 व 25 अप्रैल को मैरियट होटल में होगी। 'सतत विकास और बाजार नेतृत्व के लिए सहयोग' विषय पर आयोजित इस कॉन्क्लेव में 400 से अधिक उद्योग प्रमुख, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और प्रोफेशनल्स शामिल होंगे। इस दौरान प्रोडक्शन से लेकर एक्सपोर्ट, सप्लाय चेन को सशक्त करने, उद्योग-नीति समन्वय को बढ़ावा देने और वैश्विक व्यापार के नए अवसरों पर विचार-विमर्श होगा। पहले दिन उद्घाटन सत्र में कई प्रतिष्ठित वक्ता शामिल होंगे। एमपी रोलर फ्लोर मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, डब्ल्यूपीपीएस के चेयरमैन अजय गोयल, सीरियल्स कनाडा के सीईओ डीन डायस आदि शामिल होंगे।

### बीआरटीएस टूटने से पहले सैकड़ों कर्मचारियों को हटाने का मुद्दा गरमाया

**इंदौर।** बीआरटीएस कॉरिडोर टूटने के पहले ही सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल कर उनके परिवार के समक्ष रोटी का संकट पैदा करने के इस मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले में अब भाजपा अजा मोर्चा भी इन कर्मचारियों की लड़ाई लड़ने के लिए आगे आ गया है। मामले में भाजपा अजा मोर्चा के पूर्व नगर अध्यक्ष राजेश शिरोडकर मैदान में आ गए हैं, उन्होंने सिटी बस कंपनी के द्वारा लिए गए फैसले पर आपत्ति ली है। उन्होंने कहा है कि भाजपा अजा मोर्चा के द्वारा इन कर्मचारियों के अधिकार की लड़ाई लड़ी जाएगी। इसमें बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कर्मचारी हैं। यह कर्मचारी मात्र 10000 महीने के वेतन में हर दिन 8 से 10 घंटे काम कर रहे हैं। इन कर्मचारियों को नौकरी से निकलना न केवल इन कर्मचारी बल्कि उनके परिवार के साथ भी अन्य है। शिरोडकर ने कहा है कि इस मामले को लेकर पीड़ित कर्मचारियों के समूह के साथ हम महापौर पुष्यमित्र भार्गव, भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा से मुलाकात करेंगे और इस मुद्दे को सामने रखेंगे। प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौर ने कहा है कि इस मामले की जानकारी मुझे कल अनिनबान अखबार पढ़ने के बाद ही मिली है। इस मामले में मेरे द्वारा सिटी बस कंपनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांक सिंह से जानकारी मांगी गई है।

---

#### भारत सरकार के द्वारा नियुक्त की गई एजेंसी के द्वारा विभिन्न शहरों में किया जा रहा दोनों सर्वे

# इंदौर में वाटर प्लस, गार्बेज फ्री सिटी का सर्वे कर रही केंद्र सरकार की टीम

सत्ता सुधार ■ इंदौर

भारत सरकार के द्वारा भेजी गई टीम ने इंदौर में वाटर प्लस और गार्बेज फ्री सिटी का सर्वेक्षण शुरू कर दिया है। इस टीम की ओर से अभी तो धीमी गति से काम शुरू किया गया है। सोमवार से यह सर्वेक्षण तेज गति के साथ शुरू हो जाएगा।

स्वच्छता सर्वेक्षण का कार्य पूरे देश में पूरा हो गया है। अब जिन शहरों के पास वाटर प्लस शहर होने का गौरव हासिल है उनमें यदि उनके इस गौरव की अवधि पूरी नहीं हुई है तो ठीक है, लेकिन जिनकी अवधि पूरी हो गई है वहां पर एक बार फिर वाटर प्लस के लिए नए सिरे से सर्वे किया जाना है। इसके साथ ही गार्बेज फ्री सिटी का भी सर्वे होना है।

ध्यान रहे कि यदि एक बार वाटर प्लस सिटी का सर्टिफिकेशन कर दिया जाता है तो वह 2 साल तक कायम रहता है। भारत सरकार के द्वारा

नियुक्त की गई एजेंसी के द्वारा यह दोनों सर्वे विभिन्न शहरों में किया जा रहे हैं। सरकार की ओर से 2 दिन पूर्व ही यह सूचना जारी की गई है कि शनिवार के दिन से देश के बड़े शहरों में वाटर प्लस का सर्वे शुरू किया जाएगा। इंदौर में इस सर्वे को अंजाम देने के लिए टीम कल ही इंदौर पहुंच गई। इस टीम के द्वारा अपने आने की सूचना नगर निगम के अधिकारियों को देने के साथ ही सर्वे भी सर्वे का काम भी शुरू कर दिया गया है।

सूत्रों ने बताया कि अभी तो इस टीम के द्वारा धीमी गति के साथ ही सर्वे शुरू किया गया है। इसके पीछे कारण यह है कि अभी टीम के सारे सदस्य इंदौर नहीं पहुंच सके हैं। टीम के सभी सदस्य आज रात तक इंदौर पहुंच जाएंगे। उसके बाद में इस टीम के द्वारा सोमवार से तेजी से सर्वे शुरू किया जाएगा।

इस सर्वे के संबंध में आयुक्त शिवम वर्मा ने सर्वे टीम के आने के पहले कल सिटी बस ऑफिस में समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में जलप्रदाय, स्वास्थ्य, ड्रेनेज, इंदौर स्मार्ट सिटी, उद्यान, जनकार्य, सीटीपीटी, विद्युत विभाग के अधिकारी शामिल हुए। वर्मा ने गार्बेज फ्री सिटी और वाटर प्लस सर्वे की गाइडलाइन के अनुसार झोन वार समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि शहर के 85 वार्डों में सर्वेक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएं। इसके अंतर्गत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरे का पृथक्करण (सेग्रीगेशन), लीटर बिन की उपलब्धता, स्टाम वाटर लाइन, सीवरेज चैंबर की पर्याप्त सफाई एवं संधारण कार्य को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। निर्माणाधीन भवनों के आसपास सुरक्षा उपायों का पालन, पुनः उपयोग किए जाने वाले जल (री-यूज वाटर) का अधिकतम उपयोग, एसटीपी प्लांट की उचित व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालयों (सीटीपीटी), यूरिनल्स पर पर्याप्त संकेतक एवं ब्रांडिंग कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। ध्यान रहे कि इंदौर को देश का पहला वाटर प्लस शहर होने का गौरव हासिल है।

---

# तीन सौ करोड़ की लागत से बनेगा एक और कन्वेंशन सेंटर, 10 हजार लोग बैठ सकेंगे

#### उच्च स्तरीय कमेटी ने मंजूरी दे दी है, होटल-मॉल भी होंगे यहां

सत्ता सुधार ■ इंदौर

शहर में एक और कन्वेंशन सेंटर बनने का रास्ता साफ हो गया है। इसे उच्च स्तरीय कमेटी ने मंजूरी दे दी है। यह कन्वेंशन सेंटर स्कीम नंबर 172 में 300 करोड़ की लागत से बनेगा। यह प्रदेश का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर माना जा रहा है। इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने सीएम के सामने इसकी मांग की थी। इस जमीन पर वन विभाग ने दावा जताया था। इस वजह से प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलने में देरी हुई।

तकरीबन डेढ़ साल पहले जनप्रतिनिधियों ने देपालपुर जंक्शन की जगह तय कर दी थी, लेकिन उसका लैंडयूज समस्या बन गया था। उस जमीन पर राजस्व और वन विभाग ने भी अपना-अपना दावा जताया था। अपर मुख्य सचिव ने जमीन का विवाद खत्म कर दिया था, लेकिन लैंडयूज कन्वेंशन सेंटर, होटल के लिए नहीं था। इस पर प्राधिकरण ने लैंडयूज बदलने का प्रस्ताव बनाकर नगरीय

**योजना क्रमांक 172 में बनेगा कन्वेंशन सेंटर**

योजना क्रमांक 172 में इस लोकेशन को फाइनल करने के पीछे तीन बड़े कारण हैं। पहला, एयरपोर्ट यहां से महज आधा किमी की दूरी पर है। दूसरा, भविष्य में यहां मेट्रो ट्रेन आएगी और तीसरा, ट्रैफिक लोड कम है। दरअसल आईडीए ने राजेंद्र नगर में एक हजार की क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर बनाया था, जो पूरा होने के बाद भी कभी भी शुरू नहीं हो पाया। नई कुर्सी, मंच, रंगरोगन सब खराब हो गया। आखिर में अब इस सेंटर को लता मंगेशकर के नाम बन रहे म्यूजियम में तब्दील किया जा रहा है। स्टूडियो, कलावीथिका, छोटा सभागार है।

**टीसीएस-इन्फोसिस की जमीन से भी है कनेक्शन**

सुपर कॉरिडोर पर प्राधिकरण ने टीसीएस और इन्फोसिस को 230 एकड़ जमीन आवंटित की थी। इन दोनों प्रमुख आईटी कंपनियों को शासन ने जो जमीनें औने-पौने दामों पर आवंटित की, उसके एवज में प्राधिकरण को राशि नहीं दी और बाद में छोटा बांगड़दा और नैनोद स्थित 225 एकड़ जमीन का आवंटन राजस्व विभाग के जरिए करवा दिया, ताकि प्राधिकरण की क्षतिपूर्ति हो सके। हालांकि बाद में शासन ने टीसीएस और इन्फोसिस से भी कुछ जमीनें वापस ले ली, क्योंकि दावे के मुताबिक इन दोनों आईटी कंपनियों ने इतना रोजगार उपलब्ध नहीं कराया। दूसरी तरफ प्राधिकरण ने शासन से जो 225 एकड़ जमीन मिली, उस पर योजना 172 घोषित कर दी और उसी जमीन पर 10 हजार की बैठक क्षमता वाले कन्वेंशन सेंटर की प्लानिंग भी कर ली।

प्रशासन एवं आवास विभाग को भेजा था। मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि कन्वेंशन सेंटर, होटल व अन्य उपयोग के लिए लैंडयूज बदल दिया गया है। सांसद शंकर लालवानी ने शनिवार को बताया कि इस संबंध में सरकार की ओर से सूचना मिल गई है।

इस कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से इंदौर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कॉन्फ्रेंस, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और व्यवसायिक आयोजनों के लिए एक प्रमुख मंच मिलेगा। इससे न केवल शहर की प्रतिष्ठा बढ़ेगी, बल्कि होटल, ट्रैवल और लोकल बिजनेस सेक्टर को भी प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

**आईडीए बनाएगा यह कन्वेंशन सेंटर-** कन्वेंशन सेंटर इंदौर विकास प्राधिकरण बनाएगा। सुपर कॉरिडोर पर स्कीम 172 में 10 हेक्टेयर जमीन पर कन्वेंशन सेंटर बनेगा। भविष्य के लिए 7 हेक्टेयर जगह और आरक्षित की जाएगी। कुल 17 हेक्टेयर जमीन को रिजर्व रखा जाएगा। स्कीम 155 में सालों से खाली पड़े फ्लैट फ्री होल्ड नीति पर बेचे जाएंगे। यानी खरीदने के साथ ही व्यक्ति को मालिकाना हक मिल जाएगा। लीज नवीनीकरण के झंझट से मुक्ति मिलेगी। इंदौर में हुए प्रवासी सम्मेलन में जगह का मुद्दा आया था। कई लोगों को प्रवेश नहीं मिल पाया था। इस पर तय किया गया था कि 10 हजार से अधिक की क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर इंदौर में बनाया जाएगा। इसमें मॉल, बजट होटल और फाइव स्टार होटल भी बनाई जाएगी। 3000 से अधिक पार्किंग की व्यवस्था भी रहेगी। सांसद, महापौर ने अफसरों के साथ मौके पर जाकर 6 फरवरी 2023 को जमीन फाइनल की थी।

---

# बीजेपी कार्यकर्ता पर हमले के आरोप में निगम के नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस उन्हें घर से हीरा नगर थाने लाई, जहां प्राथमिक कार्रवाई के बाद एमवाय अस्पताल में मेडिकल चेकअप कराया। बताया जा रहा है कि उनके वार्ड में शनिवार रात को पानी के टैंकर को लेकर बच्चों में विवाद हो गया था। इसमें बड़े शामिल हो गए। इसके बाद बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई थी। चौकसे को इसी मामले में गिरफ्तार किया गया है। बीजेपी कार्यकर्ता कपिल पाठक ने चौकसे समेत 9 आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। गिरफ्तारी की जानकारी लगते ही कांग्रेस कार्यकर्ता थाने के बाहर जमा हो गए। सरकार और बीजेपी के खिलाफ नारेबाजी की। पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा मामले में कमिश्नर संतोष सिंह से बात करने उनके दफ्तर पहुंचे। उनके साथ कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुरजीत चड्ढा, जिला अध्यक्ष सदाशिव यादव, पूर्व विधायक अश्विन जोशी और शोभा ओझा भी थे।

**चौकसे बोले- अंधेर नगरी, चौपट राजा**

एमवाय अस्पताल में मेडिकल चेकअप के दौरान चिंटू चौकसे ने कहा- यह अंधेर नगरी चौपट राजा है। मैं उस जगह मौजूद ही नहीं था। जो घटना मामूली थी, उसे आईपीसी की धारा 307 (हत्या की कोशिश) में बदल दिया गया है। यह जंगलराज नहीं तो और क्या है? यह भाजपा की सरकार है।

---

# शहर में लू जैसे हालात, अगले दो-तीन दिन भी रहेगा तेज गर्मी का असर

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में पिछले 24 घंटों में दिन और रात का पारा 1 डिग्री गिरा है, लेकिन फिर भी लू जैसे हालात बने हुए हैं। दिन में गर्मी हलाकान कर रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अगले दो-तीन दिन भी तेज गर्मी बनी रहेगी। गुरुवार को दिन का तापमान 41.7 (+3) डिग्री और रात का तापमान 24.4 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। शनिवार को दिनभर गर्मी ने काफी सताया और रात को भी गर्मी के कारण काफी बेचैनी रही। इस दौरान दिन का तापमान 40.2 डिग्री और रात का तापमान 23.6 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रविवार को भी सुबह से गर्मी का खासा असर है। तापमान 40-41 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती के मुताबिक इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में दो-तीन दिनों तक पारे में बढ़ोतरी का दौर रहेगा।

### स्वास्थ्य विभाग ने बताए लू से बचने के तरीके

स्वास्थ्य विभाग ने लू से बचने के लिए पर्याप्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। डॉ. बीएस सेतिया (सीएमएचओ) ने बताया कि गर्मी में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक ज्यादा खतरे में रहते हैं। गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना और पुतलियां छोटी हो जाना इसके प्रमुख लक्षण हैं। गर्मी व लू से बचाव के लिए खूब पानी पिएं व खाली पेट न रहें। शराब व कैफीन के सेवन से बचें। ठण्डे पानी से नहाएं। सिर ढंके और हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहनें। बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ें। दिन में 12 से 4 के बीच बाहर जाने से बचें। धूप में नंगे पैर न चलें और बहुत अधिक भारी काम न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें। धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पिएं।

---

### पत्नी के साथ बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे गायक अरिजीत सिंह, चांदी द्वार से किया जलाभिषेक

**उज्जैन।** सुप्रसिद्ध गायक अरिजीत सिंह रविवार सुबह विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल की भस्म आरती देखने अपनी पत्नी कोयल राय के साथ पहुंचे थे। यहां अरिजीत सिंह बाबा महाकाल की भक्ति में लीन दिखाई दिए। उन्होंने नंदी हॉल की चौखट पर बैठकर भस्म आरती देखी और उसके साथ ही चांदी द्वार से बाबा महाकाल का जलाभिषेक भी किया। इस दौरान पत्नी कोयल राय ने भी बाबा महाकाल का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित आकाश गुरु ने बताया कि प्रसिद्ध गायक अरिजीत सिंह आज बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आए थे। यहां उन्होंने विधिवत बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन किया। अरिजीत सिंह की महाकालेश्वर के प्रति गहरी आस्था है और उनके इस दौरे को उनकी भक्ति के रूप में देखा जा रहा है।

---

# पानी के टैंकरों में जीपीएस के अलावा अब पानी बांटने वाले स्थान का फोटो खींचकर भेजना होगा

#### नगर निगम अधिकारियों ने झोनलों पर तैनात अधिकारियों को दिए निर्देश

सत्ता सुधार ■ इंदौर

शहर में नगर निगम ने खुद के और किराए के करीब तीन सौ टैंकर पानी बांटने के कार्यों में लगा रखे हैं। सुबह से लेकर देर रात तक अलग अलग क्षेत्रों में पानी बांटने का सिलसिला चलता रहता है, लेकिन इनकी मानीटरिंग करना टेढ़ी खीर रहा है, जिसके चलते अब निगम ने सभी टैंकरों में जीपीएस सिस्टम लगाने के साथ-साथ पानी बांटने वाले स्थानों पर ड्राइवर और कर्मचारियों को उस स्थान के फोटो खींचकर भेजने को कहा है।

मार्च के बाद से नगर निगम शहर के उन इलाकों में टैंकर से पानी सप्लाय शुरू कर देता है, जहां पानी की किल्लत ज्यादा रहती है। शहर के कई क्षेत्रों में दर्जनों नई कालोनियों में पानी नहीं मिलने की शिकायतों के चलते निगम द्वारा लगातार टैंकर दौड़ाए जा रहे हैं और इनकी संख्या भी लगातार बढ़ाई जा रही है। शुरुआत दौर में निगम ने 80 टैंकर पानी बांटने के काम में लगाए गए थे, इनमें टैंकरों के साथ-साथ कई ट्रैक्टर- टैंकर भी शामिल रहे हैं, अब निगम द्वारा गर्मी बढ़ने और शिकायतें आने के चलते किराये पर लिये गये टैंकरों की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। अब तक 220 टैंकर पानी बांटने के काम में लगाए गए हैं। कुल तीन सौ के आसपास टैंकर पानी बांटने के काम में जुटे है। झोनलों से लेकर कई अन्य स्तरों पर इसकी निगरानी की जा रही है। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक टैंकरों में पहले से ही जीपीएस सिस्टम लगाये गये थे, अब टैंकर के साथ पानी बांटने के लिए पहुंचे कर्मचारियों को पानी बांटने वाले स्थानों की फोटो खींचकर अधिकारियों को भेजना होंगे, ताकि सारी स्थिति स्पष्ट रहे।

---

**रोक** | पेड़ों को बचाने के लिए प्रोफेसरों ने सेव ट्री कैंपेन चलाया

# आईआईटी में पेड़ों को छांटने का काम प्रोफेसरों ने रुकवाया

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर के परिसर में हरे-भरे पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलने को लेकर प्रबंधन और प्रोफेसर आमने-सामने हो गए हैं। पेड़ों को बचाने के लिए प्रोफेसरों ने सेव ट्री कैंपेन चलाया। डायरेक्टर ने जब प्रतिनिधिमंडल की गुहार सुनने से इनकार कर दिया तो चेयरमैन को थोकबंद ई-मेल करते हुए शिकायत की गई। विवादों के चलते पाथ-वे बनाने का काम फिलहाल रुक गया है। हरियाली सहेजने के लिए आईआईटी में कई योजनाएं चल रही हैं। आईआईटी, इंदौर एकमात्र ऐसा आईआईटी है जिसे पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने कैम्पा के तहत नगर वन परियोजना के लिए चुना है। यहां नगर वाटिका के लिए 1.98 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। दूसरी ओर, आईआईटी के ही एक प्रोजेक्ट के कारण हरियाली दांव पर लग गई है। दरअसल, बारिश और धूप से बचने के लिए कैंपस में कांक्रीट के पाथ-वे का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए यहां बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाना हैं। कुछ पेड़ों की छंटाई शुरू होते ही संस्थान के प्रोफेसरों ने इसका विरोध शुरू कर दिया।

**जहां जरूरी था सिर्फ वहीं की गई है छंटाई**

आईआईटी प्रबंधन का कहना है कि होस्टल्स, क्लास रूम्स, लैबोरेटरीज, मैस के बीच हर मौसम में आनागमन सुविधाजनक करने के लिए पाथ-वे का निर्माण कराया जा रहा है। हम आश्वस्त करते हैं कि इसके लिए किसी भी पेड़ को उखाड़ा या हटाया नहीं गया है। जहां बहुत जरूरी था, सिर्फ वहीं पर शाखाओं की थोड़ी-बहुत छंटाई की है।

**विरोध-** काम रुकवाने के लिए आईआईटी के फैकल्टी फोरम के मेंबर पहले डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी से मिले। सूत्रों के अनुसार डायरेक्टर ने पाथ-वे को लेकर मेंबर्स की बात सुनने से इनकार कर दिया। इस कारण भी फैकल्टी मेंबर्स में काफी नाराजगी है। बाद में उन्होंने आईआईटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन को ई-मेल किए।

**डायरेक्टर से मिलकर दर्ज कराया**

---

### ब्राह्मण समाज का आग्रह, रेती मंडी चौराहे पर बन रहे ओवरब्रिज का नाम पं. मदनमोहन मालवीय रखें

**इंदौर।** श्री श्रीगौड ब्राह्मण समाज ने रेती मंडी चौराहा पर बन रहे ओवरब्रिज का नाम हिंदू, हिंदी और हिन्दुस्तान को पहचान देने वाले भारत रत्न महामना पं. मदनमोहन मालवीय के नाम से करने की मांग की है। इस मुद्दे को लेकर श्री श्रीगौड ब्राह्मण समाज के साथ सर्व ब्राह्मण समाज और सर्व समाज की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन और सरकार से अपील करते हुए ओवरब्रिज का नाम पं. मदनमोहन मालवीय के नाम से करने की मांग की है। महामना पं.मदनमोहन मालवीय ओवरब्रिज संघर्ष समिति के पं. आदित्य उपाध्याय और पं. मयंक व्यास ने बताया कि पूर्व में भी श्रीगौड ब्राह्मण समाज मुख्यमंत्री, महापौर, विधायक, पार्षद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन भी दे चुका है।

## ब्रीफ न्यूज

### टीएल बैठक कल

**मुरैना।** कलेक्टर अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में टीएल बैठक कल 22 अप्रैल को दोपहर 03 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में आयोजित की गई है। बैठक में समस्त अधिकारी उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

### लघु वेतन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष के घर से 8 लाख की चोरी

**मुरैना।** सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाली सब्जी मंडी स्थित जिला पंचायत कर्मचारी एवं मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष के सूने शासकीय आवास से अज्ञात चोर नगदी रकम एवं सोने चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। पीड़ित परिवार ने पुलिस को आवेदन देकर कार्यवाही की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पंचायत कर्मचारी एवं मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष कप्तान प्रजापति द्वारा बताया गया कि बीते रोज उनके बड़े बेटे को पैरालाइस अटैक पड़ने से पूरा परिवार घर पर ताला डालकर दिल्ली गया हुआ था। जब बीती रात उनका छोटा बेटा आशीष घर लौट कर आया तो घर के अंदर देखा पीछे का गेट खुला हुआ था, जब अंदर कमरे में देखा तो बक्सा के कुंडी टूटी हुई मिली। देखने पर पता चला कि कोई अज्ञात चोर बक्से से 20 हजार नगद, एक सोने की चेन, दो मंगल सूत्र, दो जोड़ी झुमकी, तीन अंगूठी, तीन जोड़ी पायजेब, करधोनी, सोने का कोलर सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की कीमत लगभग 8 लाख रुपए के करीब बताई जा रही है। रविवार की सुबह पुलिस को सूचना दी गई, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया। उसके बाद कोतवाली थाने में अज्ञात चोर के खिलाफमामला दर्ज किया गया और उनकी तलाश शुरू कर दी है।

### भीषण गर्मी से आमजन बेहाल, नगर पालिका ने अब तक नहीं शुरू की प्याऊ

**सबलगढ़।** अप्रैल माह के बीच में ही तापमान 42 से 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है इसके चलते अब चिलचिलाती धूप और झुलसने वाली गर्मी से आमजल बेहाल हैं। ऐसे में लोगों की सुविधा के लिए सार्वजनिक प्याऊ की सुविधा सबलगढ़ नगर पालिका द्वरा अब तक शुरू नहीं की गई है। भीषण गर्मी के चलते इन दिनों आम राहगीर सहित बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को परेशानी हो रही है। यहां बता दें कि गर्मी के मौसम में आमतौर पर नगर पालिका मुख्य चौराहा, बस स्टैंड, राममन्दिर सहित अन्य बाजारों में आमजन के लिए प्याऊ लगाती रही है, लेकिन इस बार नगर प्रशासन द्वारा अब तक आमजन की सुविधा के लिए प्याऊ का कोई इंतजाम नहीं किया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस बार नगर के प्रमुख स्थलों पर ना तो पानी की टंकी रखी गई है और ना ही छांव की व्यवस्था की गई है।

# पगारे वाली माता मंदिर पर भरी जात, भक्तो ने दर्शन कर मांगी सुख समृद्धि व निरोगी रहने की कामना

### वार्षिक जात पर लगा मेला, चाट पकौड़ी व खिलौने की दुकानें सजी, देर रात तक हजारों श्रद्धालुओ ने किए दर्शन

सत्ता सुधार ■ जौरा

रविवार को अष्टमी के दिन नगर से इक किलोमीटर दूर बुरावली रोड़ स्थित पगारा वाली माता की जात के अवसर एक दिवसीय वार्षिक जात पर यहां मेला लगा। इस दौरान अल सुबह से देर शाम तक मंदिर पर भरी जात मेले में हजारों श्रद्धालुओ ने दर्शन कर माता की पोशाक, भेंट, नारियल चढ़ाकर अपने परिवार की सुख समृद्धि व निरोगी रहने की मन्नत मांगकर माता रानी की आराधना की। बता दें कि प्रतिवर्ष कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जौरा कस्बे से करीब एक किमी दूर बुराबली रोड़ स्थित प्राचीन पगारे वाली माता मंदिर की जात भरती है। रविवार को भरी माता की जात में पहुंचे श्रद्धालु भक्तो ने मंदिर परिसर में कन्या भोज भंडारे में पहुंची छोटी-छोटी कन्याओं का रोली चंदन लगाकर उपहार प्रदान किए गए। वहीं माता के मंदिर पर श्रद्धालू महिलाओं ने मंदिर परिसर में धाम कर माता का आर्शीवाद प्राप्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पगारे वाली माता के मंदिर का निर्माण दशकों पूर्व स्वप्न होने पर मंदिर का निर्माण जिंदल परिवार नरहैला वालों के द्वारा कराया गया था। उसके बाद अन्य सैकड़ो परिवारों ने भी माता रानी पर आस्था जताई और मन्नत पूरी होने के बाद मंदिर परिसर का विस्तार हुआ। इस दिन स्थानीय लोगों के अलावा सुदूर क्षेत्रों के सैकड़ों परिवार आस्था जताकर मां के दर्शन के लिए आते हैं और मनोकामना पूरी होने पर श्रद्धा अनुसार दान-पुण्य व भंडारे आदि धार्मिक आयोजन करते हैं। वहीं कई श्रद्धालु जात वाले दिन बच्चों के मुंडन संस्कार कराते हैं और कई श्रद्धालु मन्नत पूरी होने पर मंदिर में चुनरी व नेजे भी चढ़ाते हैं। विदित हो कि इस मंदिर को अग्रवाल समाज के एक जिंदल परिवार की कुल देवी के नाम से भी जाना जाता है।

# एसपी एवं एडिशनल एसपी सहित एसडीओपी ने किया थानों का आकस्मिक निरीक्षण, दिए दिशा निर्देश

सत्ता सुधार ■ मुरैना

पुलिस की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से विगत दिवस पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला मुख्यालय स्थित कुछ थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। वहीं दूसरी ओर संबंधित थानों के एसडीओपी ने भी अपने-अपने अनुभाग के थानों का औचक निरीक्षण किया गया।

उक्त निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा मुख्य रूप से थाने की हवालात को चैक किया गया, जिसमें हवालात में साफ-सफाई रखने, हवालातों के रोशनदान को बंद करने एवं हवालात के अंदर बने शौचालय की नियमित साफ-सफाई हेतु निर्देशित किया गया, निरीक्षण के दौरान सीसीटीव्ही कैमरों की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

सीसीटीव्ही कैमरों को लगातार चालू रखने, कैमरों हेतु बैकअप सिस्टम बेहतर रखने, हेतु थाना प्रभारी को निर्देश दिए गए एवं बताया गया कि यदि सीसीटीव्ही कैमरों में किसी प्रकार की कोई समस्या होती है तो उसके बारे में तत्काल वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराया जाये एवं सीसीटीव्ही कैमरों की स्क्रीन थाना प्रभारी के साथ-साथ एचसीएम कक्ष में भी अनिवार्य रूप से चालू स्थिति में रहे।

इसके अतिरिक्त थाने पर रखे बलवा ड्रिल सामग्री की उपलब्धता जैसे बॉडीगार्ड, हेलमेट, जाली, लाठी आदि को भी चैक किया गया, थाना अभिलेख, ड्यूटी रजिस्टर, अपराध रजिस्टर का अवलोकन किया गया। मालखाने में रखे माल के संबंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। रात्रि ड्यूटी में तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को रात्रिकालीन गश्त में तैनात पुलिस बल को संपत्ति संबंधी अपराधों को दृष्टिगत रखते हुए प्रभावी गश्त करने एवं गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर अभिलेख संधारित करने संबंधी दिशा-निर्देश दिये गये। साथ ही थाना क्षेत्र के चिन्हित आदतन अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने, सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखने, सीएम हैल्पलाइन पोर्टल पर विभिन्न स्तरों पर लंबित शिकायतों के निराकरण हेतु प्रत्येक बुधवार को जनशिविर आयोजित किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देया दिए। थाना पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में नियमित रूप से पैदल मार्च निकाले जाने संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए। औचक निरीक्षण के दौरान जो अधिकारी व कर्मचारी थाने पर उपस्थित थे, उन्हें डयूटी के दौरान निर्धारित वेश-भूषा धारण कर उत्तम टर्नआउट में रहने, बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोडने, थाने पर उपस्थित व आने वाले आवेदकगणों को गंभीरता से सुना जाकर उनकी शिकायतों का विधिपूर्वक निराकरण करने के संबंध में निर्देशित किया गया।

### पशु चिकित्सालय मुरैना में चल रही भागवत कथा का समापन आज

**मुरैना।** इन दिनों पशु चिकित्सालय मुरैना में कथा व्यास महाराज श्री रुपेन्द्र शास्त्री जी द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का सुन्दर बखान किया जा रहा है। जिसमें गत दिवस श्री कृष्ण द्वारा माखन चोरी सहित बाल लीला का सुंदर वर्णन किया गया। इसके साथ ही समस्त बृजवासियों को इंद्र के कोप से बचा कर गोवर्धन महाराज को छप्पन भोग प्रसाद लगाने एवं जगतारेश्वर महादेव की बड़ी दिव्य और भव्य कथा का वर्णन किया। विदित हो कि गत 6 दिनों से चल रही कथा का आज भंडारे के साथ समापन होगा। आयोजित कथा में गत दिवस तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष रामनरेश डण्डोतिया द्वारा श्रीनाथ का चित्र देकर भगवताचार्य एवं परीक्षित का स्वागत किया। स्वागत करने वालों में रामनरेश डण्डोतिया के साथ अशोक शर्मा, डॉ राकेश शर्मा, बीर सिंह यादव, नीरज खेमरिया, मुरारी लाल मावई आदि मौजूद रहे।

# कृषि मंत्री श्री कंषाना हिंगोना पंचायत में पीड़ित परिजनों से मिले, बंधाया ढांढस

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जनपद की ग्राम पंचायत हिंगोना खुर्द में संजय जाटव पुत्र चिम्मन जाटव के दुःखद निधन पर किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया।

इस अवसर पर मंत्री श्री कंषाना ने उनके परिवार के लिए अपनी स्वेच्छा अनुदान से एक लाख रुपए की घोषणा की और घायल परिवार को इलाज हेतु स्वेच्छा अनुदान से 50 हजार रुपए की घोषणा की। मृतक परिवार के पिता एवं ताऊ व चाचा को दो-दो क्विंटल गेहूं खाने के लिए व्यवस्था करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के समस्त कार्यकर्ता एवं

जनप्रतिनिधि स्वयं पीड़ित परिवार के साथ है और आगे भी हर संभव मदद का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी ब्रजकिशोर दंडोतिया, बालकृष्ण शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। विदित हो कि विगत 14 अप्रैल की रात संजय जाटव उम्र 27 साल, रानू जाटव तथा गाँव के अन्य लोग बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में रैली निकालते हुए अम्बेडकर पार्क हिगोना खुर्द पर जा रहे थे। तभी गुर्जरों का पुरा हिगोनाखुर्द गांव में गुर्जर समुदाय के लोगों द्वारा गोली चला दी गई, जिसमें एक दलित युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई तो वहीं दूसरा हाथ में गोली फंस जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया था।

### नौगाँव तालाब की बंड पर किया जंगल सफाई का कार्य

**मुरैना।** जल संसाधन संभाग मुरैना के अधीन जल संसाधन ए.बी.सी. उपसंभाग क्र. 2 मुरैना के अनुविभागीय अधिकारी जी.पी.एस. भदौरिया तथा उपयंत्री सुरेश चन्द्र शर्मा एवं देवेन्द्र गौड के मार्गदर्शन में शनिवार को जल गंगा संवर्धन अभियान-2025 के अंतर्गत नौगाँव तालाब की बंड पर जंगल सफाई का कार्य जन भागीदारी व जन सहयोग से किया गया। सभी ने एक जुट होकर श्रमदान किया।

# कोर्ट मोहर्रिरों, कोर्ट मुशियों की समीक्षा बैठक में एडिशनल एसपी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सत्ता सुधार ■ मुरैना

माननीय न्यायालयों में कार्यरत कोर्ट मोहर्रिरों, कोर्ट मुशियों एवं थाने पर तैनात वारंट मुंशियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने एवं उनकी कार्यप्रणाली को और अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से सुरेन्द्र पाल सिंह डावर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुरैना के नेतृत्व में रविवार को पुलिस लाइन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में कोर्ट मोहर्रिरों, कोर्ट मुशियों एवं वारंट मुंशियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना द्वारा कोर्ट मोहर्रिरों को समय पर समंस वारंट जारी करने एवं जारी समंस वारंटो में सही नाम पता लेख करने हेतु निर्देशित करते हुए कहा कि समंस वारंट सजगता से जारी करेंगे, तो निश्चित ही संमस वारंट के तामीली के प्रतिशत में बढ़ोत्तरी होगी। अक्सर अधूरे नाम पता के कारण संमस वारंट की तामीली में दिक्कतें आती हैं। समंस वारंट जारी करते समय पूरा नाम पता, मोबाईल नम्बर आवश्यक रूप से लिखें, साथ ही जमानतदारों के नाम पता भी लिखें। सभी न्यायालय में कार्यरत कोर्ट मोहर्रिर यह दायित्व है कि न्यायालय से जारी होने वाले समस्त आदेशिकाओं की तामीली समय पर पहुँच जाये, यदि किसी थाने से देरी होती है तो उक्त संबंध में थाना प्रभारी एवं उनसे वरिष्ठ अधिकारी को अवगत करायें, ताकि न्यायालय द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को पत्राचार करने की स्थिति निर्मित न हो। चिन्हित अपराधों में स्वयं कोर्ट मोहर्रिर एवं संबंधित थाने का चालानी मुंशी नोडल अधिकारी से समन्वय कर अभियोजन पक्ष में साक्ष्य कार्यवाही करवाऐंगे। माननीय न्यायालय में विचाराधीन 25 वर्ष पुराने प्रकरण, 05 वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरण तथा जिन प्रकरणों में आरोपी वर्तमान में जेल में निरूद्ध हैं, ऐसे प्रकरणों की आदेशिकाएं प्राथमिकता के आधार पर शत प्रतिशत तामिल करावें।

# नेशनल हाईवे पर दिन भर जाम के हालात, पैदल निकलना भी हो रहा मुश्किल

सत्ता सुधार ■ जौरा

इन दिनों निरार माता की जात पर मेला भर रहा है तो वहीं सहालगों के कारण भी मुख्य नेशनल हाइवे की मुख्य सड़क से लेकर बाजारों में पल-पल ट्रैफिक जाम के हालात बन रहें हैं। मुख्य सड़क से लेकर बाजारों में जाम की स्थिति निर्मित होने के कारण टू व्हीलर वाहनों का निकलना तो छोड़िए पैदल राहगीरों का निकलना भी मुश्किल हों रहा है लेकिन यातायात व्यवस्था बनाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों का कोई ध्यान नहीं है। बता दें

कि इन दिनों नेशनल हाईवे 552 पर सुबह से शाम तक जाम के हालात बने हुए हैं। जाम लगने के पीछे प्रमुख रुप से इस समय दो कारण सामने नजर आ रहे हैं। वह यह है कि एक तो पगारा रोड़ तिराहे पर से निरार माता की जात मेले के लिए सुबह से देर रात तक सैकड़ों निजी वाहन यात्री बसें व ई-रिक्शा सवारियों को भरकर ले जा रहें हैं। वहीं सहालग अधिक होने के कारण नेशनल हाइवे पर भी वाहनों की संख्या काफी बढ़ी हुई है। मुख्य सड़क के साथ यही हाल बाजार की सड़कों व तंग गालियों में भी दिखाई दे रहा है। बाजार की सड़कों पर ई रिक्शा व बाइक सवार बड़ी संख्या में पहुंच रहें हैं। इन दिनों पगारा रोड़ के तिराहे से लेकर तिकोनिया पार्क पुराना बस स्टैंड व नया बस स्टैंड पर लगभग दो किमी तक की सुबह से लेकर देर रात तक सड़क पर जाम के हालात बने हुए हैं। यह हालात बीते एक सप्ताह से बरकरार बने हुए हैं, जिस कारण स्कूली बच्चों के वाहन व एंबुलेंस भी समय पर नहीं निकल पा रही है।

# वीरांगना अवंतीबाई के बलिदान दिवस पर निकाली जन जागरण यात्रा

सत्ता सुधार ■ पोरसा

अमर शहीद वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी के बलिदान दिवस के उपलक्ष में रविवार को जनजागरण यात्रा ग्वालियर से मुरैना वैरियर से होते हुए एमएस रोड सहित अनेकों स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। वहीं पोरसा के शिवम गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रीतम सिंह लोधी विधायक पिछोर व कार्यक्रम की अध्यक्षता दिनेश शर्मा ने की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष पातीराम सिंह लोधी, भंमर सिंह नरवरिया, परिमाल नेताजी, दशरथ सिंह जिला पंचायत सदस्य, रणवीर सिंह, पूर्व उद्यान अधीक्षक, हरिओम गुप्ता, भवर सिंह एडवोकेट, अनिल नरवरिया, राजेश राजपूत, रमेश उपाध्याय, राहुल तोमर शासकीय ठेकेदार, अमन तोमर नगर पालिका उपाध्यक्ष, राहुल तोमर रिटायर सैनिक, रुदावली सरपंच राकेश लोधी,

शिवकुमार लोधी, संदीप लोधी, प्रेम शंकर नरवरिया, राजेश नरवरिया आदि पांच सैकड़ा लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर विधायक प्रीतम लोधी ने स्वागत सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस जनजागरण यात्रा का उद्देश्य है कि सभी समाजों द्वारा आपसी तालमेल बनाकर कार्य किया जाए जिससे सामाजिक समरसता का विकास हो सके और लोग राष्ट्र निर्माण में भागीदारी बने। उन्होंने कहा कि समाज को समृद्धशाली, शिक्षित बनकर स्वाभिमान बनाए रखने का कार्य करना चाहिए। देश सर्वोपरि है, इसलिए समाज शिक्षित होकर एकता के साथ कार्य करेंगे। इस क्रम में अवंतीबाई कॉलोनी व बड़ागांव पर नेत्रपाल सिंह, उमेश सिंह, कल्ला उर्फ धर्मेंद्र सिंह, उमरिया पुरा पर जिला पंचायत सदस्य देशराज कुशवाह, पचपेड़ा होते हुए परदू का पुरा पर रणवीर सिंह के नेतृत्व में वीरपाल, दशरथ सिंह, पातीराम सिंह जिला अध्यक्ष लोधी समाज द्वारा स्वागत किया गया। इसके बाद शिवम कॉलेज में पातीराम सिंह लोधी जिला अध्यक्ष लोधी, भमर सिंह नरवरिया, दिनेश शर्मा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया।

### जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में जागरूकता लाने मेहंदी एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

**सबलगढ़।** म.प्र.जन अभियान परिषद ब्लॉक सबलगढ़ द्वारा ब्लॉक समन्वयक श्री मती बंदना सगर के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में जागरूकता लाने के लिये मेहंदी प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन अन्नपूर्णा देवी शिक्षा समाज एवं सांस्कृतिक समिति सबलगढ़ द्वारा शा. कन्या शाला उ. मा. वि में कराया गया।

नवांकुर संस्था प्रभारी शशिकांत मरैया ने बताया कि जल संरक्षण आज के समय की एक अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है जल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। जल संरक्षण का अर्थ है पानी का सही तरीके से उपयोग करना। कार्यक्रम में परामर्शदाता महेश नारोलिया, मुकेश जाटव, धीरज सिंह जादौन, वर्षा जादौन, ओमवती जाटव कार्यक्रम सी.एम.सी.एल.डी.पी. छात्रा सानवी त्रिवेदी, राखी पुरोहित मधु माहौर, ममता नामदेव, दक्षता जगनेरिया, शिवानी वर्मा, ममता शाक्य, कृष्णा मीणा, रेनू प्रजापति, रूबी शर्मा व कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग छात्र गोलू राठौर, शनि अर्गल का रहा।

## ब्रीफ न्यूज

### सिख धर्म के 5 वें गुरु अर्जुन देव जी का प्रकाश पर्व मनाया

**सीहोर।** सिख धर्म के गुरु अर्जुन देवजी का प्रकाश पर्व मनाया गया। इस मौके पर रविवार को लंगर का आयोजन शहर के गंगा आश्रम स्थित श्री गुरुद्वारे में किया गया था। जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इससे पहले अखंड पाठ का सुबह साढ़े नौ बजे संपूर्णता किया गया। इस संबंध में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष गुरुमित सिंह दुआ, सचिव राजिन्दर सिंह लांबा ने बताया कि पाठ के बाद कीर्तन दरबार का आयोजन किया, वहीं लंगर का आयोजन किया गया।

### वन्य प्राणियों के लिए झिरिया निर्माण का कार्य शुरू

**हरदा।** जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कार्य जिले में कराये जा रहे हैं। इसी क्रम में वन विभाग द्वारा भी वन्य प्राणियों के लिए पानी की भरपूर व्यवस्था के उद्देश्य से झिरिया निर्माण कराया जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी वन ओम प्रकाश बिडारे ने बताया कि जिले के वन परिक्षेत्र मकड़ाई की रतनपुर बीट के अंतर्गत वन्य प्राणियों के लिए पेयजल व्यवस्था हेतु झिरिया निर्माण कार्य कराया गया। इसके अलावा वन परिक्षेत्र मकड़ाई के ही जामन्या खुर्द क्षेत्र में भी वन्य प्राणियों की पेयजल व्यवस्था हेतु झिरिया निर्माण का कार्य कराया गया।

### जिले में बिक रहे है प्रतिबंधित गुटखा पाउच, नहीं कार्यवाही

**हरदा।** जदार्युक्त गुटखा पाऊच पर प्रतिबंध लगाकर शासन ने खूब वाहवाही बटोरी है। इस कदम से आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने वाला महकमा खुश तो है, लेकिन हकीकत में नहीं हुआ है। जिले के ग्रामिण क्षेत्रों में धड़ल्ले से प्रतिबंधित गुटखा पाऊच बिक रहे है, बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग जानकर भी अनदेखी कर रहा है। जिले की अनेक दुकानों में दुकानदार चोरी छिपे पाऊच बेच रहे है। प्रतिबंध अवैध ढंग से सप्लाई करने वाले जिम्मेदारों के गुटखा की बिक्री संरक्षण में खेल रहे खेल बिलकुल भी बंद कम नहीं हुए। शौकीनों का गुटखा चबाना इन दिनों फैशन बन चुका है। हर आयु वर्ग के लोग, चाहे वह बूढ़ा हो या फिर युवां, यहाँ तक महिलाएं भी जदार्युक्त पाउच की शौकीन है। एक पुराना दौर था जब बड़े लोग पान चबाना अपनी शान समझाते थे। किसी बड़े उत्सव या सामाजिक बैठकों में लोगों को आदर के साथ पान पेश किया जाता था। बदलते दौर में पान की जगह गुटखे ने ले लिया है। लगने से दुकानदारों को और भी मुनाफा हो रहा है। यह वास्तविक दर से अधिक कीमत पर ग्राहकों को पाऊच बेच रहे है। पहले तो गुटखा पाऊच दो रूपए में मिलता था। लेकिन अब वह किमत बढ गई है लेकिन पाऊच में अभी भी दो रूपए ही प्रिंट रेट लगा हुआ है। इसके बाद भी न तो खाने वालों ने खाना बंद किया और बनाने वालों ने बनाना। गुटखा निर्माताओं की ऊँची पहुंच के चलते यह आसानी से नगर के दुकानों में उपलब्ध हो जाते है, लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारी भी मूकदर्शक है, तभी तो प्रतिबंध के बाद भी बाजार में जदार्युक्त पाउच नजर आ रहा है।

# अखाद्य बर्फ में नहीं किया जा रहा नीला रंग, छः बर्फ फैक्ट्रियों में खाद्य बर्फ की जांच जारी

**खाने वाली खाद्य बर्फ का रंग सफेद होना चाहिए। जबकि अखाद्य बर्फ का रंग नीला होना चाहिए, लेकिन जिले में दोनों ही बर्फ का रंग एक जैसा सफेद बनाया जा रहा है।**

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले में लगभग छः बर्फ फैक्ट्रियां है। जिनमें से दो हरदा, दो खिरकिया और एक टिमरनी, सिराली में हैं और सभी फैक्ट्रियों में खाद्य बर्फ का अर्थात सफेद रंग वाली बर्फ बनाई जाती है। पूर्व में खाद्य एवं औषधी प्रसंस्करण विभाग ने बर्फ निर्माताओं के लिए आदेश जारी किया था कि वे अखाद्य बर्फ को नीला रंग में तथा खाद्य बर्फ को सफेद रंग में बनाएंगे। वर्तमान में गर्मी बढ़ने के साथ-साथ बर्फ की खपत भी लगातार बढ़ने लगी है, लेकिन बर्फ का निर्माण करने वालों ने बर्फ का रंग नहीं बदला है। नियमों की धज्जियां उड़ाकर

लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अधिकारियों ने कोई कार्यवाही शुरू नहीं की है।

### अखाद्य बर्फ को नीला किया जाना है अनिवार्य

अखाद्य बर्फ का रंग खाद्य विभाग ने नीला रखा है। बर्फ का नीला करने के लिए फैक्ट्री संचालकों को पानी में खाने का रंग यानि इंडिगो केररामइन या ब्रिलियंट ब्ल्यू को 10 पीपीएम तक मिलाना था। इससे बर्फ का रंग बदल जायेगा और वह नीली दिखनी लगेगी। जिससे आसानी से पता चल जाएगा कि बर्फ खाने वाली है। इस वर्ष का उपयोग खाद्य पदार्थों को ठंडे करने में किया जाना चाहिए।

### दो तरह के बर्फों का होना है निर्माण

बर्फ फैक्ट्रियों में दो तरह की बर्फ का निर्माण होना चाहिए लेकिन मुनाफा कमाने के चक्कर में सिर्फ एक ही तरह की बर्फ का निर्माण किया जाता है। खाद्य बर्फ का रंग सफेद होना चाहिए जबकि अखाद्य बर्फ का रंग नीला होना चाहिए। लेकिन वर्तमान में दोनो ही बर्फ का रंग एक जैसा बनाया जा रहा है। अखाद्य बर्फ बनाने वाले खाद्य बर्फ बनाकर बेचते है और दुरूपयोग करते हैं। सनद रहे कि अखाद्य बर्फ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है। इसलिए खाद्य एवं औषधी प्रसंस्करण विभाग ने बर्फ के रंग बदलने के आदेश जारी किए थे। लेकिन कार्यवाही न होने से शहर व जिले की कोई भी बर्फ फैक्ट्री ने बर्फ का रंग नहीं बदला है।

### नियमों की उड़ रही धज्जियां

बाजार में बिकने वाली बर्फ का रंग सफेद होता है। ऐसे में पता नहीं चलता कि कौन सी बर्फ खाने वाली है और कौन सी खाद्य पदार्थों को ठंडा करने वाली है। जिन स्थानों पर बर्फ का निर्माण किया जाता है वहां नियमों व साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जाता है। जिले में कई स्थानों पर बर्फ बनने की जानकारी विभाग को है लेकिन ऐसे कई स्थान है जहां बर्फ का निर्माण किया जा रहा है। गर्मी में सबसे ज्यादा बर्फ की खपत होती है छोटे-छोटे ठेलों व जूस की दुकानों पर यह बर्फ की बिक्री होती है इस दौरान नियमों का पालन नहीं होता है।

### इन नियमों का करना है पालन

खाने वाली बर्फ सफेद रंग की होगी। इसे बनाने के लिए पीने योग्य पानी का उपयोग करना चाहिए। खास बात यह है कि बर्फ को बनाने के लिए बर्फ फैक्ट्रियों को पानी के सैंपल की जांच एनबीएल से करानी होगी। यदि पानी सही है और उसकी रिपोर्ट खाद्य सुरक्षा विभाग को देनी होगी। साथ ही खाद्य सुरक्षा विभाग समय-समय पर बर्फ फैक्ट्रियों का निरीक्षण भी करेगा। जिले में कई स्थानों पर गंदे पानी से बर्फ का निर्माण हो रहा है और जिसकी सप्लाई की जा रही है।

### क्या कहते जबाबदार

आपके द्वारा जानकारी संज्ञान में लाई गई इसके तहत जिले के क्षेत्रों में 6 सैंपल लेकर लैब भोपाल भेजे गए हैं।

**डॉक्टर एच.पी. सिंह, सी.एम.एच.ओ., हरदा।**

# जबेरा विस क्षेत्र के तेंदूखेड़ा तहसील अंतर्गत ग्राम पांजी में एक सभा को किया संबोधित

## पीएम मोदी का संकल्प हर गांव में वाटरशेड कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण का कार्य किया जाये

### ब्लॉक की 10 पंचायतों का किया गया चयन

सत्ता सुधार ■ दमोह

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का संकल्प है, कि हर गांव में वाटरशेड कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण का कार्य किया जाये। हम देखते हैं, कि गर्मी आती है, ताल, तलैया, तालाब ये सब सूख जाते हैं, और गर्मी में पानी की बड़ी समस्या लोगों को होने लगती है। इन समस्याओं से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में और हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के मार्गदर्शन में यह जल संवर्धन का अभियान जिसको अभी मुख्यमंत्री जी ने नाम दिया है, जल गंगा संवर्धन अभियान। इस अभियान के अंतर्गत ये वाटर शेड के काम विभिन्न पंचायतों में होंगे। इस आशय के विचार प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने जबेरा विधानसभा क्षेत्र के तेंदूखेड़ा तहसील अंतर्गत ग्राम पांजी में एक सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। संस्कृति राज्य मंत्री

धर्मेंद्र सिंह ने कहा वाटरशेड से संबंधित कार्यक्रम यहाँ पर रखा गया है और आपको बताना चाहता हूँ, की ब्लॉक की 10 पंचायतों का चयन इसमें किया गया है, जिसमें पिंडरई पांजी भी शामिल है, जो बड़ी पंचायत है। इसमें 25 लाख तक के काम सरकार के द्वारा होंगे और जो छोटी पंचायत है, उनमें 10 लाख से शुरू होकर 15 लाख रुपए, कहीं 20 लाख रुपए से ऐसे काम वाटर शेड के इन 10 पंचायतों में अपनी सरकार के माध्यम से शुरू करेंगे। राज्य मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह ने कहा तेजगढ़, हर्रई, सिंगौरगढ़, जामुनखेड़ा, रामखेड़ा, अजीतपुर, सैलवाड़ा, बम्होरी, पांजी, झरौली, खमरिया कलाँ पंचायत में भी काम होगें। उन्होंने कहा अब क्षेत्र के हर खेतो में सिचाई का पानी पहुँचाने की दिशा में कार्य करने का संकल्प है, केन-बेतवा परियोजना 40 लाख करोड़ की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी से केन-बेतवा परियोजना को ब्यारमा नदी से जोड़ने की बात रखी गई थी, वह पूरी हुई, इसके लिए अब ब्यारमा नदी पर घटेरा के समीप डेम बनेगा वहाँ से पाइप लाइन के माध्यम से क्षेत्र के खेतों मे पानी पहुँचेगा। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा, प्रदेश में 2600 रूपये प्रति क्विंटल के मान से किसानों का गेहूँ खरीदा जा रहा है। सरकार ने गरीबो के कल्याण के लिए खजाना खोल दिया है। देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी का संकल्प हैं, गरीब आदमी को पक्का आवास हो, इस दिशा में काम चल रहा हैं। ग्राम पंचायत में 413 लोगो के नाम जोड़े गये हैं, इनके आगामी 3-4 साल में पक्के आवास बन जायेंगे। उन्होंने कहा जिनका नाम नहीं जुड़ा हैं वे अभी भी अपना नाम जुडवा लें। इस पंचायत में 385 बहनों का लाड़ली बहना योजना तथा 650 किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के तहत राशि दी जा रही हैं। कार्यक्रम को सांसद प्रतिनिधि सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्री लोधी ने वाटर शेड जागरूकता रथ को हरी झडी दिखा कर रवाना किया।

# घर घर जाकर मतदाताओं से संपर्क साधेगी कांग्रेस

### कांग्रेस जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित

सत्ता सुधार ■ सीहोर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निदेर्शानुसार जिला समन्वय समिति के समस्त सदस्यों की उपस्थिति एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि सीहोर जिला सहप्रभारी दिनेश मेघवानी के मुख्य अतिथ्य व पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाश परमार, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ.बलवीर तोमर, पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल के विशेष आतिथ्य में बैठक आयोजित की गई। राजीव गुजराती द्वारा स्वागत भाषण के साथ बैठक की शुरुआत की। उक्त बैठक में सहप्रभारी दिनेश मेघवानी द्वारा कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा कर राणनिती तैयार की गई। जिसमें प्रमुख रूप से जिलों में शेष जिला स्तरीय अनुशासन के मामलों पर विचार निर्णय एवं कार्यवाही पर चर्चा की गई। मतदाता सूची के प्रभारी नियुक्त कर उनके कार्य को सुचारू प्रारंभ कराने पर रणनीति बनाई गई। घर-घर जाकर मतदाताओं आमजन से मिलने का समयवद्ध कार्यक्रम बनाया गया। जिले में कांग्रेस कैसे सक्रिय हो एवं आगामी समस्त चुनाव कैसे जीते जाए इस पर गंभीरता के साथ चर्चा कर उचित दिशा निर्देश दिये गये। उपस्थित बैठक में समन्वय समिति के सदस्यगण, आमंत्रित सदस्यगण, समस्त ब्लाक अध्यक्ष उपस्थित रहे, जिन्होने अपने-अपने सुझाव सांझा किये। बैठक में प्रमुख रूप से हरपाल ठाकुर, गणेश तिवारी, विक्रम मस्ताल, रामचन्दर मीणा, मोतीलाल मालवीय आदि उपस्थित रहे।

# बाल विवाह के विरोध में नगरपालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर का सशक्त संकल्प

सत्ता सुधार ■ सीहोर

नगरपालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर ने बाल विवाह के खिलाफ सशक्त शपथ लेते हुए स्पष्ट किया कि वे किसी भी रूप में बाल विवाह का समर्थन नहीं करते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि किसी भी बाल विवाह की जानकारी प्राप्त होती है, तो सम्बंधित विभाग महिला बाल विकास कार्यालय सीहोर, चाइल्ड हेल्प लाइन टोल फ्री नंबर 1098 अथवा एक्सेस टू जस्टिस के ज़िला प्रभारी सुमित गौर को तुरंत सूचित करें, ताकि बच्चों के जीवन को एक नई दिशा देने में सहायता मिल सके। श्री राठौर ने कहा कि समाज को इस कुप्रथा से मुक्त कराने के लिए सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइज़ेशन द्वारा चलाए जा रहे

बाल विवाह उन्र्मलन अभियान की सराहना की और आश्वस्त किया कि वे स्वयं इस मिशन का हिस्सा बनकर सीहोर ज़िले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। इस जागरूकता अभियान में सीहोर ज़िला प्रभारी सुमित गौर भी सक्रिय रूप से शामिल रहे और उन्होंने भी समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने की प्रतिबद्धता जताई। यह अभियान न केवल एक सामाजिक चेतना का प्रतीक है, बल्कि बच्चों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम भी है।

### दीपक तिवारी बने राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष

**हरदा।** मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला निर्वाचन मुकेश जैन मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ प्रदीप रिछारिया प्रांतीय उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ, जितेंद्र सोनी विभाग प्रमुख नर्मदापुरम, जिलाध्यक्ष मुकेश धामन्दे जिला मंत्री प्रबल पंवार भारतीय मजदूर संघ द्वारा होटल बागवान में संपन्न कराये गये। जिसमें सर्वसम्मति से दीपक तिवारी को जिलाध्यक्ष, जगदीश टेमले जिला सचिव, कैलाश मालवीय को जिला कोषाध्यक्ष एवं संजय पराशर को कार्यकारी जिलाध्यक्ष बनाया गया। जिला कार्यकारणी में संतोष गौर को प्रदेश प्रतिनिधि एवं अजय कुशवाह, नारायण राठौर, योगेश तिवारी, आशीष साकल्ले, श्रीमती ज्योति वर्मा, मनोज पाराशर, देवेंद्र सावनेर को कार्यकारणी सदस्य नियुक्त किया गया।

# वंशकार समाज को मिलेगा सामुदायिक भवन, 14 लाख की लागत से होगा निर्माण

सत्ता सुधार ■ सीहोर

शहर में सड़क और नालियों के अलावा विभिन्न वार्डों में अनेक समाज के लोगों के लिए नगर पालिका परिषद के द्वारा सामुदायिक भवनों का निर्माण कार्य भी किया जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने वंशकार समाज की मांग को देखते हुए शहर के वार्ड क्रमांक 15 में करीब 14 लाख रुपए की लागत से बनाए जाने वाले इस भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस मौके पर अनेक पार्षदों के अलावा क्षेत्रवासी और वंशकार समाज के पदाधिकारी मौर्जद थे। इस संबंध में वंशकार समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि समाज के लोगों के लिए बनाया जाना है, ताकि वे सामाजिक कार्यक्रमों, बैठकों और अन्य गतिविधियों का आयोजन कर सकें। इसको लेकर समाज के लोगों ने

नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर का आभार व्यक्त किया है। शहर में महानगर की तर्ज पर विकास कार्य किया जा रहा है। भूमि पूजन के दौरान मुख्य रूप से अर्जुन राठौर, नरेन्द्र राजपूत, विजेन्द्र परमार, कमलेश राठौर, कमलेश कुशवाहा, घनश्याम यादव, राहुल राय, प्रदीप गौतम, राजेश मांझी के अलावा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल थे। भूमि पूजन के दौरान क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहाकि नगर पालिका के द्वारा कचरा वाहन चलाए जा रहे है। इसमें कचरा एकत्रित कर डले, नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी इस कार्य में निरंतर कार्य कर रहे हैं, किसी को भी कोई दिक्कत होता है तत्काल मुझे संपर्क करें ताकि आपका समस्या का मैं निराकरण कर सकूं। क्षेत्र को साफ सुथरा रखना हम सबका कर्तव्य है।

# जल संसाधन विभाग खंड सीहोर को छोड़कर प्रधानमंत्री जी के स्वच्छता अभियान का पूरे भारत में असर

सत्ता सुधार ■ सीहोर

देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत का संकल्प लेकर अभियान चलाया उनके इस अभियान का सभी राज्यों ने अति हर्ष के साथ स्वीकारते हुए स्वच्छता को तूफानी अंजाम देकर धीरे धीरे घरों में चौपालों पर सड़कों पर धार्मिक स्थानों के आसपास लॉजों, धर्मशालाओं, नालियों यहां तक की आज बड़े अस्पतालों व सघन तंग गलियों के बाजारों में आदि कहीं भी गंदगी व कचरा नहीं देखने को मिलता है। क्योकि इस स्वच्छता अभियान को हिन्दुस्तान के बच्चे बच्चे ने सराहा व तहदिल से साथ दिया। लेकिन अफसोस है कि मोदी जी के इस सर्वव्यापी स्वच्छता अभियान का जल संसाधन विभाग खंड सीहोर ने नहीं अपनाया। और पूरी तरह से नकार दिया। तभी तो डिवीजन सीहोर के कार्यालय

बाउन्ड्री के अंदर प्रांगण दीवार के समीप कागज के बड़े बड़े गंदे पुस्ठे, सभी प्रकार का कचरा, पशु पक्षी द्वारा की गई बीट व गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि माननीय प्रधानमंत्री जी के स्वच्छता जैसे अभियान को पूर्णता नकारते हुए फेल करने का जल संसाधन विभाग खंड सीहोर ने बीड़ा उठाया है।

**रखरखाव** सुबह या शाम के समय ही जायें। आरामदायक, सूती और हल्के रंग के पतले और ढीले कपड़े पहने

# बदलते मौसम में खान-पान का रखें विशेष ध्यान, लू से बचें

सत्ता सुधार ■ हरदा

स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे बदलते मौसम में खान-पान का ध्यान रखें। अधिक पानी वाले मौसमी फल और सब्जियां जैसे तरबूज, खीरा, संतरा आदि खाएं। अक्सर पानी तथा नमकीन पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी और ओआरएस का घोल पियें। घर के अंदर तथा छायादार स्थानों पर रहें। अगर काम के लिये बाहर जाना आवश्यक हो तो कोशिश करें सुबह या शाम के समय ही जायें। आरामदायक, सूती और हल्के रंग के पतले और ढीले कपड़े पहनें। बाहर जाने पर छाता, टोपी अथवा तौलिया का प्रयोग करें। ठंढे पानी से अक्सर स्नान करें तथा कमरे का तापमान कम रखने के लिये पर्दा, पंखा आदि का उपयोग करें तथा लू लगने की स्थिति में ठंडा वातावरण बनाकर, ठंडे पानी का स्पंज और कपड़े में लिपटे बर्फ लगाकर जरूरतमंदों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करें।

**लू लगने के संकेत:** लू लगने के कारण होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है यदि आप

या कोई भी अन्य व्यक्ति लू के कारण होने वाले तनाव के लक्षणों का अनुभव करता है तो तत्काल चिकित्सक से संपर्क करें। चक्कर आना, जी मिचलाना, अत्यधिक प्यास लगना, पेशाब कम होना, सिरदर्द, हॉफना और दिल की धड़कन तेज होना आदि लक्षण लू लगने के संकेत होते है।

**डिहाइड्रेशन के लक्षण:** डिहाइड्रेशन अर्थात निर्जलीकरण के लक्षण सांस लेने में तकलीफ, होंठ सूखना या खून आना, स्किन ड्राई होना, सिर दर्द, सुस्ती और थकान, एकाग्रता में कमी, कब्ज, सांस में बदबू आना, मांसपेशियों में दर्द, पेशाब कम होना या उसका रंग बदलना, शरीर में पानी की कमी होने पर होती है। यह स्थिति तब पैदा होती है, जब शरीर से निकलने वाले पानी की मात्रा दिनभर में ली जाने वाली पानी की मात्रा से अधिक हो जाती है। व्यक्ति विशेष और शरीर में पानी की मौजूदगी के आधार पर समस्या की गंभीरता कम या ज्यादा हो सकती है। डिहाइड्रेशन अर्थात निर्जलीकरण से बचाव के उपाय लिये तरबूज, खरबूज, संतरा जैसे रसदार फल अधिक मात्रा में खाएं, ओरआरएस का घोल पिएं, नींबू पानी, छाछ, आम पन्ना, नारियल पानी या फ्रेश जूस पिएं, घर से बाहर निकलते वक्त पानी की बोतल साथ में लेकर जाएं, लगातार पानी पीते रहें, चाय-कॉफी अथवा गर्म पेय का सेवन करने से बचें।

### समरस विचार मंथनः वक्ताओं ने कहा-षड्यंत्रकारियों ने भारत पर राज करने के लिए पैदा किया अलगाव

# सनातन धर्म और समरसता एक-दूसरे का पूरकः मिथिलेशनंदिनी शरण

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

सनातन धर्म और समरसता एक-दूसरे का पूरक हैं। सनातन की मूल भावना सर्वे भवंतु सुखिनः, वसुधैव कुटुंबकम्, सियाराम मय सब जग जानी है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण महाकुंभ हैं। जिसमें हर जाति के लोग एक ही घाट पर एक ही धारा में स्नान बड़े ही श्रद्धा भाव के साथ करते हैं। यही नहीं देश के विभिन्न मंदिरों के भंडारे में भी ऊंच-नीच का भेद भाव देखने को नहीं मिलता है। यह बात अयोध्या की सिद्धपीठ हनुमन्निवास के आचार्य स्वामी मिथिलेशनंदिनी शरण महाराज ने समरस विचार मंथन कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता की आसंदी से कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.अरविंद कुमार शुक्ला ने की। विशिष्ट अतिथि लेखक, चिंतक एवं आलोट के विधायक चिंतामणि मालवीय, प्रख्यात विचारक मोहन नारायण, कोली समाज के राष्ट्रीय महामंत्री द्वारका प्रसाद शंखवार थे। प्रज्ञा प्रवाह मध्यभारत प्रांत, पुरुषार्थ सेवा संगठन एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मिथिलेशनंदिनी शरण महाराज ने हिंदू समाज की समरस परंपरा विषय पर कहा कि समाज सुव्यवस्थित तरीके से चले इसलिए मनु महाराज ने वर्ण व्यवस्था काम के आधार पर की थी। इसमें किसी का महत्व कम नहीं था। शरीर के अंगों की तरह सभी लोग एक-दूसरे के पूरक हैं। कोई किसी से कम नहीं है। महर्षि जावाल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वह दासी पुत्र थे। उनकी माता को नहीं पता था कि उनके पिता कौन हैं। उनकी योग्यता को देखते हुए उन्हें ऋषि ने दीक्षा दी थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो.शुक्ला ने कहा कि जिस तरह गुणवक्ता के आधार पर भूमि में अंतर होता है, उसी तरह व्यक्ति की क्षमता के अनुसार उसे कार्य करने का मौका मिलता है। लेकिन सभी जीवों में ब्रह्म तत्व एक ही है। कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यक्रम संयोजक सुधीर शर्मा ने कार्यक्रम की भूमिका के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत में सभी को जोड़े रखने का आधार धर्म रहा है। अतिथियों का स्वागत मनीष राजौरिया, रीना सोलंकी, डॉ.कुसुम भदौरिया, आशीष पांडेय, वर्षा सुमन ने किया। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक शर्मा ने किया।

#### भारत पर राज करने अंग्रेजों ने डाली थी फूटः मालवीय

दूसरे सत्र के मुख्य वक्ता लेखक, चिंतक एवं आलोट के विधायक चिंतामणि मालवीय ने समरस समाज को विभाजित करने के षड्यंत्र विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत को गुलाम बनाए रखने के लिए अंग्रेजों ने फूट डालो और शासन करो की नीति के तहत आर्य-अनार्य, दलित-सवर्ण के मुद्दे को उठाया था। यही नहीं तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की गलत नीतियों का फायदा उठाकर पादरियों ने पूर्वोत्तर राज्यों में हिंदुओं को ईसाई बनाया था। कार्यक्रम का संचालन डॉ.संदीप मौर्य ने किया।

#### हमने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दियाः मोहन नारायण

तीसरे सत्र में मुख्य वक्ता प्रख्यात विचारक मोहन नारायण जी ने समरस समाज के निर्माण में संतों, महापुरुषों एवं संगठनों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिया। कार्यक्रम का संचालन रामकिशोर उपाध्याय ने किया।

#### एकता और समरसता का प्रतीक महाकुंभः गुप्ता

चौथे सत्र में मुख्य वक्ता प्रख्यात फिल्म पटकथा लेखक एवं राजनीतिक विश्लेषक शांतनु गुप्ता ने समरसता का विराट स्वरूपः कुंभ मेला-अध्ययन, अनुभव एवं अनुभूति विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ राष्ट्रीय एकता और समरसता का प्रतीक है। यहां से दिव्यता का भी संदेश मिला। इस सत्र का संचालन कमल भदौरिया ने किया।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव 24 को विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 24 अप्रैल को ग्वालियर में करोड़ों रूपए के विकास कार्यों की सौगात देने के साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों में भी सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर में हजीरा क्षेत्र में स्थित फुटबॉल मैदान में आयोजित लोकार्पण समारोह में शहर को कई सौगातें प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिले के निरावली ग्राम में पहुंचकर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब के गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य में सहभागिता करेंगे। केन्द्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने रविवार को विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह की तैयारियों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की एवं आयोजन को पूर्ण भव्यता एवं गरिमा के साथ आयोजित करने के संबंध में दिशा निर्देश दिए।

# काव्य धारा मंच की मासिक काव्य संध्या संपन्न

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश काव्य धारा मंच की मासिक काव्य संध्या गांधी रोड ओल्ड सर्किट हाउस में संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता देश के ख्याति प्राप्त साहित्यकार धीरेंद्र गहलोत धीर डबरा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में असिस्टेंट डायरेक्टर लोक आयोजन भगवत सहाय श्रीवास्तव और विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विजय करुण रहे। आति विशिष्ट अतिथि के रूप में रामसेवक शाक्यवार स्वप्निल उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन अनिल राही द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सूत्रधार नयन किशोर श्रीवास्तव ने समस्त आए हुए अतिथियों का स्वागत एवं माल्यार्पण किया। कार्यक्रम की शुरुआत में मां सरस्वती की वंदना उमा उपाध्याय द्वारा की गई और अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

#### ये कविताएं पढ़ी

जुल्मों सितम के दौर में मारी है जिंदगी, सब कुछ लगा के दांव पर हरि है जिंदगी।

■ धीरेंद्र गहलोत 'धीर' डबरा

नहीं प्यार से कुछ बड़ा है यहां पर, मेरी बात दिल से लगा कर तो देखो, सुकून मिलता है देकर मोहब्बत का निवाला किसी फकीर को खिला कर तो देखो।

■ नयन किशोर श्रीवास्तव

तुम्हें चाहता हूं, भले तुम ना चाहो, कभी चाहा था तुमने, भले अब ना चाहो।

■ भगवत सहाय श्रीवास्तव

भगवा डूबा, संतरा हुआ, डेढ़ सौ भाव, आम पार्टी आम था, बीस नोट में पाव।

■ डॉ. विजय करुण

हादसा दर हादसा, सब आंसू बह गए, अब तो बाहर ए इश्क, मैं बस इश्क रह गए।

■ रामसेवक शाक्यवार 'स्वप्निल'

काव्य धारा की गंगा में बह जाने का मन करता है, कवियों की कविताओं में डूब जाने का मन करता है।

■ नरेश धारीवाल

जब तक मंदिर में बैठे हो, तब तक ही भगवान कहूंगा, मुझ में ताक-झांक मत करना, वरना मैं शैतान कहूंगा।

■ जगमोहन श्रीवास्तव

धरती उगल रही है आग, आसमान ढाया गर्मी की मार, गरीबों पर पड़ती है।

■ अनिल राही

नयन से नयन मिले, नजरों का इशारा था, प्रेम हमारा दिल जिलों को ना गवारा था।

■ डॉ. रमेश त्रिपाठी

मछंड हमारे प्यार की चाहत तुम्हें भी खूब आएगी, मगर फिर भी हम नहीं होंगे, हमारी याद आएगी।

■ गोपाल सिंह दंडोतिया

इस जगत को त्यागने की भूल मत करना, नहीं रंग और बाहर के सपनों से तुम डरना नहीं।

■ विजय शंकर श्रीवास्तव

हम वो हैं जिसको अपनी कोशिश से कुछ कम मिलता है, जब भी खुशियां ढूंढने निकले, राह में पहले गम मिलता है।

■ प्रतिपाल सिंह राजावत

चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, कहां सागर का खारा पानी मीठा पाई है, बदले में अपनी आंखों में नदी सागर से खारा जल ही लाई है।

■ सीता चौहान पवन

हे मां, अद्भुत ज्योति जगा कर भावों का संचार करो, शब्द शब्द अक्षत चंदन कर वाणी का सिंगार करो।

■ चेतना चौहान

जब भी बिगड़े जीवन की, सब कम दिखाई देते हैं, जीवन के पथ से भटकी तो राम दिखाई देते हैं।

■ उमा उपाध्याय

मेहर होकर खाली गया, सिकंदर राज ताज सब छोड़ गया, लूट लूट कर भरे खजाने, हाथ खोलकर अंत गया।

■ अनुभवी शर्मा

फिरंगियों की गोलियों से जितना हुआ रंज है, नौजवानों के सीने से निकला हुआ इंकलाब है।

■ माला श्रीवास्तव

## उपचार साथी चिकित्सक एवं मरीजों के बीच सेतु बनकर कार्य करेगाः शुक्ल

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा ग्वालियर में भी उपचार साथी योजना का फीता काटकर एवं दीप प्रज्वजलित कर योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपचार साथी की डायरेक्टर श्रीमती इंदुलेखा सिंह, श्रीमती सरिता शर्मा, ऑपरेशन हेड डॉ. हिमांशी निवारिया एवं अच्छेद्र सिंह कुशवाह द्वारा उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मंत्री ने कहा कि यह योजना अच्छी योजना शासन भी सहयोग करेग। उन्होंने बोला कि यह उपचार साथी हॉस्पिटल एवं मरीजों के बीच में एक सेतुः का कार्य करेगा।

# गौमाता के लिए पानी की टंकियों की सेवा शुरू

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

बजरंग भक्त मंडल के अध्यक्ष आशीष मंगल ने बताया कि मंडल द्वारा निरंतर की जा रही सामाजिक, धार्मिक एवं जनसेवा के अंतर्गत विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी भीषण गर्मी में गौमाता को पानी पीने हेतु टंकियों की सेवा प्रारंभ कर दी गई है। ताकि इस भीषण गर्मी में कोई भी बेजुबान प्यासा न रहे। साथ ही प्रति सप्ताह की जाने वाली गौभोग सेवा के क्रम में 561 किलो हरे चारे की सेवा जनकताल स्थित गौशाला में गुप्त रूप से शालिनी त्रिपाठी, गुप्त रूप से जौरा दीपक शर्मा, राजीव जादौन, संतोष शिवहरे, कीर्ति के सहयोग से की गई। टंकियों की सेवा एवं अन्य सेवाओं हेतु मंडल के मोबाइल क्रमांक 9200296000 पर संपर्क कर सकते हैं। सेवा में मंडल अध्यक्ष आशीष मंगल, सचिव राकेश मंगल, उपाध्यक्ष अमन गर्ग, हरीश अग्रवाल, राम किशोर मंगल, कमल सिंह गर्ग, दीपक शर्मा, अंकित गोयल, संतोष शिवहरे, राजीव जादौन, सुशील

### नवीन कार्यकारिणी को दिलाई राष्ट्रहित में कार्य करने की शपथ, 51 लोगों का हुआ सम्मान

# एनएमओपीएस के सम्मेलन में उठी पुरानी पेंशन बहाली की मांग, मुख्यमंत्री व प्रभारी मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

नेंशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के तत्वावधान में रविवार को बाल भवन में संभागीय अधिवेशन, शपथग्रहण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, सुरेश राजे एवं वक्ता भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ थे। अध्यक्षता एनएमओपीएस के प्रदेशाध्यक्ष परमानंद डेहरिया ने की। स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण जाटव ने दिया। अधिवेशन के आरंभ में अजाक्स के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव ने अधिकारी एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया। इस मौके पर संगठन के प्रदेशाध्यक्ष परमानंद डेहरिया व जिलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण जाटव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट के नाम विधायक द्वय व भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य को ज्ञापन सौंपा। जिस पर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार और सुरेश राजे ने आश्वस्त किया कि अधिकारी एवं कर्मचारियो की मांगों को विधानसभा में रखा जाएगा एवं मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे। वहीं राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट के संज्ञान में लाएंगे। इसके बाद नवनिर्वाचित टीम को राष्ट्रहित में कार्य करने की शपथ दिलाई। वहीं मंचासीन अतिथियों के अलावा जिलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण जाटव, हीरानंद नरवरिया, मुकेश बघेल, अनिल मिश्रा ने समाज व संगठन हित में कार्य करने वाले 51 अधिकारी एवं कर्मचारियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संभागीय संयोजक निरंजन सिंह गुर्जर, राजीव पाठक, अतर सिंह जाटव, अरविंद दीक्षित, जानकी नंदन, सुरेन्द्र पिप्पल, मुन्नालाल शर्मा, होतम मौर्य, जयंती लाल, नंदकिशोर, प्रतिभा सिंह, आर.एस तरेटिया, देवीसिंह कौरव, अमर सिंह, नत्थाराम राजौरिया, फूलसिंह माथुर, झडा सिंह गोयल, राजेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे।

#### ये है एनएमओपीएस की मांगे

- नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) धारी शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी को पुरानी पेंशन बहाल की जाए। इनमें विशेष तौर पर नवीन शैक्षणिक संवर्ग (अध्यापक संवर्ग) के शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा में वरिष्ठता मान्य कर पेंशन, ग्रेच्युटी और अवकाश नगदीकरण का भी लाभ दिया जाए।
- एनपीएस शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी के सेवानिवृत्त उपरांत सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन यापन के अनुकूल अभी तक सिद्ध नहीं हुई है। अतः इसे अविलंब बंद की जाए।
- प्रस्तावित यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) से सम्बंधित जो नोटिफिकेशन जारी केन्द्र शासन द्वारा प्रसारित की है, उसमें शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी की सेवानिवृत्ति उपरांत सामाजिक सुरक्षा नहीं है। एनपीएस की अंशदान कटौती की राशि भी वापसी योग्य नहीं है। सेवा में रहते मृत्यु उपरांत पारिवारिक पेंशन के नियम भी विवादास्पद है। प्रस्तावित यूपीएस, एनपीएस से भी अधिक खतरनाक प्रतीत हो रही है, अतः इसे लागू नहीं किया जाए।
- नेशनल पेंशन स्कीम धारी केन्द्रीय कर्मचारियों, अधिकारियों की तरह मध्यप्रदेश के कर्मचारी, अधिकारी की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर परिवार के सदस्यों को पारिवारिक पेंशन का लाभ एवं 2005 के पूर्व नियुक्त कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में भी दिया जाए।

# ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दीदी डॉ. रतनमोहिनी को दी श्रद्धांजलि

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

विश्वव्यापी आध्यात्मिक संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका रहीं राजयोगिनी दादी डॉ. रतनमोहिनी के अव्यक्तारोहण के 13वें दिन माधवगंज स्थित प्रभु उपहार भवन में दादी के निमित्त श्रद्धांजलि का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित हुआ। पहला सत्र प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक तथा दूसरा सायं 4 बजे से 6 बजे तक रखा। जिसमें ब्रह्माकुमारीज संस्थान से जुड़े सदस्यों के साथ-साथ शहर के विभिन्न वर्गों से लगभग 1000 से अधिक सम्मानीय नागरिकों ने शामिल होकर दादी को अपनी ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित किये। तत्पश्चात हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बीके प्रहलाद भाई ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर समाजसेवी डॉ. केशव पाण्डे, पार्षद अनिल शांखला, भाजपा मंडल अध्यक्ष अमर कुटे, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुधीर गुप्ता, आरोग्य भारती के पूर्व प्रान्त अध्यक्ष डॉ. एसपी बत्रा, डॉ. श्वेता माहेश्वरी, समाजसेवी एवं व्यापारी गजेंद्र अरोरा, राजेश चावला, अशोक पमनानी, विजेंद्र सिंह, देवेंद्र शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार अजय मिश्रा, सतेंद्र जैन, दाल बाजार से संतोष बंसल, सुरेश बजाज, विनोद ढींगरा, प्रभु दयाल, पंकज टहलावानी, लता राठौर, ममता अग्रवाल, ध्रुव योगी, संजय चौहान, माया चौहान, पूजा परिहार, तान्या ककवानी, बीके ज्योति बहन, बीके पवन, बीके सुनील, सुरभि, रोशनी, रुचि, हर्षित शर्मा, रवि गोसबी, सुरेंद्र बैस, कविता पमनानी, दिनेश यादव सहित 1000 से अधिक लोग शामिल थे।

## केंद्रीय राज्यमंत्री साहू का सांसद ने किया स्वागत

ग्वालियर। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू सांसद भारत सिंह कुशवाहा के ग्वालियर स्थित शासकीय निवास पर आए। इस अवसर पर सांसद श्री कुशवाहा ने केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू का शॉल श्रीफल देकर आत्मीय स्वागत किया। ग्वालियर सांसद और केंद्रीय मंत्री श्री साहू के बीच में समसामयिक और सामाजिक विषयों पर विस्तृत चर्चा भी हुई। इस अवसर पर ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत, महेश कुशवाहा, मंडल अध्यक्षगण सुधाकर पाठक, श्रीमती कमलेश कुशवाहा, महेंद्र डागौर, सन्नी बोहरे, डॉ. सुरेश श्रीवास, राजेश सेन, रामचरण श्रीवास, भूपेंद्र कुशवाहा, मिंटू पाल, मदन पार्षद आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# बाबा साहब अंबेडकर महान व्यक्तित्व थेः ज्योति उपाध्याय

■ डॉ. भीमराव अंबेडकर पखवाड़े के अन्तर्गत व्याख्यानमाला हुई

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती से जगारुकता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अन्तर्गत व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में विजयाराजे कन्या महाविद्यालय मुरार की प्राचार्य डॉ. ज्योति उपाध्याय उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक सुशील बरुआ ने की। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार लालता प्रसाद दोहरे, विशिष्ट अतिथि के रुप में जिला समन्वयक धर्मेन्द्र दीक्षित उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुये प्राचार्य डॉ. ज्योति उपाध्याय ने कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर एक महान व्यक्तित्व वाले व्यक्ति थे, जिन्होंने अपना जीवन देश और समाज के लिए समर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संभाग समन्वयक सुशील बरुआ ने कहा कि हम सभी को मिलकर समाज से जाति, धर्म व लिंग के भेदभाव को समाप्त करना होगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में उपस्थित लालता प्रसाद दोहरे ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये। संचालन रमन शिक्षा समिति के अध्यक्ष समाजसेवी हरिओम गौतम ने किया तथा उपस्थित लोगों का आभार जिला समन्वयक में धर्मेंद्र कुमार दीक्षित ने किया तथा समन्वयन विकासखंड समन्वयक श्रीमती प्रीति वाजपेयी ने किया। इस अवसर पर हरिकंठ सिंह बघेल, राजकुमार प्रजापति, लाखन सिंह, श्रीमती मंजू राठौर, श्रीमती उमा सोनी, भावना कुशवाह, उमेश सेंगर सहित बड़ी संख्या में छात्र- छात्राएं उपस्थित थे।

# एक अरसे बाद सुरों के आगोश में भीगी 'रजनी'

■ गंगादास की बड़ी शाला में पूरी रात सजी सुर साज की महफिल

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शहर के प्रतिष्ठित ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल सिद्धपीठ गंगादास की बड़ी शाला एक बार फिर अपने पुराने सांस्कृतिक दौर में लौटने को आतुर दिखी। शहर की प्रतिष्ठित संस्था रागायन द्वारा शाला परिसर में पूरी रात के लिए सजी सुर साज की महफिल में ग्वालियर ओर बाहर से आए कलाकारों ने एक से बढकर एक प्रस्तुतियां दी। राग यमन से शुरू हुई यह सभा राग भैरव के सुरों से संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं गुरु पूजन कर किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य यशवंत इंदापुरकर उपस्थित थे। जबकि अध्यक्षता रागायन के अध्यक्ष एवं सिद्धपीठ गंगादास की बड़ी शाला के महंत रामसेवकदास महाराज ने की। इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए श्री इंदापुरकर ने कहा कि रागायन शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने के लिए जो कार्य कर रही है वह अनुकरणीय है। उन्होंने इसके लिए रागायन और उससे जुड़े लोगों को बधाई दी और कहा कि वे ऐसे ही सांस्कृतिक सरोकारों से जुड़े रहें। कार्यक्रम का संचालन संजय देवले और डॉ. विकास विपट ने किया।

#### 30 से अधिक कलाकारों ने दी सांगीतिक प्रस्तुतियां

पूरी रात चली इस सभा में सुर साज के मुख्तलिफ रंग देखने को मिले। सभा में 30 से अधिक कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से रसिकों को भाव विभोर कर दिया। सभा का शुभारंभ डॉ. सुनील गोस्वामी के खयाल गायन से हुई। उन्होंने राग यमन में गायन की प्रस्तुति दी। इसके बाद डॉ अरुण धर्माधिकारी डॉ. स्वप्ना मराठे से लेकर डॉ. वीणा जोशी, विदुषी श्रीमती साधना गोरे, हेमांग कोल्हटकर, सुजल जैन, अखिलेश अहिरवार, अनूप मोघे आदि ने भी गायन की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दी। इसी क्रम वेदान्त विपट, अनुनय शर्मा, विकास विपट ने एकल तबला वादन प्रस्तुत किया। जबकि अमन वर्मा का हवाई गिटार वादन, अब्दुल हामिद खान का सारंगी वादन, एकता जैन का शास्त्री गायन भी रसिकों को सुनने को मिला। हारमोनियम पर नवनीत कौशल और अक्षत मिश्र की संगत लाजवाब रही।

## ब्रीफ न्यूज

### रॉयल्स का मनोबल कमजोर नहीं हुआ : कोच बहुतुले

**जयपुर।** राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने कहा है कि उनकी टीम को पिछले दो मैचों में करीबी हार मिली है पर इससे उसका मनोबल कमजोर नहीं हुआ है। बहुतुले के अनुसार इससे टीम में किसी तरह के डर का माहौल नहीं है। उसे दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ करीबी मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। बहुतुले ने कहा कि हमारी टीम अच्छा खेल रही है हालांकि परिणाम हमारे पक्ष में नहीं आ रहे हैं। टीम के साथ कोच राहुल द्रविड़ बने हुए हैं। साथ ही कहा कि हमारी टीम के खिलाड़ियों ने काफी क्रिकेट खेला है। उन्होंने कहा कि करीबी हार को स्वीकार करना कठिन होता है पर खेल इसी तरह से आगे बढ़ता है। टी20 प्रारूप में हमेशा ही काफी जोखिम रहता है। कोच ने कहा कि वे मैदान पर गलतियों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास गलतियों को कम करने पर है।

### यॉर्कर को अपनी सबसे अच्छी गेंद मानने हैं आवेश

**जयपुर।** लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा कि वह आईपीएल के आने वाले मुकाबलों में भी यॉर्कर फेंकने के प्रयास करेंगे। आवेश के अनुसार अभी तक उन्हें अधिक सफलता इसी प्रकार की गेंदबाजी से मिली है। राजस्थान के खिलाफ मैच में भी वह यार्कर से ही 3 विकेट लेने में सफल रहे थे। आवेश ने कहा, 'मैं यॉर्कर फेंकना जारी रखने की कोशिश करूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि यॉर्कर मेरी सबसे अच्छी गेंद है। मैं हमेशा किसी भी स्थिति में यॉर्कर फेंकने की कोशिश करता हूं। इस तेज गेंदबाज ने कहा है कि पिछले मैच में वह किसी तरह से दबाव में नहीं थे क्योंकि जब वह 18वें ओवर में गेंदबाजी करने आए तो रॉयल्स जीत की ओर बढ़ रहा था और उसके 8 विकेट बचे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा अपनी रणनीति पर अमल करने की कोशिश करता हूं।

### रॉयल्स के कप्तान पराग ने हार की जिम्मेदारी ली

**जयपुर।** राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हार से निराश हैं। इससे टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाओं को भी झटका लगा है। पराग ने कहा है कि वह हार की जिम्मेदारी लेते हैं क्योंकि उन्हें 19वें ओवर में ही मैच समाप्त कर देना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अंतिम ओवर में तेज गेंदजाज संदीप शर्मा ने 27 रन दे दिये थे जिससे भी सुपर जायंट्स को लाभ हुआ। रियान ने कहा, हमें नहीं पता कि हमने क्या गलत किया। हम अंतिम ओवर तक खेल में थे। मुझे शायद इसे 19वें ओवर में ही खत्म कर देना चाहिए था, मैं अपने को भी दोषी मानता हूं। हमें बस 40 ओवर तक एक साथ मिलकर खेलना है, तभी हम जीत सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया पर अंतिम ओवर नुकसानदेह रहा। हमें लगा कि हम उन्हें 165-170 पर रोक लेंगे। हमें लक्ष्य का सफलत से पीछा करना चाहिए था क्योंकि विकेट सही था पर कुछ खराब गेंदों से मैच हमारे हाथ से निकल गया।

# आईपीएल के इस सत्र में अब तक असफल रहे हैं ईशान

एजेंसी ■ मुम्बई

बांए हाथ के आक्रामक विकेटीपर बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल के इस सत्र में फ्लाप साबित हुए हैं। ईशान को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद ने मोटी रकम देकर खरीदा था। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही मैच में ईशान ने 45 गेंदों में शतक लगाकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी पर इसके बाद के मैचों में उनका बल्ला खामोश रहा है। ईशान ने की पहले मैच में खेली 106 रनों की पारी से हैदराबाद को जीत मिली थी पर उसके बाद से ही वह छह पारियों में एक में भी दो अंकों में नहीं पहुंच पाये। जिसके बाद से ही वह प्रशंसकों के निशाने पर हैं। गत दिनों राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक के दौरान किशन चोटिल हो गए थे और फील्डिंग के लिए नहीं लौटे थे। इसके कारण उनकी फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ रहा। हालांकि वह बाद के मैचों में खेले। वह सलामी हैं लेकिन हैदराबाद में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की मजबूत ओपनिंग जोड़ी के कारण उन्हें सत्र में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करनी पड़ रही है। अब अगर वह आगे के मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो ही उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभवना बनेगी।

अमेरिका में वाशिंगटन स्प्रिट के खिलाफ मुकाबले में फोरवर्ड एसले हेच सिर से गेंद को मारते हुए।

# केकेआर पर जीत के इरादे से उतरेगी गुजरात टाइटंस

### 7:30 बजे से खेला जाएगा मैच

एजेंसी ■ कोलकाता

आईपीएल में सोमवार को यहां के ईडन गार्डन स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम (केकेआर) अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस पर जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात की टीम अभी अंकतालिका में शीर्ष पर है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। वहीं दूसरी ओर आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में खेल रही केकेआर इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और छठे स्थान पर है। केकेआर के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। गुजरात की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और जोस बटलर पर आधारित है जबकि गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा और मो सिराज के अलावा स्पिनर साई किशोर पर आधारित रहेगी। केकेआर की बल्लेबाजी अजिंक्य रहाणे , क्विंटन डी कॉक , वेंकटेश अय्यर जबकि गेंदबाजी एनरिक नॉर्टजे, वरुण चक्रवर्ती पर निर्भर है।

इस मैदान पर अच्छा उछाल मिलता जिससे बल्लेबाजों के लिए शॉट खेलना आसान होता है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर बनते हैं। यहां तेज गेंदबाजों को शुरुआत में मदद मिलती है पर बाद में स्पिनरों को सहायता मिलती है। अब तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और गुजरात टाइटंस के बीच अब तक केवल 4 मुकाबले ही खेले गए हैं, जिसमें से दो मैच गुजरात ने वहीं एक मैच केकेआर ने जीता है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

### दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

**केकेआर :** अजिंक्य रहाणे (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नरेन, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, एनरिक नॉर्टजे, वरुण चक्रवर्ती, रमनदीप सिंह, नुकूल रॉय, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, अलवनिथ सिसौदिया, स्पेंसर जॉनसन, मोइन अली मयंक मारकंडे, रहमानुल्लाह गुरबाज, चेतन सकारिया।

**गुजरात टाइटंस टीम :** शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, वाशिंगटन सुंदर, करीम जनत, निशांत सिंधु, महिपाल लोमरोर, रविश्रीनिवासन साई किशोर, प्रसिद्ध कृष्णा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, अनुज रावत, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया, दासुन शनाका, गेराल्ड कोएत्ज़ी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र और गुरनूर बराड़।

### अभिषेक फिर केकेआर से जुड़े

**मुम्बई।** टीम इंडिया के सहयोगी स्टाफ से बाहर किये जाने के बाद अभिषेक नायर एक बार फिर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेकेआर) से जुड़ गये हैं। अभिषेक को गौतम गंभीर के भारतीय टीम के मुख्य कोच बनाये जाने के बाद सहायक कोच बनाया गया था पर टीम को कोई फायदा न होता देखकर भारतीय क्रिकेटर बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें बाहर कर दिया है। बोर्ड ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही बाहर था हालांकि उन्हें किस पद पर रखा गया है, इसकी घोषणा नहीं हुई है। अभिषेक के अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई को भी टीम से हटा दिया गया है। वहीं साल 2018-2024 तक केकेआर में शामिल रहे अभिषेक 2018 से 2024 तक कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे और गंभीर के कार्यकाल के दौरान उनके साथ थे। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार के बाद अभिषेक के प्रदर्शन पर सवाल खड़े हो रहे थे।

# आईपीएल में शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ की प्रबल दावेदार के तौर पर उभरीं

एजेंसी ■ मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लीग स्तर में 14-14 मैचों में से अभी तक सभी टीमों ने तकरीबन आधे 7-7 मैच खेल लिए हैं। इसके बाद चार टीमों गुजरात टाइटन्स, दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के 10-10 अंक हो गये हैं और ये सभी प्लेऑफ की दावेदार के तौर पर उभरी हैं। अंक तालिका में गुजरात पहले दिल्ली दूसरे , पंजाब तीसरे और लखनऊ की टीम चौथे स्थान पर हैं। अब अगर बची हुई टीमें 6 या मैचों में से तीन भी मुकाबले जीत जाती हैं तो आसानी से प्लेऑफ में पहुंच जाएंगेहैं। ऐसे में इन टीमों की प्लेऑफ की दावेदारी अन्य 6 टीमों से काफी मजबूत है। अंक तालिका में इस समय रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के 8 अंक है और वह पांचवे नंबर पर है। वह अगर आगे अच्छा खेलती है तो शीर्ष चार में पहुंच सकती है। छठे और सातवें नंबर की टीमें कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस ने 6-6 अंक 7-7 मैचों में प्राप्त किये हैं। राजस्थान रॉयल्स ने 8 मैचों में 4 अंक, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स ने 7-7 मैचों के बाद 4-4 अंक हासिल किए हैं। राजस्थान इस समय आठवें, सनराइजर्स हैदराबाद नौवें और चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) 10वें नंबर पर है।

**आईपीएल अंक तालिका**

| नंबर | टीम | मैच | जीते | हारे | अंक | नेट रन रेट |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | गुजरात टाइटंस | 7 | 5 | 2 | 10 | +0.984 |
| 2. | दिल्ली कैपिटल्स | 7 | 5 | 2 | 10 | +0.589 |
| 3. | पंजाब किंग्स | 7 | 5 | 2 | 10 | +0.308 |
| 4. | लखनऊ सुपर जायंट्स | 8 | 5 | 3 | 10 | +0.088 |
| 5. | रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु | 7 | 4 | 3 | 8 | +0.446 |
| 6. | कोलकाता नाइट राइडर्स | 7 | 3 | 4 | 6 | +0.547 |
| 7. | मुंबई इंडियंस | 7 | 7 | 4 | 6 | +0.239 |
| 8. | राजस्थान रॉयल्स | 8 | 2 | 6 | 4 | -0.633 |
| 9. | सनराइजर्स हैदराबाद | 7 | 2 | 5 | 4 | -1.217 |
| 10. | चेन्नई सुपर किंग्स | 7 | 2 | 5 | 4 | -1.276 |

मकाओं में जापान की इटो मिमा आईटीटीएफ सेमीफाइनल मैच में खेलती हुईं।

# जीत कर भी विश्वकप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम

एजेंसी ■ लाहौर

वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम यहां आईसीसी महिला विश्वकप क्वालीफायर मैच में थाईलैंड के खिलाफ जीत के बाद भी क्वालीफाई करने में विफल रही है। वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम ने इस एकदिवसीय मैच को 11 ओवर से पहले से जीत लिया पर इसके बाद भी वह नेट रन रेट में बांग्लादेश से पीछे होने के कारण भारत में इस साल के अंत में होने वाले विश्वकप के प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। इसी कारण मैच के बाद वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेटर रोने लगीं।

वेस्टइंडीज की टीम को विश्वकप में प्रवेश के लिए थाइलैंड से मिले 167 रनों के लक्ष्य को 10 ओवर या एक दो गेंद बाद तक हासिल करना था। ऐसे में वह बांग्लादेश को नेट रन रेट में पछाड़ देती और विश्वकप का टिकट हासिल कर लेती। वहीं अगर अगर टीम 10.5 ओवर में 166 रन बनाती और अगली गेंद पर छक्का लग जाता तो भी वेस्टइंडीज की टीम को प्रवेश मिल जाता पर ऐसा हुआ नहीं। वेस्टइंडीज की टीम ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 10.4 ओवर में 162 रन बना लिए थे। ऐसे में अगली गेंद पर चौका और आखिरी गेंद पर छक्का चाहिए थे। उस समय स्टीफन टेलर क्रीज पर थीं और उन्होंने जमकर शॉट लगाये। इस तरह टीम 10.5 ओवर में ही मुकाबला जीत गई पर उसका नेट रन रेट +0.626 ही रहा जिससे +0.639 रन रेट से बांग्लादेश को प्रवेश मिल गया।

## आईपीएल-2025 नये नियम का भी हुआ प्रभाव

# आईपीएल में हर सत्र के साथ बढ़ रही छक्कों की संख्या

एजेंसी ■ मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही अब तक हुए 1133 मैचों में 13614 छक्के लगे हैं। आईपीएल का अभी 18 वां सत्र चल रहा है। इसमें नये नियमों से भी मैच बल्लेबाजों के पक्ष में गया है और अधिक छक्के लगे हैं। इस सत्र में अब तक हुए 34 मैचों में ही 587 छक्के लगे हैं। इस प्रकार हर मैच में 17.2 छक्के लगे हैं। यह आईपीएल के किसी भी सत्र से ज्यादा है।

वहीं शुरुआती सत्र 2008 में 622 छक्के ही लगे थे। इस प्रकार प्रति मैच औसतन 10.72 छक्के लगे पर इसके बाद के सत्र से ही छक्कों की तादाद बढ़ने लगी। आईपीएल 2013 तक औसत छक्कों की संख्या 10 से कम रही लेकिन 2014 में यह बढ़कर 11.90 पहुंच गई। तब से हर मैच 10 से ज्यादा छक्के लग रहे हैं। इसका कारण 2022 में आये

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को भी माना गया है। इसके बाद छक्कों की संख्या में काफी तेजी आई है। एक अतिरिक्त खिलाड़ी होने की वजह से टीमें ज्यादा जोखिम लेने लगी है। 2022 में पहली बार लीग में 1000 से ज्यादा छक्के लगे। प्रति मैच छक्कों की संख्या पहली बार 14.35 रही। वहीं साल 2023 में यह पहली बार 15 के ऊपर पहुंच गई। उस सीजन 74 मैचों में कुल 1124 छक्के लगे थे। हर 15.34 गेंद के बाद एक छक्का लग रहा था।

वहीं 2024 सीजन में ओर तेजी देखी गयी। इस दौरान 8 बार टीमों ने 250 से ज्यादा रन बनाये। आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर 287 रन रहा। 262 रनों के लक्ष्य को भी टीमों ने हासिल कर लिया। इस सत्र में बल्लेबाजों ने कुल 1260 छक्के मारे। प्रति मैच 17.02 छक्के लगे। सनराइजर्स हैदराबाद ने इस दौरान सबसे ज्यादा 178 छक्के लगाये। 165 छक्कों के साथ आरसीबी सूची में दूसरे स्थान पर थी।

### वैभव ने सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू किया, पहली ही गेंद पर लगाया छक्का

**जयपुर।** आवेश खान की अंतिम ओवर में अच्छी गेंदबाजी से लखनऊ सुपरजायंट्स ने आईपीएल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 2 रनों से हरा दिया। इस मैच में लखनऊ ने 5 विकेट पर 180 रन बनाए। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान 5 विकेट पर 178 रन ही बना पायी। इस मैच में राजस्थान की ओर से 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू किया जिससे वह आईपीएल खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने का रिकार्ड प्रयास रे बर्मन का था। प्रयास ने 16 साल की उम्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुर की ओर से खेला था। वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। ऐसा करने वाले वह 10वें बल्लेबाज बने हैं। वैभव ने शार्दूल ठाकुर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया।

### पंजाब किंग्स की सहमालिक प्रीति जिंटा को बुखार हुआ

**नई दिल्ली।** आईपीएल टीम पंजाब किंग्स की सहमालिक प्रीति जिंटा बीमार हो गयी हैं। प्रीति जिंटा के बीमार होने की खबरें प्रशंसकों ने सोशल मीडिया में साझा की है। प्रीति ने भी कहा है कि वह बीमार है पर मैच देखती रहेंगी और अपनी टीम का हौसला बढ़ाती रहेंगी। साथ ही मजाकिया अंदाज में कहा कि ये क्रिकेट का बुखार है। प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया में लिखा, मेरा मानना है कि लगातार यात्रा, अत्यधिक गर्मी और एयर कंडीशनिंग के संपर्क में आने और लगातार होटल के कमरे बदलने की वजह से उन्हें बुखार हुआ है।

दैनिक सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

सत्ता सुधार


**अयोध्या।** कनाडा में अयोध्या के राम मंदिर की तर्ज पर मंदिर बनाने की तैयारी हो रही है। कनाडा से आए रामभक्त राकेश शर्मा व पंजाब से महीप त्रेहन ने अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किए। इसके बाद राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास से भेंटकर आशीर्वाद लिया और कनाडा में मंदिर बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया।



# राप्ती नदी की बाढ़ से बचाता है हावर्ट बांध, फोरलेन जाम से दिलाएगा निजात

## सीएम योगी ने कहा-गोरखपुर चारों ओर से जल से घिरा हुआ जिला

सत्ता सुधार ■ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह हावर्ट बांध पर बन रहे फोरलेन सड़क के निर्माण कार्यों का बहरामपुर रेगुलेटर नम्बर एक के समीप स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फोरलेन से बाढ़ बचाव के साथ ही यातायात की बड़ी समस्या का समाधान होगा। स्थलीय निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने फोरलेन की ड्राइंग मैप का अवलोकन कर प्रोजेक्ट की प्रगति की जानकारी ली और कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गोरखपुर चारों ओर से जल से घिरा हुआ क्षेत्र है। इसके पूरब में रामगढ़ताल, उत्तर की तरफ चिलुआताल, पश्चिम की तरफ राप्ती नदी और पश्चिमोत्तर में रोहिन नदी गोरखपुर महानगर को घेरे हुए है। रोहिन नदी से बचाव के लिए माधोपुर तटबंध बना हुआ है। राप्ती और रोहिन नदी का संगम डोमिनगढ़ में होता है और इसके बाद राप्ती नदी गोरखपुर के पश्चिम की ओर से बहती है। राप्ती नदी की बाढ़ से बचाव के लिए हावर्ट बांध बना हुआ है।

### फोरलेन सड़क बनेगी

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजघाट पुल से डोमिनगढ़ तक 4 किमी की फोरलेन सड़क बनेगी, इस पर 195 करोड रुपये का खर्च आएगा। ऐसे ही डोमिनगढ़ से माधोपुर तटबंध होते हुए महेसरा तक 10 किलोमीटर से अधिक मार्ग को फोरलेन किया जाएगा जिस पर लगभग 380 करोड़ रुपए खर्च होंगे। साथ ही डोमिनगढ़ में एक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण होगा जिस पर 132 करोड़ खर्च होना है। यानी कुल 700 करोड़ के ऊपर का यह कार्य जनता के लिए स्वीकृत किया गया है। स्वीकृति के बाद यहां कार्य भी युद्ध स्तर पर चल रहा है।

### प्रभावितों को देंगे मुआवजा

सीएम योगी ने कहा कि इस कार्य के प्रारंभ होने से तात्कालिक रूप से कुछ लोगों को परेशानी हुई होगी। किसी का भी मकान या मंदिर, मार्ग में आ रहा हो तो उसके सम्मानजनक ढंग से पुनर्वास और मुआवजा की व्यवस्था प्रशासन सुनिश्चित करेगा। इस पूरे कार्यक्रम को आमजन और व्यापारियों की सुरक्षा व सुविधा के दृष्टिकोण से सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान, जंगल कौड़िया के ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव, निवर्तमान अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# ज्ञान के साथ अर्थव्यवस्था में बज रहा भारत का डंका

## रक्षामंत्री राजनाथ बोले- हम तेजी से बढ़ रहे आगे, अभी भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

- रक्षामंत्री से मिला व्यापारियों का प्रतिनिधि मंडल
- मंत्री से समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन मिला

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आईआईएम रोड स्थित महर्षि विश्वविद्यालय में हुआ। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान रक्षामंत्री ने लोगों को संबोधित किया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ज्ञान के साथ ही अब अर्थव्यवस्था के मामले में भी भारत का डंका बज रहा है। भारत इस समय दुनिया की सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। भारतीय ज्ञान परंपरा का लोहा पूरा विश्व मानता रहा है। इस ज्ञान परंपरा के दम पर भारत को हमें विकसित राष्ट्र बनाना है। इस समय भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जिस गति से हम आगे बढ़ रहे हैं, अगले दो साल में हम विश्व की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में शामिल हो जाएंगे। प्रबुद्धजन संवाद में विधायक नीरज बोरा के साथ ही क्षेत्र के सभी पार्षद और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

### व्यापारी कल्याण बोर्ड का हो गठन

इधर, प्रबुद्ध जन संवाद के दौरान व्यापारी नेता अशोक मोतियानी और अनिल बजाज के नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल रक्षामंत्री से मिला। उन्हें अपनी समस्याएं बताईं। व्यापारियों ने अपनी समस्याओं की लिस्ट का एक ज्ञापन रक्षा मंत्री को सौंपा। इसमें उन्होंने कई मांगें रखीं। कहा कि लखनऊ को बिजली कटौती से मुक्त किया जाना चाहिए।

बिजली कटौती से काफी परेशानी होती है। आए दिन मरम्मत के नाम पर पांच-पांच घंटे तक बिजली बंद कर दी जाती है। इससे व्यापार प्रभावित होता है। साथ ही प्रमुख बाजारों में बिजली के तारों का मकड़जाल होने से हादसों का अंदेशा बना रहता है। इसे तुरंत हटाया जाना चाहिए।

### ठंडे पानी की मशीनें लगवाएं

व्यस्त बाजारों में फायर से संबंधित इंतजाम पुख्ता होने चाहिए। अमीनाबाद जैसे बड़े बाजारों में फायर विभाग की एक अतिरिक्त गाड़ी मौजूद रहनी चाहिए। नगर निगम द्वारा व्यस्त बाजारों में ठंडे पानी की मशीनें लगाई जानी चाहिए। ताकि, आने जाने वाले ग्राहकों को पीने का पानी उपलब्ध रहे। इसके साथ ही व्यापारियों ने व्यापारी कल्याण बोर्ड के जल्द ही गठन की मांग की। ताकि, व्यापारियों की समस्याएं बोर्ड के माध्यम से सरकार तक पहुंचाई जा सकें।

### ये लोग रहे मौजूद

व्यापारियों की समस्याएं सुनकर रक्षामंत्री ने बिजली विभाग के अधिकारयों को निर्देशित करने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल में उतर प्रदेश कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष अशोक मोतियानी, महामंत्री अनिल बजाज, अमित तलवार, प्रभु जालान, श्याम कृषनानी, पुनीत लाल चंदानी, सुशील गुरनानी जितेंद्र अरोड़ा सहित अन्य लोग शामिल रहे।

## संदिग्ध हालात में किसान की मौत, हत्या की आशंका

अयोध्या । क्षेत्र के बंडली का पुरवा तोरोमाफी निवासी किसान राम तीरथ (45) की शुक्रवार की रात संदिग्ध हालात में मौत हो गई। गांव के बाहर गेहूं के खाली खेत में उनका शव शनिवार की सुबह मिलने से गांव में हलचल मच गई। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। परिजनों के अनुसार राम तीरथ शुक्रवार देर शाम खेत की तरफ गए थे। वह रात में घर वापस नहीं लौटे। सुबह खेतों की तरफ गए ग्रामीणों ने गेहूं के खाली खेत में उनका शव देखकर परिजनों को सूचना दी। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक का एक व्यक्ति से भूमि विवाद चल रहा था। इसके चलते परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। किसान की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।


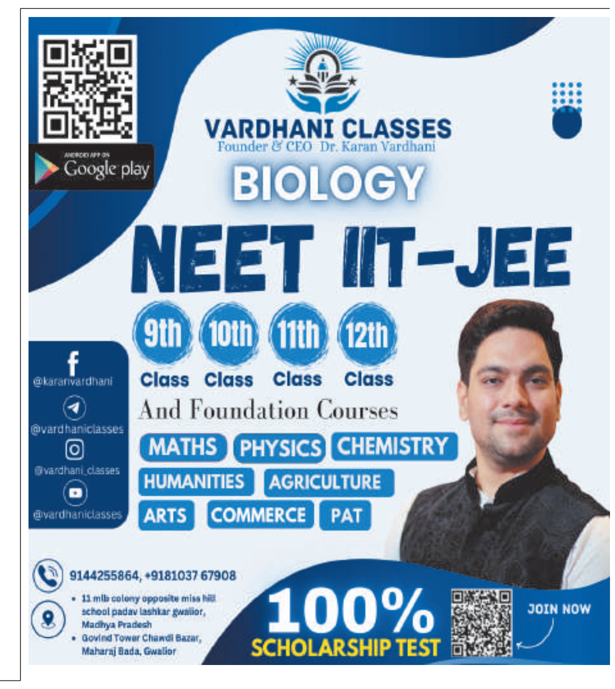

# नर्सरी से 8वीं तक के सभी स्कूलों का समय बदला

- भीषण गर्मी के चलते डीएम ने जारी किया आदेश
- पंखा, कूलर, पानी की व्यवस्थाएं स्कूल प्रबंधन करे

**आगरा।** भीषण गर्मी में लू के थपेड़ों से लोग बेहाल हैं। गर्म हवा के प्रकोप से बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे दुष्प्रभाव के मद्देनजर जिलाधिकारी अरविंद मलप्पा बंगारी ने जिले में नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के सभी सरकारी, गैर सरकारी, प्राइवेट व मिशनरीज स्कूलों के समय में बदलाव किया है। सभी स्कूलों में अग्रिम आदेशों तक सुबह 7 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कक्षाएं लगेंगी। स्कूलों में कक्षाओं के संचालन के दौरान गर्मी से बचाव के पर्याप्त इंतजाम करने के आदेश जिलाधिकारी ने दिए हैं। सुबह 7 से दोपहर 12 बजे के बीच कक्षाओं में पंखा, कूलर, शीतल पेयजल की व्यवस्थाएं स्कूल प्रबंधन को करनी होंगी। इस दौरान स्कूल परिसर में खुले स्थान पर छात्र-छात्राओं की शैक्षिक व अन्य सभी गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। लापरवाही पर समस्त जिम्मेदारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों की होगी।

### तापमान 39.6 डिग्री रहा

**शनिवार को तेज हवा चलने से अधिकतम तापमान में कमी तो आई लेकिन न्यूनतम तापमान में 0.9 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि ने दिन और रात के तापमान के बीच के अंतर को कम कर दिया। न्यूनतम 13 डिग्री का ही अंतर रह गया है। अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस रहा।**

# खराब मौसम से प्रभावितों को वितरित करें राहत राशि

- सीएम योगी के निर्देश- अधिकारी सर्वे कर भेजें रिपोर्ट

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में खराब मौसम को देखते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करें। अधिकारी क्षेत्र भ्रमण करके सर्वे करें। राहत कार्य पर नजर रखें। आपदा से जनहानि और पशुहानि होने पर प्रभावितों को तत्काल राहत राशि वितरित करें। इसके अलावा घायलों का समुचित इलाज कराया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि अधिकारी सर्वे करवाकर फसल नुकसान की रिपोर्ट तैयार कराएं। इसकी आख्या शासन को भेजें। ताकि, समय पर आगे की कार्यवाही की जा सके। साथ ही जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराएं।

**झोंकेदार हवाओं के साथ बूंदाबांदी-** प्रदेश में बदले हुए मौसम के बीच शनिवार को 30 से ज्यादा जिलों में झोंकेदार हवाओं के साथ बूंदाबांदी हुई। बेमौसम आंधी-बारिश से खेत में खड़ी और कटी फसलों को काफी नुकसान हुआ है।

### इन जिलों में बूंदाबांदी

विक्षोभ के सक्रिय होने से पश्चिम से शुरू हुई बारिश का असर प्रदेश के पूर्वांचल में भी दिखा। बस्ती, अयोध्या, बलरामपुर, बहराइच, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी आदि जिलों में बूंदाबांदी देखने को मिली। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मेरठ में सर्वाधिक 62 मिमी तो वहीं सीतापुर में 30 मिमी बारिश दर्ज की गई। आगरा, बुंदेलखंड, विंध्य क्षेत्र में बारिश का असर कम रहा।

## दो इनामी अपराधी मुठभेड़ में घायल

**आजमगढ़। आजमगढ़ के जीयनपुर कोतवाली, रौनापार थाना और स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम ने हत्या के मामले में वांछित दो इनामी अपराधियों को पुलिस मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी सगड़ी शुभम तोड़ी के नेतृत्व में 19-20 अप्रैल की रात सीएचसी लाटघाट पुलिया, जम्मनपुर मोड़ के पास रात 12:05 बजे मुठभेड़ हुई। दोनों आरोपियों में सर्फुद्दीन को दाहिने पैर और सौरभ उर्फ करिया के बाएं पैर में गोली लगी। प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी लाटघाट ले जाया गया।**

# सच्चाई छिपाने और झूठ फैलाने में माहिर भाजपा

## अखिलेश बोले-प्रोपेगेंडा पर चल रही पूरी सरकार

सत्ता सुधार ■ प्रयागराज

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सच्चाई छिपाने और झूठ फैलाने में भाजपा माहिर है। महाकुंभ में भी कुछ इसी तरह का खेल किया गया। सीएम योगी ने इंटरव्यू में दावा किया था कि महाकुंभ में 100 करोड़ लोगों की व्यवस्था की गई है, जो पूरी तरह से हवा हवाई साबित हुई है। सपा मुखिया ने कहा कि पहले किसी सरकार में कोई एक मंत्री प्रोपेगेंडा करता था, लेकिन आज पूरी भाजपा सरकार ही प्रोपेगेंडा पर चल रही है। यह सरकार तीस मार खां है। हर आंकड़े में 30 आता है। अखिलेश यादव रविवार को सिविल लाइंस में स्थित एक होटल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। वह सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के यहां आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। अखिलेश ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था और इंतजाम कम थे, लेकिन प्रचार में बहुत आगे रहे। प्रयागराज के महाकुंभ के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार को सुझाव दिया। हमारी तरह से जो भी सुझाव सोशल मीडिया के माध्यम से आता था, भाजपा उसको आलोचना समझती थी। कहा कि सपा ने 2013 का महाकुंभ सफलता पूर्वक कराया था। इसके अनुभवों के आधार पर हम लगातार सरकार को सुझाव देते रहे, लेकिन भाजपा सरकार इसे आलोचना मानकर इसको नजरअंदाज करती रही।

### अच्छी राय भी गलत

भाजपा के अंदर अहंकार इतना है कि अच्छी सलाह को भी बुरा मानते हैं। जिस तरह से 2025 के महाकुंभ। भाजपा के अंदर इतनी नकारात्मकता है कि अच्छी राय को भी गलत मानते हैं। भाजपा की ओर से महाकुंभ में जो आंकड़े बताए जा रहे थे सब हवा हवाई थे। इस पर स्टडी हो सकती है।


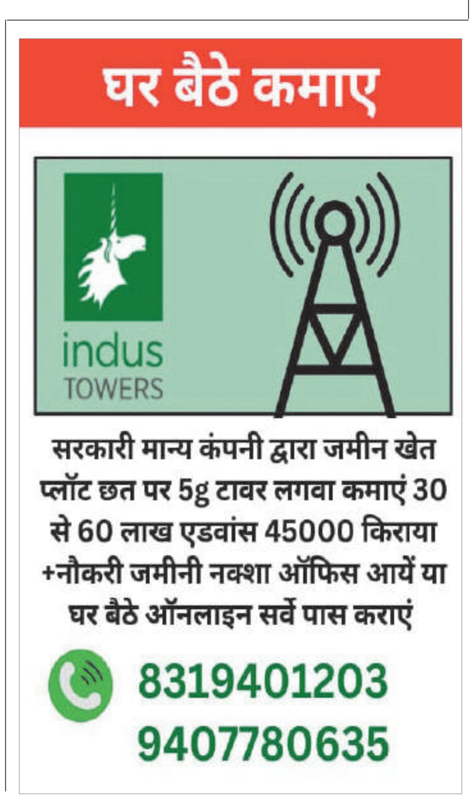

**स्वात्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव** के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड़ ग्वालियर से मुद्रित एवं गुब्बारा फाटक, जिंसी नाला नं.2 ग्वालियर से प्रकाशित। संपादक गोपाल श्रीवास्तव। **मोबाईल न.** 9893126900, 7869966100 स्थानीय संपादक **विनय कुमार अग्रवाल* मोबाईल न. 9425112345** आर.एन.आई. नं. 71276/99 डाक पंजीयन क्रमांक-552 विधिक सलाहकार, श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट, सभी विवादों के लिए न्यायालयीन क्षेत्र ग्वालियर मान्य होगा, **शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।** फोन- 0751-4925449, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910